दैनिक सीहोर जिले का प्रथम दैनिक K K RNI No.MPHIN/2003/10309

क्षितिज किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे | सीहोर जिले, नर्मदापुरम् संभाग एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा   वर्ष-23 अंक-146   सीहोर, रविवार 26 जुलाई 2026   पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये   सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

देशभर में छात्रों के विरोध-प्रदर्शन के बीच शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने दिया इस्तीफा

नईदिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली समेत पूरे भारत में छात्रों के प्रदर्शन को देखते हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने अपना इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने शनिवार को एक्स पर साझा एक लंबे बयान में कहा कि पिछले 10 दिन का घटनाक्रम देखकर वह काफी दुखी हैं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना इस्तीफा भेज दिया है। बता दें कि पूरे देश में प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर जबरदस्त प्रदर्शन हो रहा है। प्रधान ने अपने पत्र में बताया कि उन्होंने इसलिए इस्तीफा दिया है ताकि छात्र पढ़ाई पर ध्यान दें और करिअर पर फोकस करें। उन्होंने लिखा कि देश के युवा को कुचक्र में फंसने नहीं देंगे, यही उनका संकल्प है। प्रधान ने लिखा कि जंतर-मंतर पर जो स्थिति बनी है, उसका लाभ राष्ट्र विरोधी ताकतें न उठा पाए और युवा कानूनी पेचीदगी में न फंसे, इसलिए इस्तीफा दे रहे हैं। प्रधान ने पत्र में लिखा कि 3 मई को हुई नीट-यूजी 2026 की परीक्षा में अनियमितता सामने आने के बाद उन्होंने परीक्षा रद्द की, सीबीआई को जांच सौंपी और अगले साल कम्प्यूटर आधारित परीक्षा कराने का फैसला लिया। प्रधान ने लिखा कि उन्होंने कभी अपनी जिम्मेदारी से मुंह नहीं मोड़ा और दोबारा परीक्षा कराई। उन्होंने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का नाम लिए बगैर लिखा कि इस दौरान जिम्मेदार पदों पर बैठे व्यक्तियों ने छात्रों को गुमराह करने की कोशिश की। प्रधान ने लिखा कि वह पिछले 4 दशक से अधिक समय से छात्र, शिक्षक और शिक्षा सुधार के लिए समर्पित रहे हैं। उन्होंने लिखा कि पिछले 10 दिनों का घटनाक्रम देखकर उनका मन दु:खी है, यह उनके लिए व्यक्तिगत प्रतिष्ठा का विषय नहीं है। भारत की युवाशक्ति ही, इस देश की असली ताकत है।प्रधान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मार्गदर्शन, विश्वास और निरंतर सहयोग के लिए धन्यवाद दिया है।

झुकती है दुनिया झुकाने वाला चाहिए: धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर बोली CJP

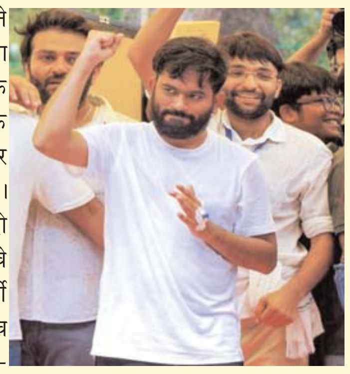

नई दिल्ली (आरएनएस)। पेपर लीक मामले में शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने आखिरकार इस्तीफा दे दिया है। इस्तीफे के बाद जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी के प्रमुख अभिजीत दीपके ने कहा- वे कहते थे, इस सरकार में इस्तीफे नहीं होते, लेकिन झुकती है दुनिया, झुकाने वाला चाहिए।पेपर लीक केस में उनके इस्तीफे की मांग करते हुए कॉकरोच जनता पिछले 36 दिन से जंतर-मंतर पर धरना दे रही है। प्रधान ने इस्तीफे को लेकर सोशल मीडिया पर चिट्ठी पोस्ट की। दो पेज और 575 शब्दों में लिखी इस चिट्ठी में प्रधान ने बाकी बातों के साथ दो जगह युवाओं को भ्रमित करने की बात भी लिखी। चिट्ठी का यह हिस्सा नीचे हाइलाइट किया गया है।धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे के बाद कॉकरोच जनता पार्टी का रिएक्शन आया है। पार्टी की तरफ से पोस्ट करके कहा गया कि कॉकरोच की जीत हुई। पार्टी पिछले 36 दिन से प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रही है। सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने भी प्रधान के इस्तीफे के लिए यहां भूख हड़ताल की। CJP के संस्थापक अभिजीत दीपके ने कहा कि धर्मेंद्र प्रधान ने इस्तीफा दे दिया है।

जनशक्ति जनता दल के अध्यक्ष तेज प्रताप यादव, बिहार के पटना ज़िले में राम गुलाम चौक पर नीट-यूजी पेपर लीक के आरोपों को लेकर हो रहे बिहार बंद के दौरान प्रदर्शन कर रहे छात्रों और युवाओं के साथ शामिल हुए।

दिल्ली के विरोध प्रदर्शनों में अब नहीं होगा पैलेट गन और इलेक्ट्रिक शॉक बैटन का इस्तेमाल

नई दिल्ली,(आरएनएस)। दिल्ली के जंतर-मंतर पर 20 जुलाई को हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान भीड़ नियंत्रण में सामने आई गंभीर कमियों के बाद रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ) ने व्यापक सुधारात्मक कदम उठाए हैं। आंतरिक समीक्षा के आधार पर दिल्ली में तैनात सुरक्षाबलों द्वारा पैलेट गन, दंगा-नियंत्रण गन, प्रक्षेप्य आक्रमण गन, इलेक्ट्रिक शॉक बैटन तथा इलेक्ट्रिक शील्ड जैसे उपकरणों के उपयोग पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी गई है। यह आदेश अगले निर्देश जारी होने तक प्रभावी रहेगा।रिपोर्ट के अनुसार, यह निर्णय आरएएफ की महानिरीक्षक सीमा धुंडिया की अध्यक्षता में 22 जुलाई को आयोजित उच्च स्तरीय वीडियो कॉन्फ्रेंस समीक्षा बैठक के बाद लिया गया। बैठक में आरएएफ के 30 वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। समीक्षा के दौरान जंतर-मंतर प्रदर्शन में बल की कार्यप्रणाली पर गंभीर असंतोष व्यक्त किया गया और इसके बाद कुल 26 सुधारात्मक उपाय लागू करने के निर्देश जारी किए गए।

मणिपुर हिंसा मामलों में सुप्रीम कोर्ट सख्त, रोजाना सुनवाई के लिए विशेष अदालतें गठित करने का सुझाव

नई दिल्ली,(आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने मणिपुर हिंसा से जुड़े मामलों में शीघ्र न्याय सुनिश्चित करने के लिए विशेष अदालतों के गठन का सुझाव दिया है। शीर्ष अदालत ने कहा कि 2023 की हिंसा से संबंधित मामलों की प्रतिदिन सुनवाई होनी चाहिए, ताकि पीड़ितों को जल्द न्याय मिल सके। इसके साथ ही अदालत ने केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और विशेष जांच दल (एसआईटी) को लंबित मामलों की जांच में तेजी लाने तथा सभी मामलों की अद्यतन स्थिति रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है।मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने सुनवाई के दौरान इस बात पर चिंता जताई कि कई पीड़ित परिवारों को अब तक उनके मामलों में दायर आरोपपत्रों की प्रतियां उपलब्ध नहीं कराई गई हैं। अदालत ने निर्देश दिया कि कानूनी सहायता वकील के संपर्क करने के एक सप्ताह के भीतर पीड़ितों और उनके अधिवक्ताओं को आरोपपत्र की प्रतियां उपलब्ध कराई जाएं।पीठ ने अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी से उन मामलों का पूरा ब्योरा प्रस्तुत करने को कहा है, जिनमें जांच पूरी कर आरोपपत्र दाखिल किए जा चुके हैं।

प्रहलाद जोशी को मिला शिक्षा मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार, धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा राष्ट्रपति ने किया मंजूर

नई दिल्ली,(आरएनएस)। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी को शिक्षा मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। वे धर्मेंद्र प्रधान की जगह अब शिक्षा मंत्रालय का कामकाज संभालेंगे। वहीं प्रधानमंत्री की सिफारिश पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा मंजूर कर लिया है। इससे पहले आज दोपहर में धर्मेंद्र प्रधान ने शिक्षा मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया था। ऐसे में सबकी नजर इस बार पर थी कि अब शिक्षा मंत्रालय कौन संभालेगा? लेकिन केंद्र सरकार ने यह अतिरिक्त जिम्मेदारी प्रह्लाद जोशी को सौंपी है। प्रह्लाद जोशी के पास फिहलहाल उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय की जिम्मेदारी भी है। बता दें कि पिछले करीबे एक महीने दिल्ली के जंतर मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी की अगुवाई में छात्रों का आंदोलन चल रहा था। नीट परीक्षा पेपर लीक कांड को लेकर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से इस्तीफे की मांग की जा रही थी।

किसानों का कल्याण सर्वोपरि : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव, दतिया से वर्चुअली खरगोन के बलराम कृषि महोत्सव से जुड़े

भोपाल(आरएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि किसानों का कल्याण सर्वोपरि है। राज्य सरकार ने कृषक कल्याण वर्ष - 2026 के अंतर्गत अनेक गतिविधियां आयोजित की हैं। जहां वर्ष की प्रथम छमाही में कृषि उपकरणों की तकनीक, उन्नत कृषि के संबंध में कार्यशालाएं आयोजित की गईं, वहीं दूसरी छमाही में बलराम कृषि महोत्सव आयोजित किए जा रहे हैं। बलराम कृषि महोत्सव का यह सिलसिला 15 जुलाई को इंदौर से प्रारंभ किया गया है। इस क्रम में 23 जुलाई को आलीराजपुर में कृषि महोत्सव का आयोजन भी हुआ। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शनिवार को दतिया से खरगोन के कृषि महोत्सव में वर्चुअली जुड़कर संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश में सिंचाई का रकबा निरंतर बढ़ रहा है। किसानों के लिए पर्याप्त बिजली की व्यवस्था की गई है। यही नहीं कृषक कल्याण वर्ष में गांव से दो पहियों से दूध और सब्जियां लेकर शहरों तक आने-जाने वाले किसान भाईयों को जीवन रक्षा के लिए हेलमेट भी प्रदान किए गए हैं। यह किसानों के लिए नवाचार भी है और सुविधा भी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के सभी जिलों में आगामी 13 नवम्बर तक बलराम कृषि महोत्सव के साथ ही अन्य अनेक आयोजन होंगे।

तालाब में समाई तेज रफ्तार कार, बंद शीशों ने छीन ली सांसें; 5 की मौत

राजगढ़ (ए.)। मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले से शनिवार सुबह एक बेहद दर्दनाक और रोंगटे खड़े कर देने वाली खबर सामने आई है। यहां खुजनेर थाना क्षेत्र के भीलखेड़ी जोड़ के पास एक तेज रफ्तार स्विफ्ट कार अचानक अनियंत्रित होकर सीधे तालाब में जा गिरी। हादसे के समय कार के शीशे और दरवाजे पूरी तरह बंद होने के कारण अंदर सवार लोगों को बाहर निकलने का कोई मौका नहीं मिला, जिससे पानी में डूबने से कार में सवार सभी पांच लोगों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद पूरे इलाके में चीख-पुकार और अफरा-तफरी मच गई।हादसे की जानकारी मिलते ही खुजनेर थाना प्रभारी रवि ठाकुर अपनी पुलिस टीम के साथ तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे। स्थानीय ग्रामीणों की मदद से काफी कड़ी मशक्कत के बाद तालाब में डूबी कार को बाहर निकाला गया। प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई है कि दुर्घटना के वक्त कार के सभी दरवाजे लॉक थे और शीशे पूरी तरह चढ़े हुए थे। पानी में कार गिरते ही अंदर बैठे लोग बुरी तरह फंस गए और उनका दम घुटने लगा। पुलिस और ग्रामीणों ने कार के शीशे तोड़कर सभी को बाहर निकाला और तुरंत नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी और डॉक्टरों ने जांच के बाद पांचों को मृत घोषित कर दिया।पुलिस ने मृतकों की जेब से मिले दस्तावेजों के आधार पर उनकी पहचान की प्रक्रिया शुरू कर दी है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, इस भीषण हादसे का शिकार हुए लोग अरनिया खुर्द, अवंतीपुर बड़ोदिया, मोहन बड़ोदिया और हताई खेड़ा गांवों के निवासी बताए जा रहे हैं। फिलहाल पुलिस ने सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया है और उनके परिजनों को सूचना दे दी गई है।

असम में आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़, पाकिस्तान के शहजाद भट्टी नेटवर्क से जुड़े तीन संदिग्ध गिरफ्तार

गुवाहाटी ,(आरएनएस)। असम पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) ने पाकिस्तान स्थित शहजाद भट्टी नेटवर्क से जुड़े एक कथित आतंकी मॉड्यूल का पर्दाफाश करते हुए तीन संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई धुबरी, चिरांग और बारपेटा जिलों में स्थानीय पुलिस की सहायता से संयुक्त अभियान के दौरान की गई।पुलिस अधिकारियों के अनुसार, गिरफ्तार किए गए तीनों संदिग्ध अलग-अलग जिलों के निवासी हैं। तलाशी अभियान में उनके कब्जे से पांच मोबाइल फोन, सात सिम कार्ड, आधार कार्ड, बैंक पासबुक, डेबिट कार्ड और कुछ संदिग्ध दस्तावेज बरामद किए गए हैं।

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर विपक्ष का हमला, खरगे बोले- यह छात्रों की जीत और मोदी की जिद की हार

नई दिल्ली,(आरएनएस)। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। विपक्षी दलों ने इस फैसले को छात्र आंदोलन की जीत बताते हुए केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि यह देश के लाखों छात्रों के संघर्ष और लोकतांत्रिक आवाज की जीत है।धर्मेंद्र प्रधान ने 25 जुलाई 2026 को सोशल मीडिया मंच एक्स के माध्यम से अपने इस्तीफे की जानकारी साझा की। उनका इस्तीफा ऐसे समय आया है, जब नीट-यूजी परीक्षा विवाद को लेकर छात्रों का आंदोलन लगातार जारी था और सरकार पर जवाबदेही तय करने का दबाव बढ़ता जा रहा था। इससे एक दिन पहले राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के 47 अधिकारियों को सेवा से हटाए जाने की कार्रवाई भी हुई थी।इस्तीफे के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि छात्रों की आवाज आखिरकार सत्ता तक पहुंच गई है। उन्होंने इसे सत्य, लोकतंत्र और देशभर में शिक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग कर रहे युवाओं की जीत बताया। साथ ही आरोप लगाया कि सरकार को छात्रों की चिंताओं को पहले ही गंभीरता से लेना चाहिए था।

भार्गवास्त्र से बढ़ेगी भारत की ड्रोन-रोधी ताकत, 10 सेकंड में 64 माइक्रो-रॉकेट दागने में सक्षम

नई दिल्ली,(आरएनएस)। भारत ने आधुनिक ड्रोन खतरों से निपटने की दिशा में बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए स्वदेशी काउंटर स्वार्म ड्रोन प्रणाली भार्गवास्त्र विकसित की है। यह अत्याधुनिक प्रणाली ड्रोन स्वार्म, हथियारबंद ड्रोन और आत्मघाती (लॉइटरिंग म्यूनिशन) ड्रोन को हवा में ही नष्ट करने में सक्षम है। भारतीय रक्षा कंपनी सोलर डिफेंस एंड एयरोस्पेस लिमिटेड (एसडीएएल) द्वारा विकसित इस प्रणाली का भारतीय सेना के समक्ष नागपुर में सफल प्रदर्शन किया गया।भार्गवास्त्र की सबसे बड़ी विशेषता इसकी हार्ड-किल तकनीक है। सामान्य एंटी-ड्रोन प्रणालियां जहां ड्रोन के संचार या जीपीएस सिग्नल को जाम करती हैं, वहीं भार्गवास्त्र सीधे लक्ष्य को भौतिक रूप से नष्ट कर देता है। इससे एक साथ हमला करने वाले ड्रोन झुंड (ड्रोन स्वार्म) के खतरे का प्रभावी ढंग से मुकाबला किया जा सकता है।इस प्रणाली में उच्च गति से प्रतिक्रिया देने की क्षमता है। भार्गवास्त्र महज 10 सेकंड के भीतर 64 माइक्रो-रॉकेट दाग सकता है, जिससे एक साथ कई ड्रोन को निशाना बनाया जा सकता है। यह क्षमता इसे बड़े पैमाने पर होने वाले ड्रोन हमलों के खिलाफ बेहद प्रभावी बनाती है।

गुजरात में मूसलाधार बारिश से जनजीवन बेहाल, कई जिले जलमग्न; कई राज्यों में भी भारी वर्षा का अलर्ट

अहमदाबाद (आरएनएस)। गुजरात में लगातार हो रही भारी बारिश से कई जिलों में जनजीवन प्रभावित हो गया है। उत्तर और दक्षिण गुजरात के अनेक इलाकों में तेज बारिश के कारण निचले क्षेत्र जलमग्न हो गए हैं। मौसम विभाग ने राज्य के कई जिलों में अगले कुछ दिनों तक भारी बारिश, तेज हवाओं और आकाशीय बिजली की चेतावनी जारी की है।

राज्य में सबसे अधिक वर्षा बनासकांठा जिले के देवदार तालुका में दर्ज की गई, जहां 1.85 इंच बारिश हुई। इसके अलावा लखनी, धनेरा, राह, ओड, वलसाड के नानापोंधा और नवसारी के खेरगाम सहित कई क्षेत्रों में भी अच्छी बारिश रिकॉर्ड की गई है।मौसम विभाग के अनुसार, बनासकांठा, पाटन और कच्छ जिलों में कहीं-कहीं भारी बारिश के साथ 41 से 61 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। इन इलाकों में गरज-चमक और बिजली गिरने की भी आशंका जताई गई है। वहीं अहमदाबाद, गांधीनगर, महेसाणा, राजकोट, सूरत, नवसारी, वलसाड, मोरबी, अमरेली, जूनागढ़ और अन्य कई जिलों में मध्यम से तेज बारिश का पूर्वानुमान है।मौसम विभाग ने पश्चिम बंगाल, झारखंड, बिहार, ओडिशा और सिक्किम के लिए भी अगले कुछ दिनों तक भारी से बहुत भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। कई स्थानों पर तेज हवाओं, गरज-चमक और बिजली गिरने की संभावना जताई गई है। विशेष रूप से बिहार में 28 से 30 जुलाई, जबकि ओडिशा में 25 से 28 जुलाई के बीच भारी वर्षा की संभावना है।इसके अलावा बंगाल की खाड़ी, अंडमान सागर और दक्षिणी समुद्री क्षेत्रों में मौसम खराब रहने की चेतावनी जारी की गई है। मौसम विभाग ने 25 से 29 जुलाई के बीच मछुआरों को समुद्र में न जाने और तटीय क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतने की सलाह दी है।प्रशासन ने संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी बढ़ा दी है और लोगों से मौसम विभाग की सलाह का पालन करने की अपील की है। लगातार हो रही बारिश को देखते हुए निचले इलाकों में जलभराव और नदी-नालों के उफान की आशंका बनी हुई है

दमन, दादरा एवं नगर हवेली और दक्षिण गुजरात में बाढ़ के बीच भारतीय तटरक्षक बल का बड़ा राहत अभियान

नई दिल्ली, (आरएनएस)। दमन, दादरा एवं नगर हवेली तथा दक्षिण गुजरात में लगातार हो रही भारी वर्षा और भीषण बाढ़ के बीच भारतीय तटरक्षक बल ने साहस, तत्परता और मानवीय संवेदनाओं का परिचय देते हुए व्यापक राहत एवं बचाव अभियान चलाया। नागरिक प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित कर तटरक्षक बल ने 22 जुलाई की मध्यरात्रि से अब तक कुल 11 बचाव अभियानों के माध्यम से 170 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। भारतीय तटरक्षक बल ने बचाव अभियान की शुरुआत 22 और 23 जुलाई की रात को दादरा एवं नगर हवेली के खानवेल (सिलवासा) क्षेत्र से पांच फंसे लोगों को सुरक्षित निकालकर की।

K ✌ K
राजधानी समाचार

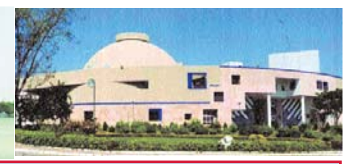

राजनीति का उद्देश्य समाज कल्याण है, नई पीढ़ी को पूर्व मुख्यमंत्री स्व. गोविन्द नारायण सिंह से सेवा और समर्पण की लेनी चाहिए सीख : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

पूर्व मुख्यमंत्री स्व. श्री सिंह की जयंती पर किया नमन

भोपाल (ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्व. गोविंद नारायण सिंह की जयंती पर शनिवार को मध्यप्रदेश विधानसभा के सेंट्रल हॉल में उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया। पुष्पांजलि कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर, अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं पूर्व मुख्यमंत्री स्व. सिंह के परिजन उपस्थित थे।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राजनीति का उद्देश्य केवल सत्ता पाना नहीं, समाज का कल्याण करना है। आज की नई पीढ़ी को पूर्व मुख्यमंत्री स्व. गोविंद नारायण सिंह के जीवन से सेवा, समर्पण और नैतिकता की सीख लेनी चाहिए। वे बेहद सरल जीवन और सहज व्यवहार के लिए प्रसिद्ध थे। जनता से उनका सीधा संवाद उनकी सबसे बड़ी शक्ति था। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों और सामान्य नागरिकों की समस्याओं को निकट से समझा। ऐसे व्यक्तित्व सदैव समाज का मार्गदर्शन करते हैं। उनकी कार्यशैली आज भी जनप्रतिनिधियों के लिए प्रेरणास्रोत है। पूर्व मुख्यमंत्री स्व. सिंह का जीवन युवाओं को ईमानदारी, संघर्ष और राष्ट्र सेवा का संदेश देता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि गोविन्द नारायण सिंह वर्ष 1967 में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री बने, जब प्रदेश की राजनीति एक नए दौर से गुजर रही थी। उन्होंने प्रशासन में जवाबदेही और जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का प्रयास किया. लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत बनाने और जनता

मध्यप्रदेश विधानसभा के सेंट्रल हॉल में अर्पित की पुष्पांजलि

की अपेक्षाओं के अनुरूप शासन चलाने की दिशा में कार्य किया। उनका कार्यकाल राजनीतिक परिवर्तन का महत्वपूर्ण प्रतीक माना जाता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज पूर्व मुख्यमंत्री स्व. सिंह की जयंती पर हम सभी उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लें। उनके दिखाए मार्ग पर चलते हुए हम विकसित, समृद्ध और आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के निर्माण के लिए कार्य करेंगे। प्रदेश में जनकल्याण, सुशासन और सतत् विकास के मार्ग पर लगातार आगे बढ़ना ही उनके प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

पूर्व मुख्यमंत्री स्व. गोविंद नारायण सिंह का जन्म 25 जुलाई 1920 को रामपुर बघेलान में हुआ था। एम.ए., एलएलबी. तक शिक्षा ग्रहण कर उन्होंने अपने सार्वजनिक एवं राजनैतिक जीवन प्रारंभ किया।

उन्होंने चतुर्थ विधानसभा (1967-1972) में 30 जुलाई 1967 से 12 मार्च 1969 तक मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में प्रदेश के विकास को एक नई दिशा दी थी। श्री सिंह का 10 मई 2005 को देहावसान हो गया।

मीडिया से चर्चा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पुष्पांजलि कार्यक्रम के पश्चात मीडिया प्रतिनिधियों से चर्चा में कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री स्व. गोविंद नारायण सिंह राज्य में तत्कालीन संविद सरकार की राजनीति के केंद्र बिंदु थे। वे रीवा के निवासी थे। उन्होंने सादगी, निष्पक्षता के साथ समाज सेवा के क्षेत्र में विशेष पहचान बनाई थी। पूर्व मुख्यमंत्री श्री सिंह ने स्वतंत्रता आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। आज उनकी जयंती के अवसर पर हम सभी उनका स्मरण कर रहे हैं। श्री सिंह ने राजमाता सिंधिया के कार्यकाल में जनता की आवाज बनकर यह भरोसा दिलाया था कि पक्ष हो या विपक्ष, अब राजनीति में बदलाव का समय है। पूर्व मुख्यमंत्री स्व. सिंह प्रदेश की राजनीति में लोकतांत्रिक परंपरा की मिसाल बने। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारे विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और पूर्व विधानसभा अध्यक्षों की जयंती और पुण्यतिथि पर पुष्पांजलि कार्यक्रम कराने की उत्कृष्ट पहल की है।

गौ सम्मान आह्वान अभियानः 27 जुलाई को सरकार को सौंपेंगे ज्ञापन, गौ-हत्या पर रोक की मांग

भोपाल,(ए.)। देशभर में चल रहे गौ सम्मान आह्वान अभियान के दूसरे चरण के तहत भोपाल सहित विभिन्न जिलों में 27 जुलाई को प्रशासन के माध्यम से राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल और मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपे जाएंगे। अभियान का उद्देश्य गाय के संरक्षण, सम्मान और देशभर में गौ-हत्या पर रोक लगाने की मांग को प्रमुखता से उठाना है। अभियान के जिला प्रभारी श्रीराम शर्मा ने शनिवार को एक पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए बताया कि भोपाल जिले से दो लाख से अधिक नागरिकों के हस्ताक्षरयुक्त ज्ञापन और एक प्रार्थना-पत्र भी भेजा जाएगा। उनका कहना है कि अभियान के माध्यम से गौ-संरक्षण को लेकर व्यापक जनसमर्थन सरकार तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। कार्यक्रम की शुरुआत 27 जुलाई, सोमवार सुबह गौ भक्त गुफा मंदिर (कालीघाट के पास) से होगी। यहां गौमाता का पूजन, शंखनाद और सुबह 9:15 बजे तक श्री राम जय राम जय जय राम विजय मंत्र का सामूहिक जप किया जाएगा। इसके बाद श्रद्धालु झंडे और बैनर के साथ जिलाधिकारी कार्यालय तक प्रार्थना-यात्रा निकालेंगे। यात्रा में गोमाता की झांकी, बुलडोजर पर प्रदर्शित हस्ताक्षर अभियान तथा संत-महात्माओं, सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों, किसानों और बड़ी संख्या में गौभक्तों की सहभागिता रहेगी।अभियान से जुड़े पदाधिकारियों ने जिले के नागरिकों से इस जनजागरण अभियान में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की है। उन्होंने लोगों से परिवार सहित पारंपरिक वेशभूषा में निर्धारित समय पर कार्यक्रम स्थल पहुंचने और गौ-संरक्षण, सेवा एवं सम्मान के इस अभियान को सफल बनाने में सहयोग देने का आग्रह किया है।

विद्युत लोको शेड, इटारसी में राजभाषा प्रगति समीक्षा तिमाही बैठक संपन्न

भोपाल (निप्र)। विद्युत लोको शेड, इटारसी में अप्रैल से जून 2026 तिमाही की राजभाषा प्रगति समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में सत्येन्द्र चौधरी, राजभाषा संपर्क अधिकारी एवं सहायक मंडल सामग्री प्रबंधक, बृजेंद्र कुमार, मंडल राजभाषा अधिकारी, हरिनारायण सिंह यादव, सहायक मंडल विद्युत इंजीनियर, सुधीर कुमार, वरिष्ठ अनुवादक, राजेश कुमार, वरिष्ठ अनुवादक तथा सचिन सिंह तोमर, सचिव, राजभाषा कार्यान्वयन समिति सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। बैठक को संबोधित करते हुए सत्येन्द्र चौधरी ने राजभाषा संबंधी आंकड़ों के सावधानीपूर्वक संधारण पर बल देते हुए कहा कि हिंदी के प्रयोग में पूर्व की तुलना में प्रगति का ग्राफ अपेक्षाकृत कम दिखाई दे रहा है। उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से अधिक मेहनत एवं समर्पण के साथ राजभाषा कार्यों को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। मंडल राजभाषा अधिकारी बृजेंद्र कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि विद्युत लोको शेड, इटारसी द्वारा राजभाषा के क्षेत्र में सराहनीय कार्य किया जा रहा है, जिसकी प्रशंसा मंडल स्तरीय बैठकों में भी की जाती है। उन्होंने आश्वासन दिया कि पीसीडीओ/एमसीडीओ जैसे पूर्णतः अंग्रेजी में उपलब्ध प्रारूपों को हिंदी में उपलब्ध कराने के संबंध में उच्च स्तर पर चर्चा की जाएगी। इस अवसर पर सहायक मंडल विद्युत इंजीनियर हरिनारायण सिंह यादव ने कहा कि अन्य शेडों की तुलना में विद्युत लोको शेड, इटारसी में राजभाषा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य हो रहा है। उन्होंने हिंदी के प्रयोग एवं कार्यक्षेत्र को और अधिक व्यापक बनाने पर बल दिया। बैठक के अंत में राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सचिव सचिन सिंह तोमर ने सभी उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त किया तथा राजभाषा के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु सभी से निरंतर सहयोग की अपेक्षा व्यक्त करते हुए बैठक के समापन की घोषणा की।

उच्च शिक्षा मंत्री इन्दर सिंह परमार ने पाठ्यक्रम निर्माण से संबंधित कार्यशाला के समापन सत्र में सहभागिता की।

जवाहरलाल नेहरु पुलिस अकादमी में 43 आबकारी अधिकारियों का दीक्षांत समारोह सम्पन्न

भोपाल,(ए.)। मध्यप्रदेश पुलिस की प्रशिक्षण संस्था जवाहरलाल नेहरू पुलिस अकादमी (जेएनपीए), सागर में जिला आबकारी अधिकारियों एवं आबकारी उप निरीक्षकों के द्वितीय बैच के 43 प्रशिक्षणार्थी अधिकारियों का दीक्षांत समारोह गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। दो माह के आधारभूत प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के उपरांत प्रशिक्षु अधिकारियों ने राष्ट्रसेवा, कानून के प्रभावी क्रियान्वयन तथा जनहित के प्रति पूर्ण निष्ठा एवं समर्पण के साथ कार्य करने का संकल्प लिया।18 मई से 23 जुलाई 2026 तक आयोजित इस आधारभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों को आबकारी अधिनियम, विधिक प्रावधानों, अन्वेषण, नेतृत्व क्षमता, अनुशासन, शारीरिक दक्षता, फील्ड क्राफ्ट, व्यवहारिक पुलिसिंग तथा व्यावसायिक कौशल से संबंधित विभिन्न विषयों का व्यापक एवं व्यवहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया, जिससे वे अपने दायित्वों का प्रभावी एवं उत्तरदायी ढंग से निर्वहन कर सकें।

ट्वीशा शर्मा मौत मामलाः गिरीबाला सिंह की नियमित जमानत अर्जी खारिज

आरोपों को गंभीर मानते हुए कोर्ट ने राहत देने से किया इनकार

भोपाल, (ए.)। मॉडल एवं अभिनेत्री ट्वीशा शर्मा की मौत के मामले में आरोपित उनकी सास और भोपाल की पूर्व जिला न्यायाधीश गिरीबाला सिंह को फिलहाल राहत नहीं मिली है। विशेष सीबीआई न्यायालय ने शनिवार देर शाम उनकी नियमित जमानत अर्जी खारिज कर दी। अदालत ने शुक्रवार को दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था। विशेष सीबीआई न्यायालय के न्यायाधीश राम प्रताप मिश्रा ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जमानत देने से इनकार कर दिया। अदालत ने बचाव पक्ष की ओर से प्रस्तुत तर्कों पर विचार करने के बाद नियमित जमानत अर्जी निरस्त कर दी।

कई अदालतों से गुजरने के बाद हुई सुनवाई

जमानत आवेदन की सुनवाई से पहले मामला अलग-अलग अदालतों में स्थानांतरित हुआ। एक न्यायाधीश के अवकाश पर होने के कारण सुनवाई नहीं हो सकी, जबकि कुछ न्यायाधीशों ने निष्पक्षता और पूर्व पेशेवर संबंधों का हवाला देते हुए स्वयं को सुनवाई से अलग कर लिया। इसके बाद प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के निर्देश पर मामला विशेष सीबीआई न्यायालय भेजा गया, जहां अंतिम सुनवाई हुई।

बचाव पक्ष ने उम्र और स्वास्थ्य का दिया हवाला

सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष ने दलील दी कि गिरीबाला सिंह वरिष्ठ नागरिक हैं और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रही हैं। अधिवक्ता ने अदालत को बताया कि जेल में उनकी तबीयत खराब हुई है तथा उनकी लगभग 100 वर्षीय मां उनकी

देखभाल पर निर्भर हैं। बचाव पक्ष ने यह भी कहा कि आरोपी ने जांच में सहयोग किया है, वह नियमित वेतन और युद्ध वीरांगना पेंशन प्राप्त करती हैं, इसलिए दहेज मांगने का आरोप तर्कसंगत नहीं है।सीबीआई ने जमानत अर्जी का विरोध करते हुए अदालत में कहा कि केवल महिला होने या उम्र के आधार पर राहत नहीं दी जा सकती। एजेंसी ने तर्क दिया कि मामला गंभीर प्रकृति का है और जांच अभी भी महत्वपूर्ण चरण में है। सीबीआई ने अदालत को बताया कि आरोपी ने जांच के दौरान वॉयस सैंपल देने से इनकार किया था। साथ ही जेल प्रशासन की मेडिकल रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए कहा कि उनकी स्वास्थ्य स्थिति सामान्य है।

प्रदेश के 90 हजार अतिथि शिक्षकों के लिए बड़ी राहत, अब साल में मिलेंगे 10 आकस्मिक अवकाश

भोपाल, (ए.) । मध्य प्रदेश सरकार के स्कूल शिक्षा विभाग ने राज्य के लगभग 90 हजार अतिथि शिक्षकों के हित में एक और महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। अब इन शिक्षकों को पूरे शैक्षणिक सत्र के दौरान 10 दिनों का आकस्मिक अवकाश (सीएल) मिलेगा। स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने इस फैसले की जानकारी देते हुए बताया कि विभागीय आदेश शीघ्र जारी किए जाएंगे।स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी साझा करते हुए बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के साथ हुई चर्चा के उपरांत यह निर्णय लिया गया है। अब तक अतिथि शिक्षकों को सत्र के दौरान एक भी दिवस का आकस्मिक अवकाश नहीं दिया जाता था। नई व्यवस्था के तहत अतिथि शिक्षकों को पदभार ग्रहण करते ही 1 दिन का आकस्मिक अवकाश (सीएल) लेने की पात्रता होगी। इसके बाद, हर 30 दिन की सेवा अवधि पूरी करने पर 1-1 अतिरिक्त सीएल जुड़ती जाएगी। हालांकि, व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से शर्त रखी गई है कि एक बार में अधिकतम 3 सीएल ही ली जा सकेंगी।

भोपाल में 30 हजार कारोबारियों पर कार्रवाई की तैयारी

नोटिस के विरोध में उतरा चैंबर ऑफ कॉमर्स, सीलिंग रोकने की मांग

भोपाल,(निप्र)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में रिहायशी क्षेत्रों में संचालित व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के खिलाफ नगर निगम की कार्रवाई को लेकर व्यापारियों में चिंता बढ़ गई है। पहले चरण में 429 दुकानों, कार्यालयों, बैंकों और शोरूमों को नोटिस जारी किए गए हैं। नगर निगम का अनुमान है कि शहर में करीब 30 हजार व्यावसायिक प्रतिष्ठान नियमों के विपरीत संचालित हो रहे हैं। इस बीच भोपाल चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री व्यापारियों के समर्थन में खुलकर सामने आया है और कार्रवाई पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है। नगर निगम ने मध्यप्रदेश भूमि विकास नियम-2012 और नगर पालिक निगम अधिनियम-1956 के तहत नोटिस जारी कर संबंधित प्रतिष्ठानों को 27 जुलाई तक वैध अनुमति संबंधी दस्तावेज प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। निर्धारित समय सीमा में दस्तावेज नहीं देने या अवैध व्यावसायिक गतिविधियां बंद नहीं करने पर सीलिंग की कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। नगर निगम का कहना है कि यह कार्रवाई सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के पालन में की जा रही है। निगम को 30 जुलाई तक कोर्ट में शपथ-पत्र दाखिल करना है, जबकि मामले की अगली सुनवाई 4 अगस्त को प्रस्तावित है। राजधानी भोपाल में शनिवार को आयोजित प्रेस वार्ता में भोपाल चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष गोविंद गोयल ने कहा कि दशकों से संचालित दुकानों और प्रतिष्ठानों को महज 10 दिन का समय देकर बंद कराना व्यावहारिक नहीं है। इससे हजारों छोटे व्यापारियों और उनके परिवारों की आजीविका प्रभावित होगी। उन्होंने कहा कि अधिकांश व्यापारियों के पास नगर निगम का लाइसेंस, जीएसटी पंजीयन और गुमास्ता लाइसेंस जैसे आवश्यक दस्तावेज मौजूद हैं। ऐसे में बिना वैकल्पिक व्यवस्था किए कार्रवाई करना उचित नहीं है। चैंबर ने सरकार और प्रशासन से मांग की है कि शहर के प्रमुख मार्गों और व्यावसायिक गतिविधियों वाले क्षेत्रों में मिक्स्ड लैंड यूज नीति लागू कर वर्षों से संचालित व्यापारिक प्रतिष्ठानों को वैधानिक मान्यता दी जाए। साथ ही, जब तक भोपाल का नया मास्टर प्लान लागू नहीं हो जाता, तब तक नगर निगम की दंडात्मक कार्रवाई पर रोक लगाने और व्यापारियों के लिए पुनर्वास या वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की गई है।

मध्य प्रदेश में 20 आईएएस अफसरों के तबादले, 6 जिलों के कलेक्टर बदले

भोपाल, (निप्र.) । मध्य प्रदेश सरकार ने अशोक वर्णवाल के मुख्य सचिव का पदभार ग्रहण करने के महज 24 घंटे के भीतर बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करते हुए आधी रात को 20 आईएएस अधिकारियों के स्थानांतरण आदेश जारी किए हैं। इस फेरबदल के तहत 6 जिलों में नए कलेक्टरों की तैनाती की गई है, वहीं इंदौर संभागायुक्त और मुख्यमंत्री सचिवालय समेत कई महत्वपूर्ण विभागों के शीर्ष अधिकारियों के प्रभार बदले गए हैं। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा शुक्रवार देर रात जारी आदेश के अनुसार, इंदौर के संभागायुक्त डॉ. सुदाम पी.

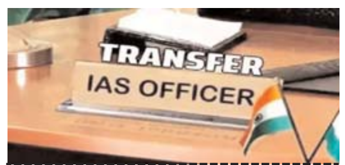

- राजौरा बने प्रशासन अकादमी के डीजी, डॉ. खाड़े मुख्यमंत्री के सचिव नियुक्त

खाड़े को मुख्यमंत्री सचिवालय में सचिव के पद पर पदस्थ किया गया है, जबकि उनकी जगह भास्कर लक्षकार को इंदौर का नया संभागायुक्त बनाया गया है। वहीं, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव नीरज मण्डलोई को जनवरी 2027 में भोपाल में आयोजित होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (जीआईएस) की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है, इसके साथ ही उन्हें औद्योगिक नीति एवं एमएसएमई विभाग का दायित्व भी दिया गया है। इसके अलावा, अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा को प्रशासन अकादमी का महानिदेशक (डीजी) नियुक्त किया गया है।प्रशासनिक बदलावों के तहत रतलाम, शहडोल, अनूपपुर, खरगोन, मंदसौर और आगर मालवा में नए कलेक्टरों की नियुक्ति की गई है।

3,000 लीटर डीज़ल के धुएँ की जगह केवल जलवाष्प का उत्सर्जन : भारत की हाइड्रोजन ट्रेन की कहानी

भोपाल (निप्र)। भारत की पहली हाइड्रोजन ट्रेन को 17 जुलाई, 2026 को दिल्ली क्षेत्र में जींद-सोनीपत रेलखंड पर हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। अब तक यह ट्रेन 1,200 किलोमीटर से अधिक की सफल यात्रा पूरी कर चुकी है, जिससे 3,200 लीटर से अधिक डीज़ल की बचत हुई है। यह हाइड्रोजन ट्रेन हाइड्रोजन और ऑक्सीजन के बीच होने वाली रासायनिक अभिक्रिया से ट्रेन के भीतर ही बिजली उत्पन्न करती है। इस प्रक्रिया से ट्रेन को चलाने के लिए आवश्यक विद्युत ऊर्जा प्राप्त होती है तथा उप-उत्पाद के रूप में केवल जलवाष्प (W ater Vapour) निकलती है। इसमें न धुआँ निकलता है और न ही टेलपाइप से कार्बन उत्सर्जन होता है, जिससे यह वर्तमान में उपलब्ध रेल प्रणोदन (Rail Propul-sion) की सबसे स्वच्छ तकनीक बन जाती है। यह परियोजना भारतीय रेल के नेतृत्व में विकसित एक पूर्णतः स्वदेशी पहल है। 10 कोच वाली इस ट्रेन में दो हाइड्रोजन ड्राइविंग पावर कार हैं, जो संयुक्त रूप से 2,400 किलोवाट शक्ति प्रदान करती हैं। इसके साथ लिथियम आयरन फॉस्फेट बैटरियाँ तथा हाइड्रोजन सिलेंडर भी लगाए गए हैं। इस परियोजना के तहत जींद में भारतीय रेल की पहली समर्पित हाइड्रोजन भंडारण सुविधा स्थापित की गई है। यहाँ 500 Bar तक के दाब (Pressure) पर ग्रीन हाइड्रोजन का भंडारण तथा 350 Bar के दाब पर ईंधन भरने की व्यवस्था है। इस सुविधा की कुल भंडारण क्षमता लगभग 3,000 किलोग्राम है। ट्रेन में सुरक्षा के लिए अनेक स्वतंत्र प्रणालियाँ स्थापित की गई हैं, जो हाइड्रोजन रिसाव, अधिक तापमान, आग और धुएँ का स्वतः पता लगाती हैं। इनके साथ स्वचालित शट-ऑफ सिस्टम, निरंतर वेंटिलेशन, अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा मानकों का अनुपालन तथा सभी अनिवार्य परीक्षण और सत्यापन भी सुनिश्चित किए गए हैं। जींद-सोनीपत रेलखंड पर सफल परिचालन के बाद जल्द ही इसका परीक्षण दिल्ली मार्ग पर भी प्रारंभ किया जाएगा। भारत की हाइड्रोजन फ्यूल सेल ट्रेन केवल एक तकनीकी उपलब्धि नहीं, बल्कि स्वदेशी हाइड्रोजन रेल इकोसिस्टम की स्थापना की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह परियोजना सतत, शून्य-उत्सर्जन (Zero Emis-sion) रेल परिवहन के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करती है तथा भविष्य में इसके व्यापक विस्तार और स्वच्छ परिवहन के क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व की मजबूत आधारशिला रखती है।

मंदसौर पुलिस की बड़ी कार्रवाई

465 किलोग्राम डोडाचूरा एवं वाहन सहित लगभग 21 लाख रुपये से अधिक की संपत्ति जब्त

भोपाल (ए.)। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा प्रदेशभर में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी, भंडारण एवं विक्रय के विरुद्ध निरंतर प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में मंदसौर जिले की थाना अफजलपुर पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करते हुए एक स्कॉर्पियो वाहन से 465 किलोग्राम अवैध डोडाचूरा बरामद किया है। पुलिस ने मौके से मादक पदार्थ एवं वाहन सहित लगभग 21 लाख 30 हजार रुपये मूल्य की सामग्री जब्त की है। मामले में अज्ञात तस्करों के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर उनकी तलाश की जा रही है। पुलिस अधीक्षक मंदसौर विनोद कुमार मीणा के मार्गदर्शन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक तेरसिंह बघेल के निर्देशन में थाना अफजलपुर पुलिस द्वारा यह कार्रवाई की गई। 24 जुलाई की रात्रि में थाना अफजलपुर पुलिस द्वारा नियमित गश्त एवं संदिग्ध वाहनों की जांच की जा रही थी। इसी दौरान एक संदिग्ध स्कॉर्पियो वाहन को रोकने का प्रयास किया गया। पुलिस को देखकर वाहन चालक वाहन को तेज गति से भगाने लगा, किंतु कुछ दूरी पर अंधेरे का लाभ उठाकर वाहन छोड़कर फरार हो गया। पुलिस द्वारा वाहन की तलाशी लेने पर उसमें रखे 21 कट्टों में भरा 465 किलोग्राम डोडाचूरा बरामद हुआ।

वन विहार में विद्यार्थियों ने जाना बाघों के संरक्षण का महत्व

बाघ सप्ताह के अंतर्गत 26 जुलाई को रन फॉर टाइगर, चित्रकला प्रतियोगिता और क्विज का आयोजन

भोपाल (आरएनएस) । अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस के उपलक्ष्य में वन विहार राष्ट्रीय उद्यान में आयोजित बाघ सप्ताह के अंतर्गत शनिवार को महाविद्यालय एवं विद्यालय के विद्यार्थियों के लिए सामान्य परिचय : बाघ व उनका अस्तित्व विषय पर संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। 'मध्यप्रदेश में बाघ' थीम पर 22 जुलाई से 28 जुलाई 2026 तक आयोजित किये जा रहे बाघ सप्ताह का उद्देश्य विद्यार्थियों और आमजन को बाघों के संरक्षण तथा उनके महत्व के प्रति जागरूक करना है। शनिवार को आयोजित कार्यक्रम में मोतीलाल विज्ञान महाविद्यालय के 7 तथा गुरुनानक पब्लिक स्कूल, बीएचईएल, भोपाल के 37 विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने भाग लिया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को वन विहार का भ्रमण कराया गया और बाघों के जीवन, व्यवहार, प्राकृतिक आवास और संरक्षण से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर संवाद करते हुए रोचक एवं उपयोगी जानकारी दी गई। वन विहार के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने प्रतिभागी विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया।

26 जुलाई को होगी रन फॉर टाइगर

बाघ सप्ताह के तहत 26 जुलाई रविवार को प्रातः 7 बजे रन फॉर टाइगर का आयोजन किया

जाएगा। दौड़ का शुभारंभ वन भवन, तुलसी नगर से होगा और निर्धारित मार्ग से होते हुए शिवाजी महाराज चौराहा होकर वन भवन पर समापन होगा। इसमें लगभग 900 पंजीकृत प्रतिभागियों के शामिल होने की संभावना है। रविवार को ही प्रातः 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक वन विहार की विहार वीथिका में भ्रमण पर आने वाले पर्यटकों के लिए मध्यप्रदेश में बाघ विषय पर ऑन-द-स्पॉट चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। वहीं अपराह्न 4 बजे स्नेक पार्क में पर्यटकों के लिए बाघ संरक्षण विषयक ऑन-द-स्पॉट क्विज प्रतियोगिता भी आयोजित की जाएगी। वन विहार प्रबंधन ने नागरिकों से बाघ सप्ताह के आयोजनों में सहभागी बनकर वन्यजीव संरक्षण और बाघों के प्रति जागरूकता बढ़ाने का आह्वान किया।

मध्य प्रदेश में बड़ा सड़क हादसा: पचोर-खुजनेर रोड पर कार नाले में गिरी, चार लोगों की मौके पर मौत; जांच शुरू

राजगढ़ (ए.)। मध्य प्रदेश के राजगढ़ से एक दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है। पचोर-खुजनेर मार्ग पर शनिवार को भीलखेड़ी जोड़ के पास एक कार पुल से फिसलकर नाले में जा गिरी। इस भीषण हादसे में कार में सवार सभी चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, कार सवार एक अन्य की तलाश जारी है। सूचना मिलते ही पुलिस और स्थानीय लोग बचाव में जुटे, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार घटना दोपहर के समय हुई। पचोर की ओर से आ रही एक तेज रफ्तार कार भीलखेड़ी जोड़ पर बने पुल को पार कर रही थी। इसी दौरान चालक ने अचानक नियंत्रण खो दिया और कार सीधे पुल की रेलिंग तोड़ते हुए नीचे बह रहे नाले में जा गिरी।

टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। कार नाले में पलट गई और पानी में आधी डूब गई। आसपास खेतों में काम कर रहे लोगों ने धमाके

की आवाज सुनी तो दौड़कर मौके पर पहुंचे। उन्होंने तुरंत 112 को सूचना दी। खुजनेर थाना पुलिस कुछ ही देर में मौके पर पहुंच गई। पुलिस और ग्रामीणों ने मिलकर रस्सियों और जेसीबी की मदद से कार को नाले से बाहर निकाला। कार के अंदर फंसे चार लोगों को बाहर निकालकर आनन-फानन में खुजनेर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया।

डॉक्टरों ने जांच के बाद सभी को मृत घोषित कर दिया

लेकिन डॉक्टरों ने जांच के बाद सभी को मृत घोषित कर दिया। हादसे में किसी के बचने की कोई संभावना नहीं थी। फिलहाल मृतकों की शिनाख्त की प्रक्रिया जारी है। पुलिस को कार से कुछ दस्तावेज मिले हैं, जिसके आधार पर उनके परिजनों को सूचना दी जा रही है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार सभी मृतक एक ही परिवार के बताए जा रहे हैं और वे किसी रिश्तेदारी में जा रहे थे।

पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया

थाना प्रभारी ने बताया, कार बहुत तेज गति में थी। पुल पर मोड़ है और संभव है कि चालक ने संतुलन खो दिया हो। पंचनामा कर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। परिजनों के आने के बाद ही आगे की जानकारी मिल पाएगी। एक साथ चार मौतों की खबर से मातम पसर गया है। जैसे ही घटना की जानकारी फैली, बड़ी संख्या में लोग अस्पताल और घटना स्थल पर पहुंचे। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। कार की तकनीकी जांच के बाद ही हादसे की सही वजह सामने आ पाएगी। अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि हादसा तेज रफ्तार, नींद या तकनीकी खराबी के कारण हुआ।

इंदौर में जश्न: नीट पेपर लीक मामले में धर्मेंद्र प्रधान ने दिया इस्तीफा, देवी अहिल्या की नगरी में छात्र झूमे

इंदौर (ए.)। नीट पेपर लीक मामले को लेकर लंबे समय से चल रहे विरोध प्रदर्शन के बीच केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की खबर सामने आते ही इंदौर के भंवरकुआं क्षेत्र में छात्रों ने जश्न मनाना शुरू कर दिया। ढोल-नगाड़ों की थाप पर छात्र-छात्राएं जमकर नाचे और एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी। करीब एक महीने से अधिक समय तक चले आंदोलन के समाप्त होने की खुशी में छात्रों ने एक-दूसरे को गले लगाया और जोरदार नारेबाजी की। केंद्रीय शिक्षा मंत्री द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इस्तीफा सौंपने के फैसले का छात्रों ने स्वागत किया। इस दौरान राष्ट्रगीत भी गाए गए। जश्न में छात्र-छात्राओं के साथ बुजुर्ग, महिलाएं और युवा भी शामिल हुए। हल्की बारिश के बावजूद बड़ी संख्या में लोग सड़कों पर उतरे। छात्रों ने पटाखे फोड़कर खुशी जताई, जबकि राहगीर भी उनके साथ शामिल हुए और आंदोलन की सफलता पर बधाई दी।

अवैध कॉलोनियों की अव्यवस्थाओं पर फूटा भाजपा विधायक का गुस्सा, अधिकारियों को जमकर लगाई फटकार

शाजापुर (ए.)। शाजापुर नगर पालिका क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 25 की द्वारकापुरी कॉलोनी में बिजली व्यवस्था और अवैध कॉलोनियों को लेकर भाजपा विधायक अरुण भीमावद ने अधिकारियों पर नाराजगी जताई। शुक्रवार को विधायक कॉलोनीवासियों की शिकायत पर मौके पर पहुंचे थे।

विधायक ने सड़क किनारे लगे बिजली मीटरों और पूरे क्षेत्र में फैले लटकते केबल के जाल को देखा। उन्होंने विद्युत मंडल, नगर पालिका और संबंधित विभाग के अधिकारियों को फटकार लगाते हुए समस्या का शीघ्र समाधान करने के निर्देश दिए। स्थानीय निवासियों ने विधायक को बताया कि कॉलोनी में कई वर्षों से अस्थायी बिजली कनेक्शन हैं। कई जगहों पर बड़ी संख्या में बिजली मीटर एक ही स्थान पर लगे हैं, जिससे अव्यवस्था बढ़ गई है। सड़क किनारे लगे मीटरों से निकलने वाले केबल पूरे क्षेत्र में बेतरतीब फैले हुए हैं।

'मेरे सामने आकर फालतू बातें कर रहे हो'

रहवासियों ने यह भी बताया कि हाल ही में तेज आंधी के दौरान बिजली के तार और केबल नीचे गिर गए थे। उन्होंने आरोप लगाया कि शिकायतों के बावजूद जिम्मेदार विभागों ने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की है। निरीक्षण के दौरान विधायक अरुण भीमावद ने अधिकारियों से नाराजगी जताते हुए कहा, अवैध कॉलोनी कटी तुम्हारे क्षेत्र में, तुमने आज तक किसी को नोटिस दिया? किसी को बुलाया नहीं और मेरे सामने आकर फालतू बातें कर रहे हो। सब बंद कराओ, यह जितना भी अवैध काम है।

उफनते नाले से जान जोखिम में डालकर गुजर रहे ग्रामीण, पुलिया नहीं होने से बरसात में कट जाता है संपर्क

मैहर (ए.)। विकास के दावों के बीच मैहर जिले की ग्राम पंचायत सोनवारी के मोदीनगर हरिजन एवं आदिवासी बस्ती के ग्रामीण आज भी मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं। बरसात शुरू होते ही यहां का उफनता नाला ग्रामीणों के लिए बड़ी मुसीबत बन जाता है।

पुलिया और पक्की सड़क नहीं होने के कारण लोगों को हर दिन अपनी जान जोखिम में डालकर नाला पार करना पड़ रहा है। वर्षों से मांग के बावजूद अब तक समस्या का समाधान नहीं हो सका है।

शराबी ने थाने से उड़ाई पुलिस की बोलेरो, आठ लोगों को रौंदा; अब टीआई ने मामले में तोड़ी चुप्पी

पन्ना (ए.)। पन्ना जिले के रैपुरा थाने में बुधवार 22 जुलाई को हुई घटना को लेकर आखिरकार थाना प्रभारी स्मिता सिंह बघेल ने अपनी चुप्पी तोड़ते हुए पूरा घटनाक्रम स्पष्ट किया। थाना प्रभारी ने लापरवाही के आरोपों पर सफाई देते हुए कहा कि थाने की शासकीय कार क्रमांक एमपी-03 ए-2067 में चाबी नहीं लगी थी। उन्होंने बताया कि वाहन काफी पुराना होने के कारण वह किसी भी चाबी से स्टार्ट हो सकता है।

क्या हुआ था घटनाक्रम

पुलिस के अनुसार, घटना वाले दिन थाना प्रभारी स्वयं हत्या के एक गंभीर मामले (धारा 302) के आरोपी को पेश करने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक में शामिल होने पन्ना गई थीं। इसी दौरान ग्राम इमलिया निवासी सुखेंद्र सिंह बुंदेला थाने पहुंचा। थाना प्रभारी के मुताबिक, वह एक जमीन विवाद में राजीनामा कराने आया था। वहां मौजूद मुंशी अजय मिश्रा ने बातचीत के दौरान पाया कि वह अत्यधिक नशे में था। पूछने पर उसने शराब पीने की बात

स्वीकार की। इसके बाद मुंशी ने उसे नशा उतरने के बाद आने के लिए कहा।

थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस की बोलेरो काफी पुरानी है और उसमें कोई भी मोटरसाइकिल या अन्य चाबी लगाकर उसे स्टार्ट किया जा सकता है। वाहन में चाबी नहीं लगी थी। उन्होंने बताया कि ड्राइवर साइड का गेट भी लॉक नहीं होता है और खिड़की का कांच नीचे कर अंदर से गेट खोलना पड़ता है। शासकीय वाहन की खराब स्थिति के कारण वह स्वयं पन्ना जाने के लिए निजी वाहन का उपयोग कर रही थीं।

एसपी ने कहा- आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया

पुलिस ने बताया कि आरोपी सुखेंद्र को गिरफ्तार कर लिया गया है और उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जा रही है। वहीं, पुलिस अभिरक्षा से शासकीय वाहन ले जाने के मामले में वरिष्ठ अधिकारियों ने विभागीय जांच भी शुरू कर दी है। थाना प्रभारी ने अस्पताल पहुंचकर घायलों का हालचाल भी जाना। हादसे में आठ लोग घायल हुए थे, जिनमें से गंभीर रूप से घायल दो लोगों को परिजनों की इच्छा पर कटनी रेफर किया गया।

थाने से कार ले उड़ा शराबी, बाजार में मचाया तांडव

गौरतलब है कि बुधवार 22 जुलाई को रैपुरा कस्बे में साप्ताहिक हाट बाजार लगा था। सैकड़ों लोग खरीदारी कर रहे थे। मुंशी द्वारा बाहर भेजे जाने के बाद सुखेंद्र बुंदेला की नजर थाने परिसर में खड़ी पुलिस की शासकीय कार पर पड़ी। मौका मिलते ही उसने कार स्टार्ट की और तेज रफ्तार में सड़क पर निकल गया।

बिजली बिल वसूली पर बवाल, 40 से अधिक घरों के काटे गए कनेक्शन; जेई पर अभद्रता का आरोप

शहडोल (ए.)। शहडोल जिले के जैतपुर थाना क्षेत्र की झींक बिजुरी पुलिस चौकी अंतर्गत गांव झींक बिजुरी में बिजली बिल की वसूली के दौरान शुक्रवार शाम विवाद की स्थिति बन गई। बिजली विभाग की टीम बकाया बिजली बिल की वसूली के लिए गांव पहुंची थी। इस दौरान कई उपभोक्ताओं के बिजली कनेक्शन काटे जाने पर ग्रामीणों ने विरोध जताया। मामला बढ़ने पर दोनों पक्ष पुलिस चौकी पहुंचे और लिखित शिकायत दी। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

ग्रामीण अनिल श्रीवास्तव ने बताया कि गांव के कुछ घरों पर बिजली बिल बकाया था। इसकी वसूली के लिए जैतपुर बिजली विभाग का अमला, जिसमें कनिष्ठ अभियंता (जेई) भी शामिल थे, गांव पहुंचा। उनके अनुसार विभाग की

कार्रवाई के दौरान कई उपभोक्ताओं ने मौके पर ही बकाया राशि जमा कर दी, जबकि कुछ लोगों ने भुगतान नहीं किया।

गांव में नाराजगी

ग्रामीणों का आरोप है कि इसके बावजूद विभाग ने गांव के लगभग 40 से अधिक घरों के बिजली कनेक्शन काट दिए। इससे गांव में नाराजगी फैल गई और लोगों ने कार्रवाई का विरोध शुरू कर दिया। विरोध के दौरान कहासुनी भी हुई।

मामले की लिखित शिकायत दर्ज कराई गई

अनिल श्रीवास्तव का आरोप है कि जब ग्रामीणों ने बिजली कनेक्शन काटने का कारण पूछा और विरोध दर्ज कराया तो मौके पर मौजूद जेई ने उनके साथ अभद्र व्यवहार किया। इसके बाद ग्रामीण बड़ी संख्या में झींक बिजुरी पुलिस चौकी पहुंचे और पूरे मामले की लिखित शिकायत दर्ज कराई।

दूसरी ओर बिजली विभाग के कर्मचारियों ने भी अपनी ओर से शिकायत पुलिस को सौंपी है। घटना के बाद गांव में कुछ समय तक तनाव का माहौल बना रहा। हालांकि पुलिस की समझाइश के बाद स्थिति सामान्य हो गई।

नरसिंहपुर में दर्दनाक हादसा: मजदूरी पर जा रहे तीन युवकों को ट्रक ने रौंदा, मौके पर ही तीनों ने तोड़ा दम; मातम

नरसिंहपुर (ए.)। नरसिंहपुर-गोटेगांव मार्ग पर शनिवार सुबह हुए भीषण सड़क हादसे में तीन मजदूरों की मौत हो गई। कमती-इमलिया गांव के पास चांदनखेड़ा तिराहे के समीप तेज रफ्तार ट्रक ने मजदूरी के लिए जा रहे बाइक सवार तीन युवकों को टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि बाइक के परखच्चे उड़ गए और तीनों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना के बाद इलाके में अफरातफरी मच गई और बड़ी संख्या में लोग मौके पर जुट गए।

खेत में बिखरे जहरीले मक्का के दाने खाने से पांच मोरों की मौत, वन विभाग ने किसान को किया गिरफ्तार

बैतूल (ए.)। बैतूल के शाहपुर वन परिक्षेत्र की डूडर-काजली बीट में पांच राष्ट्रीय पक्षी मोरों की मौत का मामला सामने आने के बाद वन विभाग ने कार्रवाई करते हुए एक किसान को गिरफ्तार किया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि फसल को पक्षियों से बचाने के उद्देश्य से खेत में बिखेरे गए जहरीले मक्का के दाने खाने से मोरों की मौत हुई। उप वनमंडलाधिकारी शाहपुर उत्तम सिंह सरस्त्या ने बताया कि 17 जुलाई को ग्रामीणों से सूचना मिली थी कि जंगल से सटे एक खेत में पांच मोर मृत अवस्था में पड़े हैं। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया।

व्यापार समाचार

2030 तक निर्यात 115 अरब डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद, जानिए लाखों रोजगार का रास्ता कैसे होगा साफ

नई दिल्ली (ए.)। भारत और ब्रिटेन के बीच लागू हुआ मुक्त व्यापार समझौता (एफ.टी.ए.) भारतीय निर्यात के लिए एक बड़ा अवसर लेकर आया है। उद्योग निकाय एसोचैम ने अपने एक अध्ययन में यह महत्वपूर्ण जानकारी दी है। इस समझौते के प्रभावी होने से 2030 तक ब्रिटेन को भारत का निर्यात 115 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच सकता है।

यह ऐतिहासिक समझौता इसी साल 15 जुलाई को आधिकारिक तौर पर लागू किया गया, जिससे दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंध मजबूत हुए हैं। एसोचैम की रिपोर्ट बताती है कि कुल व्यापार का मार्ग भी तेजी से बढ़ेगा। यह 2025-26 में अनुमानित 58 अरब अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 2030 तक 115 अरब अमेरिकी डॉलर हो जाएगा। इस व्यापारिक विस्तार से देश में 7 से 10 लाख नए रोजगार के अवसर पैदा होने की भी प्रबल संभावना है। यह आर्थिक

वृद्धि और रोजगार सृजन के लिए एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है, जो भारत की अर्थव्यवस्था को नई गति देगा।

क्या भारत इस विशाल क्षमता को हासिल कर पाएगा?

भारत के लिए इस विशाल क्षमता को पूरी तरह से साकार करना एक महत्वपूर्ण चुनौती होगी। इसके लिए भारतीय व्यवसायों को अपनी निरंतर प्रतिस्पर्धात्मकता बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है। उन्हें उत्पादों की गुणवत्ता के उच्च मानकों को हर हाल में पूरा करना होगा।

साथ ही, विभिन्न प्रमाणन आवश्यकताओं का भी सख्ती से पालन करना सुनिश्चित करना होगा। मूल नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करना भी अनिवार्य होगा, ताकि व्यापार में कोई बाधा न आए। इसके अतिरिक्त, अंतरराष्ट्रीय स्थिरता मानकों को पूरा करना भी भारतीय उद्योगों के लिए आवश्यक होगा, जो वैश्विक बाजार में उनकी स्वीकार्यता बढ़ाएगा।

सफलता की कुंजी क्या होगी?

एसोचैम के अध्यक्ष निर्मल के. मिंडा ने इस दिशा में कुछ प्रमुख कारकों पर प्रकाश डाला है। उन्होंने बताया कि कारोबार सुगमता में सुधार के लिए किए गए सुधार महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। सरकार द्वारा बुनियादी ढांचे में निरंतर निवेश करना भी आवश्यक होगा, जिससे व्यापारिक गतिविधियां सुगम होंगी।

क्रेडिट कार्ड खर्च 2 लाख करोड़ के पार, लगातार दूसरे महीने उछाल

मुंबई (ए.)। भारतीय उपभोक्ताओं ने क्रेडिट कार्ड के जरिए खर्च करने की अपनी आदत को जून में भी बरकरार रखा है, लगातार दूसरे महीने खर्च का आंकड़ा 2 लाख करोड़ रुपए के निशान को पार कर गया। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी ताजा आंकड़ों के अनुसार, जून में क्रेडिट कार्ड से कुल 2.01 लाख करोड़ रुपए का व्यय दर्ज किया गया, जो पिछले साल इसी अवधि के मुकाबले 9.8 फीसदी की प्रभावशाली वृद्धि है। हालांकि, यह मई के 2.02 लाख करोड़ रुपए के मुकाबले मामूली रूप से कम रहा।

लाल सागर और होर्मुज संकट, क्या देश में फिर बढ़ेंगे पेट्रोल-डीजल के दाम? जानिए ताजा हालात

नई दिल्ली (ए.)। ईरान यमन के हूती विद्रोहियों के माध्यम से लाल सागर में बाब अल-मंदेब जलमार्ग बंद करने की तैयारी कर रहा है। यह कदम होर्मुज जलडमरूमध्य के बाद वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़ा व्यवधान पैदा कर सकता है। यदि ऐसा होता है, तो दुनिया के दो सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों पर एक साथ संकट आ जाएगा। ये मार्ग पश्चिम एशिया के ऊर्जा उत्पादकों को एशिया, यूरोप और अन्य देशों के ग्राहकों से जोड़ते हैं। होर्मुज के आसपास की बिगड़ती परिस्थितियों के बाद खाड़ी के तेल उत्पादक तेजी से लाल सागर की ओर मुड़ गए थे। इससे लाल सागर गलियारे से गुजरने वाले तेल की मात्रा में भारी वृद्धि हुई। केपलर सिग्नल ओशन के आंकड़ों के अनुसार, हाल के हफ्तों में लाल सागर से तेल का प्रेषण औसतन लगभग 40 लाख बैरल प्रति दिन रहा है। जून में बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य से गुजरने वाली कुल पेट्रोलियम मात्रा 74 लाख बैरल प्रतिदिन तक पहुंच गई थी। यह मात्रा वैश्विक तेल उत्पादन का सात फीसदी है।

अडानी का एयरलाइन शुरू करने से इनकार, एएआई नियमों में मांगी ढील

मुंबई (ए.)। अडानी ग्रुप ने भले ही तत्काल एयरलाइन शुरू करने की खबरों से इनकार किया हो, लेकिन उसकी एयरपोर्ट कंपनी अडानी एयरपोर्ट होल्डिंग्स (एएएचएल) ने विमानन क्षेत्र के नियमों में बदलाव की मांग की है। कंपनी ने भविष्य की एयरलाइन के विकास में अपनी अहम भूमिका का संकेत देते हुए एयरपोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एएआई) से नियमों में ढील देने का अनुरोध किया है। अडानी एयरपोर्ट्स के एक वरिष्ठ अधिकारी ने जून में एएआई को लिखे पत्र में कहा कि ग्रुप की इकाई अडानी डिफेंस एंड एयरोस्पेस एयरलाइन कारोबार में उतरने पर विचार कर रही थी। पत्र में कहा गया कि ग्रुप के पास पायलट प्रशिक्षण, रखरखाव, ग्राउंड हैंडलिंग और 8 हवाई अड्डों का नेटवर्क है, जिससे वह एविएशन सेक्टर को नई दिशा दे सकता है। उन्होंने मौजूदा नियमों में बदलाव की वकालत करते हुए तर्क दिया कि भारत के विमानन बाजार में कुछ बड़ी एयरलाइनों का दबदबा है, जिससे प्रतिस्पर्धा सीमित हो रही है।

कठुआ को मिलेगी मजबूत बिजली, ग्रिड उन्नयन को 15.22 करोड़ मंजूर

- क्षेत्र में मिलेगी विश्वसनीय और गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति

श्रीनगर (ए.)। जम्मू कश्मीर सरकार ने क्षेत्र में बिजली आपूर्ति को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से कठुआ ग्रिड स्टेशन के उन्नयन के लिए 15.22 करोड़ रुपए की एक महत्वपूर्ण परियोजना को हरी झंडी दे दी है। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली सरकार के इस फैसले की जानकारी एक सरकारी प्रवक्ता ने दी, जिसमें बढ़ती बिजली मांग को पूरा करने पर जोर दिया गया है। प्रवक्ता के अनुसार इस परियोजना का मुख्य लक्ष्य कठुआ ग्रिड स्टेशन की क्षमता में वृद्धि करना और उससे संबंधित बुनियादी ढांचे को आधुनिक बनाना है। यह पहल विशेष रूप से क्षेत्र में लगातार बढ़ती बिजली की मांग को पूरा करने के लिए पारेषण नेटवर्क को मजबूत करेगी और उपभोक्ताओं के लिए अधिक सुदृढ़ एवं विश्वसनीय विद्युत अवसंरचना उपलब्ध कराएगी।

एचडीएफसी बैंक पर अमेरिकी जांच का साया, शेयरों में गिरावट जारी

- 45 करोड़ के कथित भुगतान को लेकर सवाल, निवेशक

मुंबई (ए.)। अमेरिका की तीन प्रमुख लॉ फर्मों ने एचडीएफसी बैंक के खिलाफ संभावित संघीय प्रतिभूति कानूनों के उल्लंघन की जांच शुरू कर दी है, जिसके बाद बैंक के शेयरों में 1 फीसदी से अधिक की गिरावट दर्ज की गई। तिमाही नतीजों के बाद से पिछले पांच कारोबारी सत्रों में शेयर लगभग 10 फीसदी गिर चुके हैं, जिसने निवेशकों की चिंताओं को बढ़ा दिया है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, यह जांच महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास निगम को कथित तौर पर किए गए 45 करोड़ रुपए के भुगतान से जुड़ी है। आरोप है कि

बड़े डिपॉजिट प्राप्त करने के लिए दी गई अतिरिक्त ब्याज राशि को कथित तौर पर विपणन खर्च के रूप में दर्ज किया गया था। इस राशि को फिर चार स्थानीय वेंडरों के माध्यम से सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियानों पर खर्च दिखाया गया। अमेरिकी लॉ फर्मों ने फिलहाल यह स्पष्ट नहीं किया है कि यह मामला सामूहिक मुकदमे का रूप लेगा या नहीं। वे उन निवेशकों से जानकारी जुटा रही हैं, जिन्हें बैंक के शेयरों में आई गिरावट से नुकसान हुआ है।

हालांकि, एच्डीएफसी बैंक ने इन सभी आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। बैंक का कहना है कि उसके सभी लेनदेन निर्धारित नियमों और एक मजबूत आंतरिक नियंत्रण प्रणाली के तहत किए जाते हैं, और किसी भी अनियमितता के आरोप पूरी तरह से निराधार हैं।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है, सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

अब युद्धस्तरीय तैयारी की आवश्यकता

हैकर कुडनकुलम परमाणु संयंत्र का अति संवेदनशील डेटा चुराने में सफल हो गए। संयंत्र में कंट्रोल, कूलिंग, और वेंटिलेशन के इंजीनियरिंग ब्लू प्रिंट; तथा विक्रेताओं/ आपूर्तिकर्ताओं की सूची को डार्क वेब पर डाल दिया गया है।

डेटा चोरी की ताजा घटना ने भारत की साइबर सुरक्षा से संबंधित कमजोरियों को फिर उजागर किया है। न्यूक्लीयर पॉवर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड का दावा है कि लीक डेटा परमाणु सुरक्षा प्रणाली से संबंधित नहीं है। बहरहाल, इसे मान भी लिया जाए, तब भी इससे इनकार नहीं किया जा सकता कि हैकर भारतीय परमाणु कार्यक्रम से संबंधित अति संवेदनशील डेटा चुराने में सफल हो गए। कुडनकुलम परमाणु संयंत्र में कंट्रोल, कूलिंग, और वेंटिलेशन के इंजीनियरिंग ब्लू प्रिंट; तथा विक्रेताओं और आपूर्तिकर्ताओं की सूची को 'वर्ल्ड लीक्स' नामक रैनसमवेयर ने चुरा लिया। इस डेटा के संचालन का ठेका 2018 में अनिल अंबानी की कंपनी को दिया गया था। इसके पहले 'वर्ल्ड लीक्स' ने टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी से डेटा चुराकर उसे डार्क वेब पर डाल दिया था।बताया जाता है कि दोनों घटनाओं को मिलाकर लगभग 10 लाख से अधिक संवेदनशील फाइलें लीक हुई हैं। स्पष्टत: यह केवल दो निजी कंपनियों की सुरक्षा में चूक का मामला नहीं है। बल्कि यह भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा, भू-राजनीतिक साख, और वैश्विक मैन्युफैक्चरिंग महाशक्ति बनने की महत्वाकांक्षा पर सीधा प्रहार है। कुडनकुलम परमाणु संयंत्र की मुख्य रिएक्टर प्रणाली भले सुरक्षित हो, लेकिन थर्ड पार्टी के सर्वर से संयंत्र की आंतरिक संवेदनशील संरचना का डार्क वेब पर पहुंच जाना दर्शाता है कि हमारी रणनीतिक सुरक्षा की कड़ियां कितनी कमजोर हैं। टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स संबंधित घटना भारतीय कॉरपोरेट जगत की आर्थिक और तकनीकी साख से संबंधित है।ये कंपनी एप्पल, टेस्ला, और क्वालकॉम जैसी वैश्विक कंपनियों के व्यावसायिक डेटा को संभालती है। इनका 630 जीबी डेटा डार्क वेब के जरिए अब उनकी प्रतिस्पर्धी कंपनियों को उपलब्ध है। जाहिर है, इससे भारत की विश्वसनीयता को गहरा धक्का लगा है। भारत में बहुराष्ट्रीय कंपनियों का खास डेटा अगर सुरक्षित नहीं है, तो विदेशी निवेश लाने और तकनीकी हस्तांतरण की भारत की कोशिशों का सफल होना संदिग्ध बना रहेगा। इन घटनाओं ने साइबर कानूनों का सख्त अनुपालन कराने की भारत की क्षमता को कठघरे में ला खड़ा किया है। अत: सरकार और उद्योग जगत को इसे महज 'डेटा ब्रीच' मानना बंद करना चाहिए। साइबर सुरक्षा के लिए अब युद्धस्तरीय तैयारी की आवश्यकता है।

उज्जैन के वरिष्ठ नागरिक द्वारा रेलवे की पार्किंग बचाने के लिए पहल

प्रदेश के मुख्यमंत्री और केन्द्रीय रेल मंत्री को लिखी चिट्ठी

डॉ. चन्दर सोनाने

उज्जैन के एक वरिष्ठ नागरिक और वरिष्ठ आयकर सलाहकार श्री कृष्णकुमार अटल ने इंदौर गेट स्थित उज्जैन रेलवे स्टेशन के बाहर प्रस्तावित केबल कार (रोपवे) स्टेशन के निर्माण के स्थान पर पुनर्विचार करने और उस स्थान को रेलवे पार्किंग के लिए सुरक्षित रखने हेतु प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और केन्द्रीय रेल मंत्री को एक पाती लिखी है।पिछले सप्ताह लिखी इस चिट्ठी में श्री के.के अटल ने प्रदेश के मुख्यमंत्री और केन्द्रीय मंत्री को निवेदन किया है कि उज्जैन रेलवे स्टेशन के इंदौर गेट स्थित प्रवेश द्वार के बाहर पर्याप्त खुला स्थान उपलब्ध है। जानकारी के अनुसार इस स्थान पर महाकाल कॉरिडोर हेतु केबल कार स्टेशन स्थापित करने का प्रस्ताव है। मैं इस योजना के उद्देश्य का पूर्ण सम्मान करता हूँ तथा महाकाल नगरी में आधुनिक एवं पर्यावरण-अनुकूल सार्वजनिक परिवहन सुविधाओं के विकास का स्वागत करता हूँ। तथापि, मेरा विनम्र निवेदन है कि केबल कार स्टेशन के लिए इस स्थान का चयन पुनर्विचार योग्य है। उज्जैन के इस वरिष्ठ नागरिक ने इसके प्रमुख कारण निम्नलिखित बताएं है -1. रेलवे स्टेशन की प्राथमिक आवश्यकता पार्किंग है। उज्जैन आने वाले यात्रियों की संख्या निरंतर बढ़ रही है। भविष्य की आवश्यकताओं को देखते हुए रेलवे स्टेशन के बाहर उपलब्ध यह खुला स्थान पार्किंग एवं यात्री सुविधाओं के विस्तार के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। 2. अधिकांश यात्री सीधे महाकाल मंदिर नहीं जाते। रेलवे स्टेशन पर उतरने के बाद अधिकांश श्रद्धालु पहले अपने होटल, धर्मशाला अथवा निवास स्थान पर जाकर सामान रखते हैं, स्नान-विश्राम करते हैं और उसके बाद मंदिर दर्शन के लिए निकलते हैं। इसलिए रेलवे स्टेशन से सीधे केबल कार की उपयोगिता सीमित रहेगी 3. रेलवे स्टेशन पर अनावश्यक भीड़ बढ़ेगी। यदि केबल कार स्टेशन रेलवे स्टेशन के बाहर बनाया जाता है, तो ऐसे लोग भी वहाँ पहुँचेंगे, जिनका रेलवे से कोई संबंध नहीं होगा। इससे रेलवे स्टेशन परिसर पर अतिरिक्त दबाव पड़ेगा। 4. यातायात एवं पार्किंग की गंभीर समस्या उत्पन्न होगी। रेलवे यात्रियों, टैक्सी, ऑटो, निजी वाहनों तथा केबल कार उपयोगकर्ताओं की संयुक्त आवाजाही से ट्रैफिक जाम एवं अव्यवस्था की स्थिति बन सकती है। 5. भविष्य की दृष्टि से यह स्थान अत्यंत मूल्यवान है। रेलवे स्टेशन के आसपास खुली भूमि भविष्य में पुन: उपलब्ध नहीं हो पाती। अत: इस स्थान का उपयोग केवल रेलवे से संबंधित आधारभूत सुविधाओं के विस्तार के लिए सुरक्षित रखा जाना अधिक दूरदर्शी निर्णय होगा। श्री अटल ने इस संबंध में अपने सुझाव देते हुए लिखा है कि केबल कार परियोजना निश्चित रूप से जनहित की योजना है। परंतु उसका स्टेशन किसी ऐसे स्थान पर विकसित किया जाए, जहाँ पर्याप्त भूमि उपलब्ध हो। यातायात का दबाव कम हो तथा रेलवे स्टेशन की कार्यप्रणाली प्रभावित नहीं हो। रेलवे स्टेशन के बाहर उपलब्ध संपूर्ण खुला क्षेत्र रेलवे पार्किंग, ड्रॉप-ऑफ जोन, बस-टैक्सी प्रबंधन तथा भविष्य के यात्री सुविधाओं के विस्तार के लिए आरक्षित रखा जाए। उन्होंने पूर्ण विश्वास व्यक्त किया है कि माननीय मुख्यमंत्री और रेल मंत्री भारत सरकार इस विषय पर तकनीकी एवं यातायात विशेषज्ञों से पुन: अध्ययन कराकर जनहित में उचित निर्णय लेंगे। वरिष्ठ नागरिक श्री के.के अटल ने रेलवे पार्किंग को सुरक्षित रखने के संबंध में जो पहल की है, वह सराहनीय है। उन्होंने स्थान परिवर्तन के जो प्रमुख कारण बताएं हैं वे भी अत्यन्त गंभीर और विचारणीय है। आशा करते हैं कि मुख्यमंत्री और रेल मंत्री उनके सुझाव पर गंभीरतापूर्वक सोच-विचार कर जनहित में निर्णय लेंगे।

यातायात में स्व अनुशासन का अनुकरणीय पाठ सड़क पर नहीं दिखाई देते कुत्तें, गाय और भैंस

यूरोप भ्रमण में हुए अनोखे अनुभव

डॉ. चन्दर सोनाने

पिछले दिनों यूरोप के 6 देशों फ्रांस, स्वीट्‌जरलैंड, ऑस्ट्रिया, इटली, लींचस्टीन और वेटिकन सिटी के भ्रमण का सुअवसर प्राप्त हुआ। यूरोप के भ्रमण में अनेक अनोखे अनुभव हुए जो अपने देश भारत से बिल्कुल जुदा थे। जैसे कहीं पर भी कुत्ते नहीं दिखाई दिए, जो दिखाई दिए वो पालतू थे, जो अपने मालिकों के संरक्षण में उनके साथ थे। एक और आश्चर्य यह दिखाई दिया कि शहर की सड़कों और रास्ते में कहीं पर भी गाय और भैंस दिखाई नहीं दिए। यूरोप में अधिकतर गाय पालते है किन्तु उन्हें एक सुरक्षित परिसर में ही रखते है, जो तारों की बाउंड्रीवाल से घिरे रहते है।

शहर में सड़को पर पैदल यात्री को प्राथमिकता -

पूरे यूरोप में यातायात के स्व अनुशासन का अनुकरणीय पाठ देखने को मिला। यूरोप के हर देश में पैदल यात्री को सड़क पर प्राथमिकता दी जाती है। पैदल यात्रियों के लिए पूरे यूरोप में काफी साफ-सुथरे और चैड़े फुटपाथ बने हैं। अधिकांश लोग पैदल चलते हुए ही दिखाई दिए। कोई यात्री सड़क पार कर रहा हो तो उसके लिए कार हो या स्कूटर सब रूक जाते है। कोई भी हॉर्न नहीं बजाता। पूरे यूरोप में एक जगह भी हॉर्न सुनाई नहीं दिया। कहीं पर भी ऑटो, ई-रिक्शा या मैजिक जैसे लोक परिवहन दिखाई नहीं दिए। लोक परिवहन का मुख्य साधन वहां मेट्रो है, जो लगभग सभी शहरों में भूमिगत है। शहर में लोक परिवहन के लिए दो बसों बराबर लंबी बस अनेक जगह दिखाई दी। स्कूटर चालक अनिवार्य रूप से हैलमेट लगाए दिखे। कारें बहुत कम दिखी। किन्तु जो भी वाहन थे वे सब एक के पीछे एक चल रहे थे। कोई किसी वाहन को ओवरटेक नहीं कर रहा था। यातायात के यूरोप में सख्त नियम है। नियम तोड़ने वाले को घर पर ऑनलाईन भारीभरकम चालान पहुंच जाता है। शहर में सड़क पर कोई रोड डिवाइडर नहीं दिखाई दिए। कहीं पर भी ट्रॉफिक जाम नहीं दिखाई दिया। यह सब भले ही यूरोपवासियों के लिए सामान्य बात हो पर हम हिन्दुस्तानियों के लिए आश्चर्य से कम नहीं था।

मातृभाषा पर गर्व और अंग्रेजी से परहेज -

यूरोप के हर देश की अपनी एक भाषा है। वे अपनी मातृभाषा पर गर्व करते हैं। यूरोपवासी अंग्रेजी से परहेज करते है। शहर में जितने भी साईन बोर्ड दिखाई दिए वे सब उस देश की लिपी में थे। जैसे फ्रांस की भाषा है फ्रेंच, स्वीट्‌जरलैंड की जर्मन और फ्रेंच, ऑस्ट्रिया की जर्मन, ईटली की ईटालियन, लींचस्ट्रीन की जर्मन और वेटिकन सिटी की लैटिन भाषा है। हमें कहीं भी अंग्रेजी में साईन बोर्ड दिखाई नहीं दिया। हमारे देश में अधिकतर साईन बोर्ड अंग्रेजी में या उस राज्य की भाषा में दिखाई देते हैं। मातृभाषा पर गर्व जैसी बात भारत में केवल भाषणों में ही सुनाई देती है।

पर्यावरण से खिलवाड़ का परिणाम -

हमें यात्रा के पहले यह बताया गया था कि यूरोप में ठंड बहुत पड़ती है। इसलिए सभी बहुत सारे गर्म कपड़े लेकर गए थे। स्वीट्‌जरलैंड के बर्फ से ढके पहाड़ों पर स्थित पर्यटन स्थल टिटलिस और जंगफ्राऊ को छोड़कर कहीं पर भी गर्म कपड़े नहीं पहनने पड़े। पूरे यूरोप के सभी देशों में अत्यधिक गर्मी थी। अनेक जगहों पर 36 डिग्री तापमान था। पर्यावरण से खिलवाड़ का परिणाम यूरोप में भी दिखाई दिया।

डिजिटल दौर की पत्रकारिता- सुविधा बढ़ी, विश्वसनीयता की कसौटी भी

प्रो. आरके जैन अरिजीत

खबरों का सफर अब समाचार कक्षों से नहीं, हथेली पर जगमगाती स्क्रीन से तय हो रहा है। उँगली के एक स्वाइप से बहती समाचार-धारा और कुछ सेकंड के वीडियो करोड़ों लोगों की सूचना-दुनिया तय कर रहे हैं। रॉयटर्स इंस्टीट्यूट की डिजिटल न्यूज रिपोर्ट 2026 इस बदलाव का प्रामाणिक दस्तावेज है। रिपोर्ट के अनुसार 48 देशों में पहली बार सोशल मीडिया और वीडियो प्लेटफॉर्म्स (54त्न) समाचारों के प्रमुख स्रोत बनकर टेलीविजन (52त्न) तथा समाचार वेबसाइट्स/ऐप्स (51त्न) से आगे निकल गए हैं। अब लोग निश्चित समय पर समाचारों की प्रतीक्षा नहीं करते, बल्कि स्क्रॉल करते हुए, छोटी वीडियो क्लिप और न्यूज़ कंटेंट क्रिएटर्स की दृष्टि से घटनाओं को समझते हैं। यह बदलाव केवल तकनीक का नहीं, बल्कि सूचना-उपभोग, ध्यान और विचार-निर्माण की बदलती संस्कृति का संकेत है।सूचना की इस नई दौड़ में ठहराव हार रहा है, रफ्तार जीत रही है। लंबे विश्लेषणों की जगह शॉर्ट वीडियो प्रभावी हो रहे हैं। युवा वर्ग शॉर्ट वीडियो, विज़ुअल कंटेंट और त्वरित जानकारी को प्राथमिकता दे रहा है। नतीजतन सोशल मीडिया और वीडियो प्लेटफॉर्म समाचारों के प्रमुख स्रोत बन चुके हैं। भारत सहित कई उभरते देशों में बदलाव तेज है, जहाँ डिजिटल पहुँच बढ़ रही है। इसका असर पारंपरिक समाचार संस्थानों पर पड़ा है, जिनके पाठक और वेबसाइट ट्रैफिक घट रहे हैं। अब प्रतिस्पर्धा समाचारों की नहीं, दर्शकों का ध्यान बनाए रखने की है। ध्यान अवधि घटने के बावजूद विश्वसनीय और गहन सामग्री का महत्व बढ़ा है। भारत में यूट्यूब समाचारों का प्रमुख स्रोत है, जहाँ 58 प्रतिशत लोग इससे समाचार लेते हैं। सूचना की दुनिया में अब सवाल इंसान पूछ रहा है, जवाब मशीन दे रही है। रिपोर्ट के अनुसार 2025 में लगभग 7 प्रतिशत लोग समाचारों के लिए एआई चैटबॉट का उपयोग कर रहे थे, जो 2026 में बढ़कर 10 प्रतिशत हो गए। भारत और अन्य विकासशील देशों में इसका उपयोग वैश्विक औसत से अधिक है, जबकि यूरोप और अमेरिका में अभी भी सतर्कता बरती जा रही है। किसी भी प्रश्न पर कुछ ही क्षणों में संदर्भ, स्रोतों की तुलना और संक्षिप्त सार देना इसकी सबसे बड़ी क्षमता है। लेकिन यही सुविधा गंभीर चुनौती भी है।

देश के नागरिक अपने काम के लिए भगवान भरोसे

हरिशंकर व्यास

दुनिया के सभ्य व लोकतांत्रिक देशों की तर्ज पर भारत में भी हर सेक्टर के विनियमन के लिए संस्थाएं बनाई गई हैं। बैंकिंग से लेकर बीमा और खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने से लेकर दवाओं की गुणवत्ता की निगरानी करने वाली संस्थाएं हैं। विमानन सेक्टर को रेगुलेट करने वाली संस्था है तो शेयर बाजार की निगरानी करने वाली संस्था भी है। उच्च शिक्षा को विनियमित करने वाली संस्था है तो देश भर में परीक्षा का आयोजन करने वाली संस्था भी है। सड़क परिवहन से लेकर रेलवे के परिचालन तक की एजेंसियां बनी हैं। व्यापार में स्वतंत्र व निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित करने के लिए एजेंसी बनी है। उपभोक्ताओं के संरक्षण के लिए सिर्फ एजेंसी नहीं है, बल्कि अदालतें भी हैं।

आप नागरिक जीवन से जुड़े किसी भी काम के बारे में सोचें और फिर गूगल में सर्च करें तो आपको उस काम से जुड़ी सरकारी एजेंसी का पता चल जाएगा। सवाल है कि जब इतनी नियामक संस्थाएं हैं तो नागरिक सेवाएं नियमित और बेहतर क्यों नहीं हैं? जब इतनी एजेंसियां जनता के पैसे से ही काम कर रही हैं तो फिर जनता उन्हीं सेवाओं को लेकर इतनी परेशान क्यों है? इसका एकमात्र जवाब है कि संस्थाओं की कोई जवाबदेही नहीं है।

ऐसा लगता है कि सरकार और सारी सरकारी संस्थाओं व नियामक एजेंसियों के संचालन के लिए देश के नागरिक टैक्स तो भरते हैं लेकिन अपने काम के लिए भगवान भरोसे रहते हैं। यह अपवाद ही होता है कि किसी एजेंसी ने नागरिक की किसी समस्या का समाधान किया। जब ऐसा होता है तो उसकी खबर बनती है। अक्सर अखबारों में या इन दिनों तो सोशल मीडिया में खबर आती है कि किसी ट्रेन यात्री ने ट्रेन की बोगी में गंदगी होने या पानी नहीं होने की शिकायत सोशल मीडिया में की और रेल मंत्री को टैग किया तो तुरंत कार्रवाई हो गई।

यह असल में पीआर एक्सरसाइज है। अगर सभ्य देश वाली व्यवस्था होती तो बोगी में गंदगी नहीं होती या पानी नहीं समाप्त हो गया होता। व्यवस्था ठीक तरीके से काम नहीं करती है तो उसके बारे में धारणा बनवाने के लिए ऐसी पीआर एक्सराइज की जाती है।

अगर सरकारी नियामक एजेंसियों की बात करें तो एक के बाद एक सारी एजेंसियां समान रूप से अक्षम या विफल दिखाई देंगी। भारत में बीमा सेक्टर को विनियमित करने के लिए इरेडा यानी इंश्योरेंस रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट ऑथोरिटी का गठन किया गया है। लेकिन भारत में बीमा सेक्टर में जैसी गड़बड़ी है वैसी दुनिया के किसी देश में नहीं होगी। इरेडा को लगातार शिकायतें मिल रही हैं लेकिन वह कोई कार्रवाई नहीं करती है। इरेडा को पता है और उसकी रिपोर्ट में बताया गया है कि बीमा एजेंट मिससेलिंग कर रहे हैं यानी झूठ बोल कर लोगों को बीमा बेच रहे हैं परंतु वह कोई प्रभावी कार्रवाई नही कर पाती है।

इरेडा के पास रिपोर्ट है कि निजी स्वास्थ्य बीमा कंपनियां 40 फीसदी तक क्लेम रिजेक्ट कर रही हैं या बीमा की रकम के मुकाबले बहुत कम भुगतान कर रही हैं। लेकिन वह कुछ नहीं कर रहा है या कर पा रहा है। जीवन बीमा में भी निजी कंपनियों का दावा भुगतान का रिकॉर्ड बहुत खराब है। निजी कंपनियों ने जीवन बीमा और स्वास्थ्य बीमा के प्रीमियम पर एजेंट का कमीशन चार गुना बढ़ा दिया है, जिससे एजेंट मिससेलिंग ज्यादा करने लगे हैं और ग्राहकों का लाभ कम हुआ है। पर इरेडा को इसकी परवाह नहीं है। नागरिकों से ऊपर बीमा कंपनियों का हित है।

ऐसे ही विमानन सेक्टर को विनियमित करने के लिए नागरिक विमानन महानिदेशालय यानी डीजीसीए बना है। लेकिन विमानों का परिचालन विमानन मंत्रालय या डीजीसीए के हिसाब से नहीं होता है, बल्कि विमानन कंपनियों के हिसाब से होता है। भारत में विमानन कंपनियां मनमाना किराया तय करने के लिए स्वतंत्र हैं। ईंधन की किल्लत हुई थी तब सरकार ने इसे नियंत्रित करने का प्रयास किया था। हालांकि तब भी कंपनियां अपने हिसाब से काम करती थीं। लेकिन अब तो पाबंदी भी हटा दी गई है। एक हजार किलोमीटर की यात्रा का किराया भारत में कंपनियां 50 हजार रुपए से ज्यादा तक वसूलती हैं।

प्रयागराज में महाकुंभ के समय पांच सौ किलोमीटर की यात्रा के लिए भी 50 हजार रुपए से ज्यादा वसूले गए। विमानन कंपनियां मनमाना किराया वसूलती हैं और घटिया से घटिया सुविधा देती हैं। किराए की बात हो रही है तो बता दें कि सरकार ने विमानन कंपनियों से कहा था कि वे 60 फीसदी सीटें फ्री रखें और बिना पैसे के टिकट के साथ सीट बुक करें। लेकिन कंपनियों ने इसे मानने से इनकार कर दिया। बाद में सरकार को सरकुलर वापस लेना पड़ा। स्थिति यह है कि विमानन कंपनियां लगभग सारी सीटें अलग से बेचती हैं या टिकट के अलावा अलग से पैसे लेती हैं। अगर चार लोगों का परिवार यात्रा कर रहा है और सोचे कि बिना पैसे दिए सीट हासिल करें तो यह नामुमकिन होगा। अगर सीट मिल भी गई तो पूरा परिवार विमान में अलग अलग बैठा मिलेगा।

विमान यात्री उनकी मर्जी के मोहताज होते हैं। एक घंटे तक की देरी को तो विमानन कंपनियां देरी भी नहीं मानती हैं और न इसके लिए खेद जताती हैं। भारत सरकार के एक मंत्री हैं शिवराज सिंह चौहान कुछ समय पहले एक विमान में टूटी कुर्सी पर बैठ कर आए थे। सोशल मीडिया में शिकायत भी की थी लेकिन हुआ कुछ नहीं। असल में पिछले 12 साल में एक एक करके विमानन कंपनियां बंद होती गईं और सरकार ने दो कंपनियों की मोनोपोली बन जाने दी। उसके बाद सरकार के हाथ में करने को कुछ नहीं रह गया है।

भारत में खाने पानी की वस्तुओं की गुणवत्ता पर नजर रखने के लिए एफएसएसएआई यानी फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड ऑथोरिटी ऑफ इंडिया नाम की एक संस्था है। इसके कामकाज में गड़बड़ियों को लेकर सोशल मीडिया में कई सालों से अभियान चल रहा है। लेकिन कामकाज में सुधार की बजाय एजेंसी सोशल मीडिया हैंडल्स को कानूनी नोटिस भेजती रहती है। हकीकत यह है कि देश में खाने पीने की कोई भी चीज सुरक्षित नहीं है। पहले खुली या कच्ची चीजों में मिलावट की खबर आती है। लेकिन अब पैकेज्ड वस्तुओं की मिलावट ज्यादा चर्चा में है।

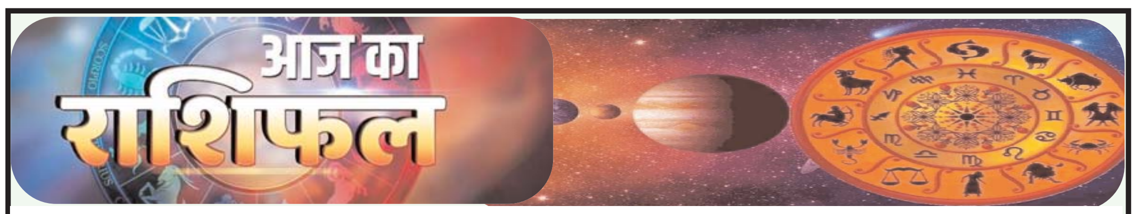

मेष राशि- आज का दिन आपके जीवन में नए अवसर लेकर आने वाला है। आज अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए भरपूर प्रयास करेंगे। आज आप मजबूती के साथ एक नई शुरुआत करेंगे। यह समय अपने व्यवहार और पिछले दिनों में की गई गलतियों में सुधार लाने का है।

वृष राशि- आज आपका दिन खुशहाल रहेगा। आज अचानक ही महत्वपूर्ण काम के पूरे हो जाने से आपको बहुत प्रसन्नता होगी। आज आपका अधिकतम समय धार्मिक और आध्यात्मिक गतिविधियों में बीतेगा। घर के वरिष्ठ सदस्यों के मार्गदर्शन से रिश्ते में चल रही गलतफहमियां दूर होंगी।

मिथुन राशि- आज आपका दिन ताजगी भरा रहेगा। आज कारोबार में छोटी-छोटी बारीकियां समझना जरूरी है किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह लेना उचित रहेगा। आज आपकी खास इच्छा पूरी होने की उम्मीद है। ऑफिस में उच्च अधिकारियों से मिला सहयोग आपके उत्साह में इजाफ़ा करेगा।

कर्क राशि- आज आपका दिन मिली जुली प्रतिक्रिया देने वाला रहेगा। आज के दिन यदि धैर्य और समझदारी से कार्य करेंगे तो आपको सफलता मिलनी तय है। घर के रखरखाव अथवा नवीनीकरण संबंधी योजना बना सकते हैं। आज आपको पुराने दोस्तों के साथ समय बिताने का मौका मिल सकता है।

सिंह राशि- आज का दिन आपके लिए लकी साबित होने वाला है। आज आप घर पर ही धार्मिक अनुष्ठान करवाने की योजना बनायेंगे। भविष्य को लेकर बनाई कार्य योजनाएं आज कारगर साबित होंगी।

कन्या राशि- आज आपका दिन आपके लिए यादगार साबित होगा। प्रतियोगी छात्रों के लिए किसी परीक्षा का मोस्ट अवेटेड रिजल्ट उनके पक्ष में आएगा। आज उनका चयन प्रशासनिक क्षेत्र में हो जाने से घर में उत्सव जैसा माहौल होगा। आज घर पर मांगलिक कार्यक्रम का आयोजन होगा, जिससे लोगों का आना जाना लगा रहेगा।

तुला राशि- आज का दिन आपके लिए सकारात्मक रहेगा। आज हर रोज की गतिविधियों और व्यस्तता से राहत पाने के लिए कुछ समय अपने लिए भी जरूर निकालें। आप अपनी पारिवारिक व व्यावसायिक जिम्मेदारियों को आज बखूबी निभाएंगे। स्टूडेंट्स को आज टीचर द्वारा विशेष मार्गदर्शन मिलेगा।

वृश्चिक राशि-आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। घर पर आपके अच्छे गुणों की चर्चा होगी। मीडिया और ऑनलाइन माध्यम से आपको बिजनेस से रिलेटेड जानकारी मिलती रहेगी। पैतृक संपत्ति से लाभान्वित हो सकते हैं। लंबे समय से चल रही योजना में आज कुछ नए बदलाव भी कर सकते हैं। समाज में आपके द्वारा किए गए कार्यों की काफी सराहना होगी।

धनु राशि- आज आपका दिन आपके लिए शानदार रहेगा। आपकी कार्य योजनाओं को आज सकारात्मक दिशा मिलेगी। रियल स्टेट और प्रॉपर्टी संबंधी रुका हुआ मामला किसी खास व्यक्ति की मदद से पूरा हो जाएगा। आपके सहज और मिलनसार स्वभाव की वजह से लोग आपकी ओर आकर्षित होंगे।

मकर राशि- आज का दिन आपके जीवन में नई संभावनाएं लेकर आने वाला है। आमदनी के नए स्रोत मिलेंगे साथ ही पिछले कुछ समय से चल रही आर्थिक समस्याओं से आज राहत मिलेगी। व्यक्तित्व को निखारने के लिए किये गये प्रयास का अच्छा परिणाम आज सामने आएगा और समाज में आपकी एक नई छवि बनेगी। कुंभ राशि- आज दिन आपके लिए ज्ञानवर्धक रहेगा। आज आप किसी सेमिनार में हिस्सा लेंगे जहां आप काफी जानकार लोगों से मिलेगे कुछ नया सीखने को मिलेगा इसके अलावा किसी धार्मिक समारोह अथवा सम्मेलन में शामिल होने का अवसर मिलेगा।

मीन राशि- आज का दिन आपके फेवर में रहेगा। टेक्नोलॉजी से जुड़े लोगों को आज नए अवसर मिलेंगे। छात्रों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है, किसी प्रतियोगिता में बेहतरीन प्रदर्शन करेंगे। इस समय कई खर्चे सामने आएंगे, लेकिन साथ ही साथ आय के स्त्रोत बढ़ने से आर्थिक समस्या नहीं रहेगी।

दतिया- उपचुनाव

कोई भी जीते, हारेंगे नरोत्तम

डॉ. सुधीर सक्सेना

दतिया में मतदान सन्निकट है। कहने को यह चुनाव दोनों प्रमुख दलों - कांग्रेस और भाजपा के बीच हो रहा है, लेकिन आजाद समाज पार्टी ने आमने-सामने की सीधी लड़ाई को पेचीदा त्रिकोणीय संघर्ष में बदलकर हार-जीत के समीकरणों को गड़बड़ा दिया है। आजाद समाज पार्टी के प्रत्याशी दामोदर सिंह यादव के पेशगी तैयारी से मैदान में उतरने से संशय गहरा गया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के सजातीय होने से अनेक लंतरानियां हवा में तैर रही हैं। चुनावी ऊंट की करवट को दादा (नरोत्तम मिश्र) की मौन मनौती से जोड़कर भी देखा जा रहा है। इसे हरेक अपने-अपने तरीके से बूझ रहा है। वस्तुत- डॉ. नरोत्तम मिश्र की स्थिति तलवार की धार पे धावनों सरीखी हो गयी है। बीजेपी की जय और पराजय दोनों ही स्थितियों में उनके लिये नफा, कम, नुकसान 'यादा का खतरा सन्निहित है।

डॉ. नरोत्तम मिश्र इस सामंती इलाके में दादा के संबोधन से नवाजे जाते हैं। यह संबोधन उनकी हैसियत और छवि दोनों की चुगली करता है। इसमें आदर और दबंगई का ऐसा घोल है, जिसमें दोनों को पृथक्कृत नहीं किया जा सकता। इलाके में उनकी लोकप्रियता भी है और दबदबा भी। वह पारिवारिक प्रसंगों से लेकर धार्मिक अनुष्ठानों और सामाजिक समारोहों में शिरकत करते रहे हैं। उन्होंने अपनों को कृतार्थ किया तो बैरियों को सबक सिखाया। हाजिरजवाबी और शेरोशायरी से वह जलसों और महफिलों की शान रहे। पार्टी के लिये वह संकटमोचन रहे। उनकी साधन संपन्नता कइयों की ईर्ष्या का विषय बनी। दिल्ली के सत्ता सौध में वह एक अत्यंत प्रभावशाली नेता की नाक का बाल रहे और दिलचस्प तौर पर उन्होंने अपनी नाक के बालों का भी भरपूर खयाल रखा। कमलनाथ-सरकार को गिराने में भी उनकी नेपथ्य में महत्वपूर्ण भूमिका रही। अपने बयानों से वह सुर्खियों में रहे और आचरण से विवादास्पद। सूबे का सीएम बनने की उनकी महत्वाकांक्षा भी किसी से छिपी नहीं रह सकी।

यही वे सन्दर्भ हैं, जो डॉ. नरोत्तम मिश्र को सत्तारूढ़ बीजेपी में अद्वितीय या विशिष्ट बनाते हैं। यही विशिष्ट नरोत्तम इस बार दतिया के उपचुनाव में टिकट से वंचित रहे। दादा का बेटिकट होना दादा के समर्थकों को कितना नागवार गुजरा, यह बीजेपी के नये नवेले उम्मीदवार के नाम का ऐलान होते ही जगजाहिर हो गया। दादा नहीं तो कोई नहीं की रौ में दादा के उग्र समर्थकों ने खूब बवाल काटा। और दादा ...? बेबसी में दादा की आंखों में आंसू तिर आये। अब दादा कुछ बोलें या मौन रहें, मगर ये अबोले आँसू मुखर होकर गुल खिला रखे हैं। उनकी यह बबसी और मायूसी उनके समर्थकों को इस कदर साल रही है कि उन्होंने बीजेपी को सबक सिखाने का मन बना लिया है। दतिया में सामान्य वर्ग में ब्राह्मण सबसे बड़ा वोट बैंक हैं। यह बैंक पहले विभाजित था, किंतु नये परिप्रेक्ष्य में तकरीबन पूरा समुदाय बीजेपी के हाथों से छिटक गया है।

दादा नरोत्तम इस चुनाव में प्रत्याशी नहीं हैं। न तो वह दलीय प्रत्याशी हैं और न ही निर्दल, लेकिन चुनावी-दंगल में उनकी मौजूदगी महसूस की जा रही है। पार्टी ने उनकी गति सांप-छछूंदर सी कर दी है। सुविचारित रणनीति के तहत उन्हें चुनाव प्रचार की कमान सौंपा दी गयी है। कमेटी में इस्तीफा दे चुके उनके समर्थक पदाधिकारी भी हैं। पार्टी के लिये दादा को तन-मन-धन झोंकना होगा। हालाँकि, संभावना नगण्य है, किंतु फर्ज कीजिये कि बीजेपी के आशुतोष जीत जाते हैं, तो सेहरा किसके सिर बँधेगा? पार्टी नेतृत्व की जय-जयकार होगी और स्थानीय राजनीति में दादा हाशिये में सरक जायेंगे। अगले चुनाव में उनका दावा भी कमजोर होगा। यदि उन्हें कोई निगम-मंडल सौंपा भी गया तो उससे उनके रूतबे की भरपाई न होगी। और अगर्चे बीजेपी दतिया का दंगल हारती है, तो ठीकरा दादा के सिर फूटेगा। ऐसे में दादा तिरस्कृत और दंडित होंगे। अवधेश नायक की सक्रियता से कांग्रेस को बल मिला है और विभिन्न नेताओं के बयानों से दादा की निष्ठा संदिग्ध हो रही है। ऐसा नहीं है कि दादा इसे समझ नहीं रहे हैं, मगर वे निरूपाय हैं। उनके ग्रहयोग बुरे चल रहे हैं। दिल्ली के उनके आका भी उनकी टिकट बचा नहीं सके।

बंगाल की 650 साल पुरानी 'अदीना मस्जिद' पर बाबरी जैसा विवाद, 1.5 टन का शिवलिंग पहुंचने से हड़कंप, इलाका छावनी में तब्दील

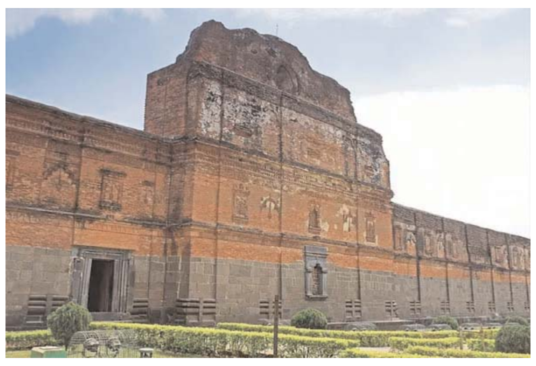

मालदा(आरएनएस)। पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में स्थित 650 साल पुरानी ऐतिहासिक अदीना मस्जिद को लेकर अचानक एक बड़ा धार्मिक विवाद खड़ा हो गया है। एक हिंदू दक्षिणपंथी संगठन द्वारा मस्जिद परिसर के ठीक बाहर पूजा-अर्चना शुरू करने और इस ऐतिहासिक संरचना को प्राचीन 'आदिनाथ शिव मंदिर' बताने के बाद से पूरे इलाके में भारी तनाव का माहौल है। विवाद उस वक्त और गहरा गया जब 'आदिनाथ पुरातन शिव मंदिर' नामक संगठन ने मस्जिद के निकट एक विशाल शिवलिंग स्थापित करने का ऐलान कर दिया। हालात की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन पूरी तरह हाई अलर्ट पर है और इलाके में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

मालदा के पांडुआ में स्थित अदीना मस्जिद का निर्माण साल 1373 ईस्वी में बंगाल सल्तनत के सुल्तान सिकंदर शाह ने कराया था। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (स्ड्ढ) के अनुसार, यह मध्यकालीन भारत में उपमहाद्वीप की सबसे बड़ी और महत्वपूर्ण मस्जिदों में से एक है। इसके विपरीत, हिंदू संगठनों और भारतीय जनता पार्टी के नेताओं का मजबूती से दावा है कि यह स्थल मूल रूप से भगवान शिव और भगवान विष्णु को समर्पित एक भव्य आदिनाथ मंदिर था। संगठन का कहना है कि आज भी मस्जिद के पत्थरों, दीवारों और वास्तुकला में हिंदू और बौद्ध धर्म के प्रतीक चिन्ह और स्पष्ट मूर्तियां देखी जा सकती हैं, जो इसके मंदिर होने का सबसे बड़ा प्रमाण हैं।

अलीगंज अग्निकांडः 15 लोगों की जान लेने वाली इमारत पर चला बुलडोजर, LDA ने शुरू कराया ध्वस्तीकरण

लखनऊ (आरएनएस)। यूपी की राजधानी लखनऊ के अलीगंज क्षेत्र में पिछले महीने भीषण अग्निकांड में 15 लोगों की मौत का कारण बनी चार मंजिला इमारत का शनिवार को ध्वस्तीकरण शुरू कर दिया गया। लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) ने भारी पुलिस बल और मशीनरी की मौजूदगी में कार्रवाई शुरू की।इस दौरान भवन स्वामी की ओर से कार्रवाई को नियमों के विरुद्ध बताते हुए इसका विरोध किया गया। एलडीए की टीम शनिवार को बुलडोजर और हाइड्रोलिक मशीन और अधिकारियों-कर्मचारियों के दल के साथ मौके पर पहुंची। ध्वस्तीकरण अभियान शुरू करने से पहले पूरे क्षेत्र की घेराबंदी कर दी गई और आसपास की सड़कों पर बैरिकेडिंग लगाकर यातायात रोक दिया गया। सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी तैनात किए गए।एलडीए अधिकारियों के अनुसार, संबंधित भवन को अवैध निर्माण और अग्नि सुरक्षा मानकों के उल्लंघन के मामलों में ध्वस्त किए जाने का आदेश दिया गया था। प्राधिकरण का कहना है कि भवन स्वामी को निर्माण हटाने के लिए पर्याप्त समय दिया गया था। निर्धारित अवधि में कार्रवाई पूरी नहीं होने पर एलडीए ने स्वयं ध्वस्तीकरण शुरू कराया। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यदि प्राधिकरण को पूरी कार्रवाई करनी पड़ी तो इसका खर्च भी भवन स्वामी से वसूला जाएगा।ध्वस्तीकरण के दौरान भवन स्वामी वीरेंद्र शुक्ला की ओर से अधिवक्ता राजेंद्र शुक्ला मौके पर पहुंचे और कार्रवाई पर आपत्ति जताई। उनका कहना था कि भवन स्वामी को 25 जुलाई तक का समय दिया गया था, ऐसे में उसी दिन सुबह ध्वस्तीकरण शुरू करना उचित नहीं है। उन्होंने यह भी दावा किया कि उन्हें ध्वस्तीकरण का अलग आदेश उपलब्ध नहीं कराया गया और केवल नोटिस के आधार पर कार्रवाई की जा रही है।

बिना तलाक दूसरी शादी रचा रहा था पति; पहली पत्नी ने पुलिस बुलाकर रुकवाया निकाह

कानपुर,(आरएनएस)। एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है, जहां एक मैरिज हॉल में उस वक्त हड़कंप मच गया जब शादी की रस्मों के बीच अचानक पहली पत्नी की धमाकेदार एंट्री हो गई। पत्नी ने हंगामे के बीच खुलासा किया कि दोनों के बीच अभी तक कानूनी तौर पर तलाक नहीं हुआ है।

उत्तर प्रदेश के कानपुर शहर से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है, जिसमें एक मैरिज हॉल में उस वक्त हड़कंप मच गया जब शादी की रस्मों के बीच अचानक पहली पत्नी की धमाकेदार एंट्री हो गई। पहली पत्नी ने हंगामे के बीच खुलासा किया कि दोनों के बीच अभी तक कानूनी तौर पर तलाक नहीं हुआ है और पति चुपके से दूसरा निकाह करने जा रहा था। मामला बढ़ता देख मौके पर पहुंची पुलिस ने दूल्हे को हिरासत में ले लिया और थाने ले आई।कानपुर के चकेरी थाना क्षेत्र स्थित श्यामनगर के एक मैरिज लॉन में 24 जुलाई को यहां एक इंटीरियर कारोबारी का दूसरा निकाह बड़ी धूमधाम से रचाया जा रहा था।

रिश्तेदारों और मेहमानों की आवाजाही बनी हुई थी और शादी का जश्न चरम पर था। इसी बीच अचानक दूल्हे की पहली पत्नी अपनी बहन के साथ मैरिज हॉल पहुंच गई। पहली पत्नी के अचानक पहुंचने से समारोह में अफरा-तफरी मच गई। महिला ने खुद को दूल्हे की कानूनी पत्नी बताते हुए शादी का कड़ा विरोध शुरू कर दिया। उसने वहां मौजूद मेहमानों और लड़की वालों को बताया कि पति बिना तलाक लिए धोखे से दूसरी शादी कर रहा है। इसके बाद मैरिज हॉल में करीब एक घंटे तक हाईवोल्टेज ड्रामा और तनाव का माहौल बना रहा।

जंतर-मंतर पर पड़े रैपर के सहारे रेस्टोरेंट तक पहुंची दिल्ली पुलिस, प्रदर्शनकारियों को खाना भेजने वालों में मचा हड़कंप

नई दिल्ली (आरएनएस) ।राजधानी दिल्ली के जंतर-मंतर पर चल रहे विरोध-प्रदर्शन के बीच एक बेहद चौंकाने वाली खबर सामने आई है। दिल्ली पुलिस अब उन कैफे और रेस्टोरेंट की तलाश में जुट गई है, जो प्रदर्शन स्थल पर मुफ्त में खाना या फिर थोक (बल्क) में फूड डिलीवरी कर रहे हैं। इस कार्रवाई में सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि पुलिस इन फूड आउटलेट्स तक पहुंचने के लिए जंतर-मंतर पर फेंके गए खाली रैपर और फूड पैकेजिंग को अपना सबसे बड़ा हथियार बना रही है।

रैपर से मिला सुराग, डिलीवरी रिकॉर्ड की हो रही जांच

इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट के मुताबिक, दिल्ली पुलिस के अधिकारी अब कई रेस्टोरेंट और कैफे में जाकर पिछले कुछ दिनों के ऑर्डर और डिलीवरी का पूरा रिकॉर्ड खंगाल रहे हैं। पुलिस ने ढाबों और रेस्टोरेंट मालिकों से पेड और फ्री, दोनों तरह के ऑर्डर्स के पुख्ता सबूत मांगे हैं। इतना ही नहीं, कई फूड आउटलेट मालिकों का दावा है कि उन्हें पूछताछ के लिए पुलिस स्टेशन भी बुलाया गया है, जिससे कारोबारियों में खलबली मच गई है।दक्षिण दिल्ली के एक रेस्टोरेंट मालिक ने खुलासा किया कि वे पिछले तीन दिनों से औसतन 800 फूड पैकेट रोज जंतर-मंतर भेज रहे थे। गुरुवार को पुलिस जंतर-मंतर पर पड़े पैकेजिंग मटेरियल से पता लगाकर सीधे उनके स्टोर पर पहुंच गई। रेस्टोरेंट मालिक के मुताबिक, पुलिस ने उन्हें थाने बुलाकर सख्त हिदायत दी है कि प्रदर्शन में मौजूद

कई 'असामाजिक तत्व' उनके खाने का इस्तेमाल कर रहे हैं, इसलिए वे आगे से वहां किसी भी तरह की फूड डिलीवरी न करें।

स्विगी-जोमैटो के बल्क ऑर्डर्स पर भी सख्त पहरा

पुलिस का शिकंजा केवल लोकल ढाबों तक सीमित नहीं है, बल्कि जोमैटो और स्विगी जैसे बड़े ऑनलाइन फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म्स से मिलने वाले बल्क ऑर्डर्स पर भी पैनी नजर रखी जा रही है। पुलिस ने स्पष्ट रूप से कहा है कि इस तरह के ऑर्डर्स को 'रेड फ्लैग' माना जाए और इनकी डिलीवरी किसी भी हाल में न की जाए। पुलिस की इस सख्त पूछताछ और बढ़ते दबाव के बाद, प्रदर्शनकारियों को मुफ्त रिफ्रेशमेंट और शरण देने की पेशकश करने वाले कई लोकल कैफे ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट तक डिलीट कर दिए हैं।

आषाढ़ी एकादशी पर प्रधानमंत्री मोदी ने देशवासियों को दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली,,(आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आषाढ़ी एकादशी के पावन अवसर पर देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए भगवान विट्ठल से सभी के जीवन में सुख, समृद्धि और सामाजिक सद्भाव की कामना की। उन्होंने कहा कि यह पवित्र पर्व भक्ति, करुणा और मानव सेवा के शाश्वत संदेश का प्रतीक है तथा समाज को एक बेहतर दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।प्रधानमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि भगवान विट्ठल का आशीर्वाद सभी के जीवन में आनंद, शांति और समृद्धि लेकर आए तथा समाज में सद्भाव और भाईचारा और अधिक मजबूत हो। उन्होंने प्रार्थना की कि प्रत्येक व्यक्ति के कल्याण और सम्मान के लिए निरंतर सेवा करने का हमारा संकल्प और अधिक दृढ़ हो।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने नई दिल्ली में संविधान सदन के सेंट्रल हॉल में लोकसभा के पूर्व अध्यक्ष सोमनाथ चटर्जी को उनकी जयंती पर पुष्पांजलि अर्पित की।

बाबा बर्फानी के भक्तों के लिए बड़ी खुशखबरी, 6 दिन बाद फिर शुरू हुई अमरनाथ यात्रा

जम्मू ,(आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर में लगातार छह दिनों तक खराब मौसम के कारण स्थगित रही श्री अमरनाथ यात्रा एक बार फिर शुरू हो गई है। शनिवार को श्री अमरनाथ यात्रा का 18वां जत्था जम्मू के भगवती नगर से बालटाल मार्ग के जरिए रवाना हुआ।

प्रशासन ने श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने और किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए खराब मौसम के चलते यात्रा को अस्थायी रूप से रोक दिया था। हालांकि, यात्रा स्थगित रहने के बावजूद श्रद्धालुओं के उत्साह में कोई कमी नहीं आई। शनिवार को दोबारा यात्रा शुरू होने पर श्रद्धालु उत्साहित दिखाई दिए।पहली बार बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए जा रहे एक श्रद्धालु ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, मेरे दिमाग में बस यही है कि बाबा के दर्शन करने हैं। इसलिए हम लोग बारिश के समय में भी यहां दर्शन के लिए पहुंचे हैं।तीसरी बार अमरनाथ यात्रा के लिए जम्मू पहुंचे एक अन्य श्रद्धालु ने कहा, मुझे तीसरी बार यहां आने का अवसर मिला है। मैं पहली बार 2023 में यहां आया था। अभी यहां पर श्रद्धालुओं के लिए अच्छी व्यवस्थाएं हैं।

इंटरनेट पर 'तूफान' बन गया पीएम मोदी का ये वीडियो, 24 घंटे में टूटे दुनिया के सारे रिकॉर्ड

नई दिल्ली(आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक नया वीडियो जारी कर देश के युवाओं (खासकर जेन-जी) और आम लोगों को धन्यवाद कहा है। प्रधानमंत्री ने यह वीडियो अपनी पिछली वीडियो पर देशवासियों से मिली प्रतिक्रियाओं के बाद जारी किया है। बता दें कि प्रधानमंत्री के गुरुवार को जारी किए गए वीडियो ने रिकॉर्ड बना दिया था।

वीडियो में प्रधानमंत्री ने कहा, थैंक्स फ्रेंड्स, कल देर रात आपसे मिलने का मौका मिला। मेरे वीडियो पर आपने जिस तरह प्रतिक्रियाएं दीं और सकारात्मक सुझाव दिए, उसके लिए आप सभी का धन्यवाद। आपका यह प्यार बना रहेगा और हमारा नाता और अधिक सक्रियता से जुड़ता रहेगा। धन्यवाद दोस्तों।

वीडियो को शेयर करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने लिखा, युवाओं का धन्यवाद, जिन्होंने कल मेरा वीडियो देखा और उस पर अपनी प्रतिक्रियाएं दीं।प्रधानमंत्री मोदी ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर रात लगभग 11 बजे इस वीडियो को जारी किया।बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी ने गुरुवार को युवाओं, छात्रों और अभिभावकों को संबोधित करते हुए एक वीडियो जारी किया था। इस वीडियो ने रिकॉर्ड तोड़ दिया। इस वीडियो को खबर लिखे जाने तक 306 मिलियन (30.6 करोड़) से अधिक बार देखा जा चुका है। प्रधानमंत्री के इस वीडियो पर बड़ी संख्या में लोगों ने अपने सुझाव दिए। इसके साथ ही, इस वीडियो संदेश के बाद उनके इंस्टाग्राम अकाउंट पर रातोंरात लगभग 1 मिलियन (10 लाख) नए फॉलोअर्स जुड़ गए।रिसर्च और आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी इंस्टाग्राम पर 100 मिलियन (10 करोड़) फॉलोअर्स का ऐतिहासिक आंकड़ा पार करने वाले दुनिया के पहले और एकमात्र राजनेता हैं।

6 दशक बाद बदल रहा तमिलनाडु सीएम का ऐतिहासिक ठिकाना, 10वीं मंजिल पर शिफ्ट हो रहा सीएम विजय का ऑफिस

चेन्नई ,,(आरएनएस)। तमिलनाडु सचिवालय में एक बड़े प्रशासनिक फेरबदल के तहत मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) को ऐतिहासिक फोर्ट सेंट जॉर्ज परिसर में स्थित अपने लंबे समय से चले आ रहे कार्यालय से नामक्कल कविग्नर मालिगई (एनकेएम) में स्थानांतरित किया जाएगा। नए परिसर को तैयार करने के लिए तेजी से नवीनीकरण कार्य चल रहा है।

यह स्थानांतरण सचिवालय के कामकाज में वर्ष 2011 के बाद सबसे महत्वपूर्ण बदलावों में से एक माना जा रहा है। उस समय दिवंगत जे. जयललिता के नेतृत्व वाली एआईएडीएमके सरकार ने प्रमुख विभागों को दोबारा फोर्ट सेंट जॉर्ज में स्थानांतरित किया था, जिससे पहले डीएमके सरकार द्वारा नए निर्मित ओमंदुरार गवर्नमेंट एस्टेट से सचिवालय संचालित करने का निर्णय पलट दिया गया था।

अधिकारियों के अनुसार, इस फैसले का मुख्य कारण मौजूदा मुख्यमंत्री कार्यालय में जगह की भारी कमी है। मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय के पदभार संभालने के बाद उनसे मिलने आने वाले अधिकारियों, आगंतुकों और विभिन्न प्रतिनिधिमंडलों की बढ़ती संख्या के कारण वर्तमान कार्यालय पर काफी दबाव था।

हालांकि इस स्थानांतरण को लेकर अन्य कारणों को लेकर भी अटकलें लगाई जा रही हैं, लेकिन सरकारी सूत्रों का कहना है कि इसका उद्देश्य

प्रशासनिक दक्षता बढ़ाना और आगंतुकों के बेहतर प्रबंधन को सुनिश्चित करना है।

मुख्यमंत्री अब तक फोर्ट सेंट जॉर्ज की मुख्य इमारत की पहली मंजिल से कामकाज कर रहे थे, जहां मुख्यमंत्री कार्यालय पिछले छह दशकों से अधिक समय से संचालित हो रहा है।

नई योजना के तहत मुख्यमंत्री कार्यालय को नामक्कल कविग्नर मालिगई की 10वीं मंजिल पर स्थापित किया जाएगा।

लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने इस स्थानांतरण की तैयारियां शुरू कर दी हैं। नया मुख्यमंत्री कार्यालय 10वीं मंजिल पर स्थित मौजूदा भोजन कक्ष में बनाया जाएगा, जो सम्मेलन कक्ष के ठीक बगल में स्थित है।

इसके लिए भोजन कक्ष में मौजूद फर्नीचर, फिक्स्चर और अन्य बुनियादी ढांचे को हटाकर कलैवानार अरंगम स्थानांतरित किया जा रहा है, ताकि नए कार्यालय के लिए जगह बनाई जा सके।

इस बदलाव के चलते 10वीं मंजिल पर संचालित कई सरकारी विभागों को भी स्थानांतरित करना होगा।

सूचना एवं तमिल विकास विभाग, गृह (निषेध) विभाग और वाणिज्यिक कर विभाग के कुछ अनुभागों को मुख्यमंत्री कार्यालय की स्थापना के लिए दूसरी जगह स्थानांतरित किया जाएगा।

अधिकारियों ने बताया कि सूचना एवं तमिल विकास विभाग को कलैवानार अरंगम में स्थानांतरित किया जाएगा, जबकि अन्य विभागों को फोर्ट सेंट जॉर्ज सचिवालय परिसर के भीतर ही अन्य स्थानों पर समायोजित किया जाएगा।

10 मंजिला सचिवालय एनेक्स नामक्कल कविग्नर मालिगई वर्तमान में 34 सरकारी विभागों के सचिवों और विभिन्न अनुभागों का कार्यालय है, जिससे यह राज्य के सबसे महत्वपूर्ण प्रशासनिक केंद्रों में से एक माना जाता है।

इस भवन का निर्माण पार्सन फाउंडेशन एंड इंजीनियरिंग कंपनी ने किया था और इसका उद्घाटन वर्ष 1975 में तत्कालीन मुख्यमंत्री एम. करुणानिधि ने किया था। इसके बाद से इस भवन का कई बार नवीनीकरण किया जा चुका है।

72 घंटे के भीतर निकले 30 से ज्यादा जहरीले सांप, 18 फीट लंबा अजगर और 'साइलेंट किलर' देख कांप उठी लोगों की रूह

रामनगर ,(आरएनएस)। विश्व प्रसिद्ध कॉर्बेट नेशनल पार्क के प्रवेश द्वार रामनगर और उसके आसपास के ग्रामीण इलाकों में पिछले 72 घंटों से हो रही घटनाओं ने लोगों की नींद उड़ा दी है। भीषण गर्मी के बाद हुई झमाझम बारिश के चलते प्राकृतिक ठिकानों और बिलों में पानी भर जाने से अब सांप भोजन और सुरक्षित ठिकाने की तलाश में तेजी से रिहाइशी बस्तियों का रुख कर रहे हैं। घरों में लगातार निकल रहे खतरनाक सांपों से लोगों में दहशत का माहौल है, हालांकि वन विभाग और स्नेक रेस्क्यू विशेषज्ञों की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 30 से अधिक सांपों को सकुशल पकड़कर वापस सुरक्षित जंगलों में छोड़ दिया है।

18 फीट के विशालकाय अजगर और जहरीले कोबरा का रेस्क्यू

स्नेक रेस्क्यू विशेषज्ञ चंदन कश्यप, अर्जुन कश्यप और 'सेव द स्नेक सोसाइटी' के अध्यक्ष चंद्र सेन कश्यप की संयुक्त टीम ने अपनी जान पर खेलकर इस बेहद चुनौतीपूर्ण अभियान को अंजाम दिया। इस पूरे रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान सबसे ज्यादा चर्चा करीब 18 फीट लंबे और भारी-भरकम बर्मीज पायथन (अजगर) की रही, जिसे ग्रामीणों के घर के बिल्कुल पास से रेस्क्यू कर सुरक्षित जंगल में रिलीज किया गया। इसके अलावा, टीम ने नाजा प्रजाति के 8 से अधिक स्पेक्टेकल्ड कोबरा भी पकड़े, जिनके फन के पीछे चश्मे जैसी खास आकृति होती है। टीम ने बेहद जहरीले रसेल वाइपर को भी सुरक्षित पकड़ा, जिसे अक्सर आम लोग गलती से अजगर समझ लेते हैं और जाने-अनजाने में जानलेवा हादसे का शिकार बन जाते हैं।

'साइलेंट किलर' करैत को लेकर जारी हुई सख्त चेतावनी

रेस्क्यू विशेषज्ञों ने मानसून के इस मौसम में ग्रामीणों को सबसे ज्यादा 'कॉमन करैत' सांप से सावधान रहने की चेतावनी दी है। विशेषज्ञों के अनुसार, करैत सांप मुख्य रूप से रात के समय सक्रिय होता है और जमीन पर सोते हुए इंसानों को अपना शिकार बनाता है। इस सांप को 'साइलेंट किलर' इसलिए कहा जाता है क्योंकि इसके काटने पर सुई चुभने जैसा मामूली दर्द होता है, जिससे नींद में सो रहे इंसान को तुरंत इसके डसने का पता ही नहीं चलता और समय पर इलाज न मिलने से मरीज की साइलेंट मौत हो जाती है। विशेषज्ञों ने सभी ग्रामीणों से रात में सोते समय अनिवार्य रूप से मच्छरदानी का प्रयोग करने और घरों के आसपास झाड़ियां व कबाड़ हटाकर साफ-सफाई रखने की जोरदार अपील की है।

वन विभाग की अपील- सांप को मारें नहीं, तुरंत दें सूचना

तराई पश्चिमी वन प्रभाग के वन दरोगा वीरेंद्र पांडे ने बताया कि मानसून के सीजन में सांपों की सक्रियता कई गुना बढ़ जाती है, जिससे वे मानवीय आवासों की तरफ आने लगते हैं। हालात से निपटने के लिए वन विभाग और प्रशिक्षित स्नेक कैचर्स की विशेष टीमें चौबीसों घंटे पूरी तरह अलर्ट मोड पर तैनात हैं और अब तक दो दर्जन से अधिक खतरनाक सांपों को उनके प्राकृतिक आवास यानी संरक्षित वन क्षेत्र में आजाद कराया जा चुका है। वन विभाग और सेव द स्नेक सोसाइटी ने आम जनता से अपील की है कि अगर कहीं भी सांप दिखाई दे, तो घबराकर उसे बिल्कुल न मारें, बल्कि तुरंत वन विभाग के हेल्पलाइन नंबर या स्थानीय रेस्क्यू टीम को सूचित करें।

महाराष्ट्र टीईटी पेपर लीक कांड में पुलिस को मिली बड़ी कामयाबी, बिहार से दबोचा गया मुख्य मास्टरमाइंड

पुणे/भिवंडी ,,(आरएनएस)। कॉकरोच जनता पार्टी द्वारा पेपर लीक के खिलाफ किए जा रहे जोरदार प्रदर्शनों के बीच महाराष्ट्र पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है।

महाराष्ट्र शिक्षक पात्रता परीक्षा (ञ्जश्वञ्ज) पेपर लीक मामले में पुलिस ने जाल बिछाकर मुख्य साजिशकर्ता को धर दबोचा है। इस हाई-प्रोफाइल गिरफ्तारी के बाद अब पूरे मामले में कई बड़े चेहरों के बेनकाब होने की संभावना बढ़ गई है।इस पूरे सनसनीखेज मामले के मुख्य आरोपी वीरेंद्र कुमार सिंह को पुलिस ने बिहार से गिरफ्तार किया है। भिवंडी पुलिस की विशेष टीम काफी समय से इस मुख्य मास्टरमाइंड की तलाश में जुटी हुई थी। सटीक लोकेशन और गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने बिहार में छापेमारी कर वीरेंद्र कुमार सिंह को दबोच लिया। माना जा रहा है कि वीरेंद्र की गिरफ्तारी इस पूरे पेपर लीक नेटवर्क को तोड़ने में सबसे अहम कड़ी साबित होगी।जानकारी के मुताबिक, भिवंडी पुलिस मुख्य आरोपी वीरेंद्र कुमार सिंह को गिरफ्तार करने के बाद उसे लेकर पुणे पहुंची है। शुरुआती कानूनी प्रक्रियाओं के बाद अब आरोपी को भिवंडी पुलिस स्टेशन ले जाया जाएगा। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, भिवंडी पुलिस स्टेशन में आरोपी से सघन पूछताछ की जाएगी, जिससे इस सिंडिकेट से जुड़े अन्य आरोपियों और रैकेट के पूरे नेटवर्क के बारे में कई चौंकाने वाले खुलासे हो सकते हैं।

850 साल बाद आसमान में होगा चमत्कारः दो साल पहले ही फुल हुए होटल; आखिर 22 जुलाई 2028 को ऐसा क्या होने वाला है?

अगर आप सोच रहे हैं कि दो साल बाद किसी खूबसूरत जगह छुट्टियां बिताने की योजना बनाएंगे, तो जरा ठहर जाइए। न्यूजीलैंड के डुनेडिन शहर में दो साल बाद होने वाले एक अद्भुत नजारे के लिए आज ही से जगह मिलना मुश्किल हो गया है। वजह कोई बड़ा कॉन्सर्ट या खेल मुकाबला नहीं, बल्कि आसमान में घटने वाली एक ऐसी दुर्लभ खगोलीय घटना है, जो इस इलाके में 850 से ज्यादा वर्षों बाद होने जा रही है। यही कारण है कि यहां के कई होटल मालिकों ने नई बुकिंग लेना बंद कर दिया है।

आखिर 22 जुलाई 2028 को ऐसा क्या होने वाला है?

यह ऐतिहासिक दिन 22 जुलाई 2028 होगा। दोपहर 4 बजकर 17 मिनट पर चंद्रमा, सूर्य के ठीक सामने आकर उसे पूरी तरह ढक लेगा। करीब 100 किलोमीटर चौड़ी पट्टी में

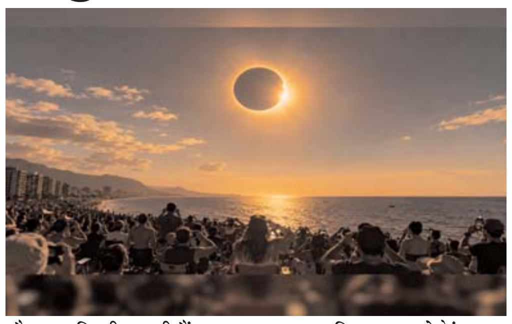

फैला दक्षिणी न्यूजीलैंड का इलाका 2 मिनट 51 सेकेंड तक दिन के उजाले में अंधेरे में डूब जाएगा। इस करीब तीन मिनट के अद्भुत नजारे को देखने के लिए दुनिया भर से लगभग 35,000 पर्यटकों के पहुंचने की उम्मीद है। 1.30 लाख की आबादी वाले इस शांत शहर में अभी से होटलों की बुकिंग को लेकर जबरदस्त होड़ मची हुई है। डुनेडिन लेजर लॉज जैसे प्रमुख होटलों के सोलर एक्लिप्स पैकेज दो साल पहले ही पूरी तरह बुक हो चुके हैं।

क्या इंसानों ने डुनेडिन में पहले कभी ऐसा सूर्य ग्रहण देखा है?

तूहूरा ओटागो म्यूजियम के निदेशक और खगोलशास्त्री डॉ. इयान ग्रिफिन के अनुसार, डुनेडिन में इससे पहले ऐसा पूर्ण सूर्य ग्रहण 1163 में दिखाई दिया था। उस समय न्यूजीलैंड की धरती पर इंसानों के कदम भी नहीं पड़े थे। यानी 2028 में जब सूर्य और चंद्रमा का यह अनोखा संगम होगा, तब डुनेडिन के इतिहास में पहली बार इंसान अपनी आंखों से इस दुर्लभ खगोलीय घटना को देखेंगे।

न्यायपालिका की स्वतंत्रता पर संकट : पीएम बालेन शाह पर सुप्रीम कोर्ट में दखल का आरोप

काठमांडू (ए.)। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह की सरकार पर सुप्रीम कोर्ट की स्वतंत्रता में दखलंदाजी करने के गंभीर आरोप लगे हैं। एमनेस्टी इंटरनेशनल, ह्यूमन राइट्स वॉच और इंटरनेशनल कमीशन ऑफ ज्यूरिस्ट्स (आईसीजे) जैसे तीन प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों ने संयुक्त बयान में कहा है कि प्रधानमंत्री शाह सरकार सुप्रीम कोर्ट के तीन वरिष्ठ न्यायाधीशों पर इस्तीफा देने का दबाव बना रहे है। आरोप है कि यदि वे ऐसा नहीं करते, तब उनके खिलाफ महाभियोग आ सकता है, जिसका उद्देश्य अदालत की संरचना को बदलना और महत्वपूर्ण संवैधानिक मामलों की सुनवाई को प्रभावित करना है।

पाकिस्तान में आतंकी हमला, 15 सुरक्षाकर्मियों की मौत

इस्लामाबाद (ए.)। पाकिस्तान के पश्चिमोत्तर खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के टांक जिले में संयुक्त पुलिस जांच चौकी पर हुए भीषण आतंकी हमले में 12 सैनिकों समेत कम से कम 15 सुरक्षाकर्मियों की मौत हो गई। मृतकों में दो पुलिसकर्मी और वन विभाग का एक कर्मचारी भी शामिल है।

सेना की मीडिया शाखा के अनुसार प्रतिबंधित संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) से जुड़े आतंकियों ने तड़के सुरक्षा घेरा तोड़कर चौकी में घुसने की कोशिश की। सुरक्षाबलों ने जवाबी कार्रवाई करते हुए हमलावरों को पीछे हटने पर मजबूर कर दिया। इसके बाद भागते समय आतंकियों ने विस्फोटकों से भरी एक गाड़ी चौकी की बाहरी दीवार से टकरा दी, जिससे जोरदार धमाका हुआ। विस्फोट में 15 सुरक्षाकर्मियों की जान चली गई और चौकी की इमारत को भारी नुकसान पहुंचा। हमले के तुरंत बाद सुरक्षाबलों ने आतंकियों का पीछा किया और मुठभेड़ में 12 आतंकवादियों को मार गिराया।

भारत से भागकर नेपाली सीमा में प्रवेश कर रहे पाकिस्तानी और रोहिंग्या

नेपाल पुलिस चीफ ने किया दावा- समूह बनाकर बसने की कर रहे कोशिश

काठमांडू,(ए.)। नेपाली पुलिस के इंस्पेक्टर जनरल दान बहादुर कार्की ने बालेन सरकार को जानकारी दी कि

देश की खुली सीमा की वजह से भारत से भागकर रोहिंग्या और अवैध नागरिक नेपाल पहुंच रहे हैं। उन्होंने सोमालियन नागरिकों का भी जिक्र किया है और बताया है कि ये भारतीय सीमा से भागकर नेपाल पहुंच रहे हैं। नेपाल की संसद की संघीयता सबलीकरण तथा राष्ट्रीय सरोकार समिति की बैठक में बोलते हुए आईजीपी कार्की ने देश की सुरक्षा चुनौतियों पर एक विस्तृत रिपोर्ट पेश की। उन्होंने संसद को बताया है कि देश में शरणार्थियों का गैर-कानूनी प्रवेश और सीमा-पार अपराधों पर कानूनी अधिकार क्षेत्र की कमी सीमावर्ती इलाकों में सुरक्षा के लिए बड़ी चुनौतियां बन गई हैं। सिंह दरबार में संघवाद को मजबूत करने और राष्ट्रीय चिंताओं से जुड़ी समिति की बैठक को संबोधित करते हुए आईजीपी कार्की ने सांसदों को सीमा सुरक्षा बनाए रखने और अपराध को नियंत्रित करने में नेपाल पुलिस के सामने आने वाली मुश्किलों के बारे में जानकारी दी। कार्की के मुताबिक हाल के दिनों में भारत के रास्ते नेपाल में गैर-कानूनी रूप से प्रवेश करने वाले रोहिंग्या, पाकिस्तानी और सोमाली शरणार्थियों की संख्या बढ़ी है। उन्होंने कहा कि ये लोग अक्सर समूह बनाकर नेपाल के विभिन्न हिस्सों में बसने की कोशिश करते हैं। इसके अलावा उन्होंने कहा कि ये ड्रग्स की तस्करी करते हैं जो नेपाल की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा है। उन्होंने कई तस्करों की पहचान करने की बात कही है जिन्हें गिरफ्तार किया गया है। कार्की ने बताया है भारत से नेपाल में प्रवेश करने वाले और विभिन्न स्थानों पर बसने की कोशिश करने वाले रोहिंग्याओं और अन्य विदेशी नागरिकों की पहचान की जा रही है उन्हें हिरासत में लिया जा रहा है और संबंधित अधिकारियों को सौंपा जा रहा है। उनमें से कुछ लोग ड्रग्स की तस्करी जैसी आपराधिक गतिविधियों में शामिल हैं। बैठक के दौरान कार्की ने समिति को यह भी बताया कि कई नेपाली नागरिक अभी भारतीय पुलिस की हिरासत में हैं। उन पर दक्षिणी सीमा के पार खाद खरीदते समय तस्करी का आरोप है।

होर्मुज स्ट्रेट के पास एलपीजी टैंकर पर हमला, 28 भारतीय थे सवार, सभी सुरक्षित

तेहरान,(ए.)। ईरान के जलक्षेत्र में एक एलपीजी टैंकर पर हमला हुआ। जहाज पर सवार सभी 28 भारतीय नाविक सुरक्षित हैं। तेहरान स्थित भारतीय दूतावास ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा है कि वह संबंधित अधिकारियों के संपर्क में है और पूरे मामले पर नजर रख रहे हैं। भारतीय दूतावास ने एक्स पर जारी बयान में बताया कि मोजाम्बिक के झंडे वाले एलपीजी टैंकर दिशा पर हमला हुआ, लेकिन राहत की बात यह है कि सभी भारतीय क्रू मेंबर सुरक्षित हैं।

मीडिया रिपोर्ट में भारतीय समुद्री कर्मचारियों के संगठन फॉरवर्ड सीमेन्स यूनियन ऑफ इंडिया के मुताबिक यह हमला शुक्रवार को होर्मुज स्ट्रेट के पास एक अज्ञात मिसाइल से किया गया। उस समय टैंकर फारस की खाड़ी की ओर बढ़ रहा था। हालांकि, हमले के पीछे किसका हाथ है, इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी तक नहीं हुई है।

ट्रंप ने न्यूक्लियर डील के बदले रखी अब्राहम समझौते की शर्त, सऊदी पर क्यों दबाव बना रहे अमेरिकी राष्ट्रपति?

वाशिंगटन (ए.)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को एक बार फिर कहा कि नागरिक परमाणु समझौते को अंतिम रूप देने के लिए सऊदी अरब को अब्राहम समझौते में शामिल होना होगा। उन्होंने कहा कि यह शर्त पूरी करना जरूरी है। ट्रंप ने कहा कि अब रियाद के पास ईरान जैसी क्षेत्रीय ताकत के दबदबे का खतरा नहीं है, इसलिए अब पीछे हटने की कोई वजह नहीं है।

अब्राहम समझौते क्या हैं?

अब्राहम समझौते साल 2020 में अमेरिका की पहल पर हुए कई कूटनीतिक समझौतों का समूह है। इसके तहत इस्राइल और कई अरब देशों के बीच औपचारिक राजनीतिक, आर्थिक और सुरक्षा संबंध स्थापित हुए थे। इनमें संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), बहरीन, मोरक्को और सूडान शामिल हैं। अमेरिकी परमाणु क्षेत्र में नए विकास पर अपने संबोधन में ट्रंप ने प्रस्तावित ऊर्जा साझेदारी के केंद्र में अब्राहम समझौते को रखा। उन्होंने कहा कि इस्राइल के साथ क्षेत्रीय संबंध सामान्य करने वाले इस समझौते में शामिल होना 'पश्चिम एशिया के भविष्य के लिए बहुत अहम' है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने क्या कहा?

ट्रंप ने कहा, इसे पूरा करने के लिए उन्हें अब्राहम समझौते का सदस्य बनना होगा। अब समय आ गया है कि वे ऐसा करें। उन्होंने कहा, वे और अन्य देश ऐसा नहीं करना चाहते थे क्योंकि उन्हें ईरान से समस्या थी। अब वह समस्या नहीं है। अब वहां कोई बड़ी ताकत नहीं है। वे पश्चिम एशिया के दबंग थे। अब वे इतने बड़े दबंग नहीं रहेंगे। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, किसी न किसी समय वे इसमें शामिल होंगे।

ट्रंप ने एक दिन पहले ट्रुथ सोशल पर कहा था कि ऊर्जा समझौता केवल गैर-सैन्य परमाणु इस्तेमाल तक सीमित रहेगा और सऊदी अरब में घरेलू स्तर पर यूरेनियम संवर्धन की अनुमति नहीं होगी। ट्रंप ने गुरुवार को लिखा था, नागरिक परमाणु समझौते को मंजूरी दी जाएगी। लेकिन यह पूरी तरह से सऊदी अरब के अब्राहम समझौते में शामिल होने पर निर्भर है। अमेरिका नागरिक (बिना संवर्धित) परमाणु सुविधाओं का विरोध नहीं करता।

नागरिक परमाणु समझौते पर किए हस्ताक्षर

ट्रंप की यह स्पष्ट शर्त अमेरिका के ऊर्जा मंत्री क्रिस राइट और सऊदी ऊर्जा मंत्री प्रिंस अब्दुलअजीज बिन सलमान के बीच हुए अहम नागरिक परमाणु ऊर्जा समझौते पर हस्ताक्षर के बाद आई है। इस समझौते को अमेरिका की संसद में समीक्षा के लिए भेजा गया है। इन दोनों मुद्दों को जोड़कर ट्रंप ने नागरिक ऊर्जा साझेदारी को पश्चिम एशिया की कूटनीति में लंबे समय से चले आ रहे विवाद के साथ जोड़ दिया है।

दूसरी ओर, सऊदी अरब लगातार कहता रहा है कि इस्राइल को औपचारिक रूप से मान्यता देने का फैसला एक स्वतंत्र फलस्तीनी राज्य की स्थापना के लिए स्पष्ट और भरोसेमंद रास्ते पर निर्भर करेगा। वाशिंगटन और रियाद के बीच नागरिक परमाणु समझौते को लेकर बातचीत कई अमेरिकी सरकारों के दौरान चलती रही है।

फीचर

गोलू गुप्ता का सफर मेरे करियर का सबसे खास अनुभव : श्वेता त्रिपाठी

मुंबई (ए.)। लोकप्रिय वेब सीरीज मिर्जापुर अब ओटीटी प्लेटफॉर्म की सीमाओं से निकलकर बड़े पर्दे पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराने जा रही है। अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी एक बार फिर अपने बहुचर्चित और सशक्त किरदार गोलू गुप्ता के रूप में दर्शकों के सामने होंगी। अभिनेत्री ने अपने किरदार की यात्रा, इस फ्रेंचाइजी से जुड़े अपने गहरे अनुभव और दर्शकों से मिले अपार प्यार को लेकर कई महत्वपूर्ण बातें साझा कीं। उन्होंने बताया कि गोलू का किरदार समय के साथ कितना बदल गया है और कैसे वह एक सीधी-सादी लड़की से एक मजबूत और जटिल महिला तक का सफर तय कर चुकी है, जो सही और गलत की अपनी शुरुआती समझ से आगे बढ़ते हुए ताकत, दर्द, बदले और महत्वाकांक्षा जैसी कई भावनाओं से गुजरती है। श्वेता त्रिपाठी ने भावुक होते हुए कहा, जब हमने करीब आठ साल पहले मिर्जापुर की शूटिंग शुरू की थी, तब हममें से किसी ने भी यह कल्पना नहीं की थी कि यह सफर इतना लंबा, इतना खास और इतना प्रभावशाली होगा। एक कलाकार के तौर पर आप हमेशा चाहते हैं कि आपका काम लोगों तक पहुंचे और उन्हें पसंद आए, लेकिन बहुत कम ऐसा होता है जब कोई शो सिर्फ मनोरंजन तक सीमित न रहकर लोगों की बातचीत, मीम्स, उत्सव और उनकी रोजमर्रा की भाषा का अभिन्न अंग बन जाए। मिर्जापुर ने यह अविश्वसनीय उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने आगे कहा, इस फ्रेंचाइजी ने इसमें शामिल कलाकारों को ऐसी पहचान दी, जिसकी शायद उन्होंने कभी कल्पना भी नहीं की थी। दर्शकों ने सिर्फ कहानी को पसंद नहीं किया, बल्कि इसके किरदारों से एक गहरा भावनात्मक जुड़ाव महसूस किया। लोग मुझे आज भी मेरे असली नाम से ज्यादा मेरे किरदार के नाम गोलू दीदी से पहचानते हैं, जो किसी भी कलाकार के लिए एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। फिल्म के रूप में मिर्जापुर के विस्तार को लेकर श्वेता ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा, यह सिर्फ एक सीरीज को बड़े पर्दे पर लाने की कोशिश नहीं है, बल्कि यह उन करोड़ों दर्शकों के प्यार और समर्पण का परिणाम है, जिन्होंने कई सालों तक इस कहानी और इन किरदारों को अपना माना। हर सीजन के बाद लोग और कहानी देखना चाहते थे, किरदारों पर गहराई से चर्चा करते थे और अपनी-अपनी थ्योरी बनाते थे। कई मायनों में यह फिल्म जितनी हमारी है, उतनी ही यह हमारे प्यारे दर्शकों की भी है, जिन्होंने इसे इतना प्यार दिया। श्वेता त्रिपाठी ने अपने किरदार गोलू गुप्ता के नाटकीय बदलाव को लेकर भी विस्तार से बात की। उन्होंने कहा, गोलू का सफर बेहद भावनात्मक और चुनौतीपूर्ण रहा है।

अभिषेक ने ऐश्वर्या के लिए निकाला क्वालिटी टाइम, फोटो वायरल, पत्नी के लिए बोले- 'हम अच्छे दोस्त थे मगर...'

अभिषेक बच्चन फिलहाल फिल्म 'किंग' की शूटिंग में व्यस्त हैं। इस बीच वह अपनी पत्नी ऐश्वर्या के साथ न्यूयॉर्क में स्पॉट हुए। एक फैन द्वारा ली गई इस तस्वीर में कपल काफी खुश नजर आ रहा है। यह फोटो जल्द ही इंटरनेट पर वायरल हो गई।

फैन के साथ सेल्फी देते नजर आए

फिल्म 'किंग' की शूटिंग इन दिनों न्यूयॉर्क में चल रही है। इसी सिलसिले में अभिनेता अभिषेक बच्चन भी वहीं हैं। इस बीच अपनी पत्नी ऐश्वर्या के लिए उन्होंने टाइम निकाला और दोनों घूमने निकल पड़े। उसी वक्त एक फैन उनके पास आया और कपल के साथ सेल्फी ली। यही सेल्फी सोशल मीडिया पर वायरल है। इसमें अभिषेक टी-शर्ट और ऐश्वर्या ब्लैक कलर की ड्रेस में नजर आ रही हैं।

2027 में कपल मनाएगा 20वीं सालगिरह

एक्टर अभिषेक बच्चन और एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय की शादी 20 अप्रैल 2007 में हुई थी। डेक्कन क्रॉनिकल को दिए अपने इंटरव्यू में अभिषेक ने अपनी और ऐश्वर्या की पहली मुलाकात के बारे में बात करते हुए कहा था, 'यह बात 2000 की है, जब हम दिवंगत राज कंवर की फिल्म 'ढाई अक्षर प्रेम के' के सेट पर थे। तब हमें जरा भी अंदाजा नहीं था कि आगे क्या होने वाला है। हम अच्छे दोस्त थे। मगर उस समय यह पता नहीं था कि वह मेरी जीवनसाथी बनेंगी।'

शादी के उन्नीस साल सपने की तरह

अभिषेक बच्चन ने अपने और ऐश्वर्या के रिश्ते के बारे में आगे कहा, 'आज ऐश न सिर्फ मेरी बेटी की मां हैं, बल्कि आराध्या को अच्छे संस्कार देने के लिए उन्हें पूरा श्रेय जाता है, और मेरी जीवनसाथी भी हैं। हमारी शादी के उन्नीस साल एक सपने जैसे रहे हैं। हमारी बीसवीं सालगिरह के लिए मेरे पास बड़ी योजनाएं हैं, लेकिन मैं अभी आपको उनके बारे में नहीं बताऊंगा।'

नितेश तिवारी की 'सीता' से खुश नहीं दीपिका चिखलिया? जानें साई पल्लवी को लेकर क्या बोलीं अभिनेत्री

रामानंद सागर की 'रामायण' 80 और 90 के दशक के टीवी के सबसे लोकप्रिय सीरियल में से एक था। इस शो ने प्रभु श्रीराम का किरदार निभाने वाले अभिनेता अरुण गोविल और माता सीता का किरदार निभाने वालीं अभिनेत्री दीपिका चिखलिया को घर-घर तक पहुंचा दिया था।

आज भी जब राम और सीत का जिक्र होता है तो लोगों के मन में इन दोनों कलाकारों की छवि ही उभरती है। अब हाल ही में दीपिका ने नितेश तिवारी की अपकमिंग फिल्म 'रामायण' में सीता के किरदार की कास्टिंग को लेकर सवाल उठाए।

दीपिका ने कहा- कैसी दिखेंगी? कोई अंदाजा नहीं

अभिनेत्री दीपिका चिखलिया से वैरायटी को दिए इंटरव्यू में फिल्म 'रामायण' में साउथ अभिनेत्री साई पल्लवी को कास्ट किए जाने पर बात की। जब उनसे पूछा गया कि क्या वो साई की कास्टिंग से संतुष्ट हैं? तो उन्होंने कहा, 'मैंने उनका काम देखा है। वो कमाल की अभिनेत्री है पर मैं नहीं जानती कि वो सीता जैसी कैसे दिखेंगी। मुझे इस बारे में कोई अंदाजा नहीं।'

जो भी कास्ट हुए सभी अच्छे अभिनेता हैं

आगे दीपिका ने कहा, 'तुलसीदास की रामायण में सीता का वर्णन बादामी आंखों, एक निश्चित कद-काठी, घने बालों और सुगठित त्वचा वाली महिला के रूप में किया गया था। रामानंद सागर ऐसी ही स्त्री की तलाश में थे और उन्हें मुझमें वो सब नजर आया। मैं जानती हूं कि 'रामायण' फिल्म के मेकर्स ने जिनको भी कास्ट किया, वे सभी अच्छे अभिनेता हैं। अगर वो इस भूमिका के लिए उपयुक्त हैं तो बात ही अलग है।'

पौराणिक किरदारों से जुड़े होते हैं दर्शक

दीपिका ने अपनी बात को समझाते हुए कहा, 'दर्शक जब भी भारतीय पौराणिक किरदार को पर्दे पर देखते हैं, तो वह उस किरदार से भावनात्मक रुप से जुड़ जाते हैं। वह वैसी ही छवि वह आगे भी देखना चाहते हैं। किसी भी निर्देशक को ऐसी किसी भी पौराणिक कहानी की कास्टिंग करते हुए इस बात का विशेष ध्यान रखना चाहिए कि उस अभिनेत्री का स्वभाव और बनावट दर्शकों की छवि के अनुरूप हो। हालांकि यह एक्ट्रेस के लिए भी एक बड़ी चुनौती है।'

मदहोश रिलीज होते ही मचा रहा सोशल मीडिया पर धमाल

मुंबई (ए.)। हाल ही में बहुप्रतीक्षित फिल्म टॉक्सिक ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स का दूसरा गाना मदहोश रिलीज हुआ। यह गाना रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर धमाल मचा रहा है। यश और तारा सुतारिया की गाने में फ्रेश ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री ने दर्शकों को पूरी तरह से मदहोश कर दिया है। जहां फिल्म का पहला गाना तबाही एक गहरा और इंटेंस इमोशनल रिश्ता दिखाता था, वहीं मदहोश दर्शकों को टॉक्सिक की दुनिया की एक बिल्कुल अलग, रोमांटिक और भव्य झलक पेश करता है। इस गाने में यश के किरदार के कई नए रंग सामने आए हैं, जिसने फिल्म को लेकर फैंस की उत्सुकता को और भी बढ़ा दिया है। गाना रिलीज होने के बाद से ही सोशल मीडिया तारीफों और सकारात्मक प्रतिक्रियाओं से भर गया है। फैंस को खास तौर पर यश के सूक्ष्म हावभाव (सटल एक्सप्रेशंस), तारा सुतारिया के साथ उनकी सहज केमिस्ट्री और फिल्म का जबरदस्त सिनेमैटिक

स्केल बेहद पसंद आ रहा है। कई सोशल मीडिया यूजर्स ने अपनी एक्साइटमेंट कुछ इस तरह जाहिर की है- प्रोडक्शन डिजाइन से लेकर कैमरा वर्क तक, सब कुछ टॉप क्लास है। पहले ‌तबाही और अब ‌मदहोश ने साबित कर दिया है कि ‌टॉक्सिक बड़े पर्दे के लिए बनी है। फिल्म का मूड और माहौल एक अलग ही लेवल का है। एक अन्य फैन ने लिखा, यश और तारा सुतारिया की ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री बिल्कुल इलेक्ट्रिक है! टॉक्सिक बॉक्स ऑफिस के सारे रिकॉर्ड तोड़ने वाली है। प्रशंसकों ने यश और तारा के स्टाइल और स्क्रीन प्रेजेंस की भी जमकर तारीफ की है।

छात्र हमारे दुश्मन नहीं, भारत का भविष्य हैं : रहमान

मुंबई (ए.)। दिल्ली में चल रहे छात्रों के आंदोलन को लेकर तमिल और मलयालम सिनेमा के लोकप्रिय अभिनेता रहमान ने छात्रों का खुलकर समर्थन किया है। अभिनेता ने अपनी बात रखते हुए कहा कि छात्र देश के दुश्मन नहीं हैं, बल्कि भारत का उज्ज्वल भविष्य हैं, और उनकी चिंताओं को सरकार को गंभीरता से सुनना चाहिए। रहमान ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक भावुक पोस्ट साझा करते हुए अपनी पीड़ा व्यक्त की। उन्होंने लिखा, जब जंतर-मंतर पर प्रदर्शन शुरू हुआ था, तब मुझे पूरा भरोसा था कि सरकार आगे आएगी, छात्रों की बात सुनेगी और उनकी जायज चिंताओं का समाधान निकालेगी।

आयरलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए अफगानी टीम घोषित, मोहम्मद नबी को नहीं मिली जगह

नईदिल्ली (आरएनएस)। रहमत शाह 5 अगस्त से आयरलैंड क्रिकेट टीम के खिलाफ शुरू होने वाली 5 मैचों की सीरीज में पहली बार अफगानिस्तान की वनडे टीम की कप्तानी करेंगे। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड

(एसीबी) ने इस सीरीज के लिए टीम घोषित की है, जिसमें अनुभवी ऑलराउंडर मोहम्मद नबी को नहीं चुना गया है। दूसरी तरफ फजलहक फारुखी अपनी जगह बनाने में सफल हुए हैं। आइए अफगानिस्तान की टीम पर एक नजर डालते हैं।

फारुखी के साथ-साथ यामीन अहमदजई को 15 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है। हालांकि, चोट के कारण मुजीब उर रहमान टीम का हिस्सा नहीं बन पाए हैं।जून में भारत से मिली 3-0 की हार के बाद, यह सीरीज अफगानिस्तान के लिए एक नई शुरुआत होगी।एसीबी ने फरीद मलिक और बिलाल सामी को भी नहीं चुना है। ये दोनों खिलाड़ी भारत के खिलाफ हुई पिछली सीरीज में टीम का हिस्सा थे।इस सीरीज में हशमतुल्लाह शाहिदी कप्तान का पद छोड़ने के बाद एक नियमित खिलाड़ी के तौर पर वापसी करेंगे। इस सीरीज में रहमत की कप्तानी की परीक्षा रहने वाली है। वह 2021 से अफगानिस्तान के टेस्ट और वनडे टीम के उप-कप्तान रहे हैं।टीम में रहमानुल्लाह गुरबाज उप-कप्तान की भूमिका में नजर आएंगे।वहीं इब्राहिम जादरान और सेदिकुल्लाह अटल जैसे खिलाड़ियों से अफगान टीम मजबूत नजर आ रही है।

बेन स्टोक्स ने वनडे कप में बनाया लगातार दूसरा 50+ स्कोर, जानिए उनके आंकड़े

नईदिल्ली(आरएनएस)। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान बेन स्टोक्स अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद अब वनडे कप में खेल रहे हैं। उन्होंने शुक्रवार को खेले गए दूसरे मुकाबले में शानदार 73* रनों की पारी खेलकर डरहम टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। यह उनका इस टूर्नामेंट में लगातार दूसरा 50+ स्कोर रहा। शतक लगाने वाले एलेक्स लीज ने डरहम की पारी की शुरुआत की और पहले बल्लेबाजी करते हुए टीम को 352 रनों का स्कोर बनाने में मदद की।पारी की शुरुआत करते हुए लीज के 132 रनों ने डरहम को शानदार शुरुआत दिलाई। ग्राहम क्लार्क (63) और एमिलियो गे (44) ने भी अच्छी बल्लेबाजी की।

इसके बाद बल्लेबाजी पर स्टोक्स ने आखिरी ओवरों में ससेक्स के गेंदबाजों को जमकर परेशान किया।

ऑस्ट्रेलिया सीरीज से पहले बांग्लादेश को लगा बड़ा झटका, स्टार तेज गेंदबाज हुआ दौरे से बाहर

बांग्लादेश (आरएनएस)। ऑस्ट्रेलिया दौरे से ठीक पहले बांग्लादेश की टेस्ट टीम को बड़ा झटका लगा है। टीम के अनुभवी स्टार तेज गेंदबाज नाहिद राणा चोट के कारण दो मैचों की इस टेस्ट सीरीज से बाहर हो गए हैं। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (BCB) के एक अधिकारी ने इसकी पुष्टि की है। नाहिद राणा बांग्लादेश के इन फॉर्म तेज गेंदबाज हैं और हाल के दिनों में उन्होंने काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। उनके बाहर होने से टीम को एक बड़ा झटका लगा है। बता दें कि ऑस्ट्रेलिया ने पहले ही इस सीरीज के लिए स्क्वॉड का ऐलान कर दिया है।

नाहिद राणा जिम्बाब्वे सीरीज के दौरान हुए थे चोटिल

हाल ही में जिम्बाब्वे के खिलाफ खेले गए टी20 मैच के दौरान नाहिद राणा की मांसपेशियों में खिंचाव आ गया था। मेडिकल स्कैन के बाद डॉक्टरों ने बताया है कि उन्हें ठीक होने में लगभग 6 से 8 हफ्ते का समय लगेगा, जिसके कारण वे ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज नहीं खेल पाएंगे। बता दें कि टीम के दो और मुख्य खिलाड़ी लिटन दास और तेज गेंदबाज शोरिफुल इस्लाम चोट की वजह से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहला टेस्ट मैच नहीं खेल पाएंगे।

लिटन दास और शोरिफुल इस्लाम भी हो सकते हैं पहले मैच से बाहर

लिटन दास अपनी चोट का इलाज कराने सिंगापुर गए थे, जहां उनका स्पेशल ट्रीटमेंट हुआ है। वे 28 जुलाई से हल्की रनिंग और ट्रेनिंग शुरू करेंगे और 13 अगस्त के करीब उनका फिटनेस टेस्ट होगा। अगर सब ठीक रहा तो वे दूसरे टेस्ट मैच में वापसी कर सकते हैं। वहीं, शोरिफुल इस्लाम को जिम्बाब्वे दौरे पर हैमस्ट्रिंग में खिंचाव आ गया था। वे 29 जुलाई से फिर से नेट्स में हल्की गेंदबाजी की शुरुआत करेंगे और 12 अगस्त को फिटनेस टेस्ट पास करने के बाद दूसरे टेस्ट मैच के लिए उपलब्ध हो सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश के बीच यह दो मैचों की टेस्ट सीरीज आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (W T C) के तहत खेली जाएगी। इसका पहला मुकाबला 13 से 17 अगस्त के बीच डार्विन में होगा, जबकि दूसरा और आखिरी टेस्ट मैच 22 से 26 अगस्त तक मैके में खेला जाएगा। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 के पॉइंट्स टेबल में ऑस्ट्रेलिया इस वक्त पहले नंबर पर है। वहीं बांग्लादेश की टीम चौथे पायदान पर मौजूद है।

वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले पाकिस्तान को झटका, चोटिल अब्दुल्ला फजल हुए बाहर

नईदिल्ली, (आरएनएस)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम को वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम के खिलाफ शनिवार से शुरू होने वाले पहले टेस्ट मैच से पहले बड़ा झटका लगा है। टीम के उभरते सितारे अब्दुल्ला फजल कमर में चोट के कारण वेस्टइंडीज और इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज से बाहर हो गए हैं। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने इसकी पुष्टी की है। फजल को यह चोट गुरुवार को तारौबा स्थित ब्रायन लारा क्रिकेट अकादमी में प्रशिक्षण सत्र के दौरान लगी थी।23 वर्षीय फजल हाल के महीनों में पाकिस्तान के सबसे होनहार प्रतिभाओं में से एक रहे हैं।उन्होंने मई में बांग्लादेश के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय डेब्यू किया और अपने पहले टेस्ट मैच में टीम के शीर्ष स्कोरर रहे, उन्होंने दोनों पारियों में अर्धशतक जड़े थे।हाल ही में वेस्टइंडीज दौरे पर खेले गए अभ्यास मैच में उन्होंने 50 और 48 की पारियां खेली थी। ऐसे में उनका पहले टेस्ट के लिए शुरुआती प्लेइंग इलेवन में होना तय हो गया था।

सब्जी बेची, ई-रिक्शा चलाया और अब कॉमनवेल्थ गेम्स में रच दिया इतिहास, झंडू कुमार ने भारत को दिलाया पहला मेडल

ग्लासगो (ए.)। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में मेडल की रेस में भारत का खाता आधिकारिक तौर पर खुल गया है। ग्लासगो में चल रहे इन खेलों में भारत के पैरा-एथलीट झंडू कुमार ने सनसनीखेज प्रदर्शन करते हुए देश की झोली में पहला मेडल डाल दिया है। पावरलिफ्टिंग के हेवीवेट कैटेगरी में 28 वर्षीय भारतीय लिफ्टर झंडू कुमार ने 130.9 पॉइंट्स के साथ तीसरा स्थान हासिल कर ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। बिहार के रहने वाले झंडू का यह सफर हर किसी के लिए एक बड़ी प्रेरणा है, क्योंकि 5 साल की उम्र में पोलियो के कारण दिव्यांग होने के बावजूद उन्होंने वैश्विक मंच पर देश के लिए मेडल जीतकर इतिहास रच दिया है।

गोल्ड से चूके, लेकिन देश को दिलाया पहला पदक

पावरलिफ्टिंग के हेवीवेट इवेंट में नेशनल रिकॉर्ड होल्डर झंडू कुमार ने शानदार शुरुआत की। ग्रुप-B में खेलते हुए उन्होंने अपने पहले प्रयास में 181 किलोग्राम वजन उठाकर 124.7 पॉइंट्स बटोरे। इसके बाद दूसरे प्रयास में अपना बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए उन्होंने 190 किलोग्राम वजन भी आसानी से उठा लिया, जिससे उनका स्कोर 130.9 पॉइंट्स तक पहुंच गया। हालांकि, तीसरे प्रयास में वह 196 किलो उठाने से चूक गए, लेकिन लंबे समय तक शीर्ष स्थान पर बने रहे। बाद में ग्रुप- A में नाइजीरिया के रिलुवान इदरीस ने 208 किलोग्राम वजन उठाकर (132.8 पॉइंट्स) गोल्ड जीता, जबकि इंग्लैंड के मैथ्यू हार्डिंग ने 199 किलोग्राम (131 पॉइंट्स) के साथ सिल्वर मेडल अपने नाम किया। अगर झंडू अपने आखिरी प्रयास में सफल हो जाते, तो वह आसानी से सिल्वर या गोल्ड मेडल जीत सकते थे।

5 साल की उम्र में पोलियो और गरीबी की दोहरी मार

झंडू कुमार का यहां तक पहुंचने का सफर भारी संघर्षों से भरा रहा है। बिहार के हरनौट के रहने वाले झंडू जब मात्र 5 साल के थे, तभी उन्हें पोलियो हो गया और उनके दोनों पैर खराब हो गए। शारीरिक अक्षमता के साथ-साथ उन पर गरीबी की गहरी मार भी पड़ी। परिवार का पेट भरने और घर चलाने के लिए उन्हें सब्जी बेचने तक का सहारा लेना पड़ा। जब हालात फिर भी नहीं सुधरे, तो उन्होंने अपनी कमाई बढ़ाने के लिए ई-रिक्शा चलाना शुरू किया। इस कठिन दिनचर्या के बीच भी उन्होंने अपनी शारीरिक मेहनत और कसरत करना कभी नहीं छोड़ा।

जूडो खिलाड़ी तुलिका मान को राष्ट्रमंडल खेल 2026 से हटाया गया, पिछली बार जीता था रजत

नईदिल्ली (आरएनएस)। भारत की जूडो खिलाड़ी तुलिका मान को ग्लासगो में चल रहे राष्ट्रमंडल खेल 2026 से बाहर कर दिया गया है। दरअसल, एंटी-डोपिंग एजेंसी (नाडा) ने पिछले 12 महीनों में 3 बार अपनी लोकेशन की जानकारी न दे पाने (वेयरअबाउट्स फेलियर) के कारण उन्हें अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया है। इन खेलों में भारतीय जूडो टीम के लिए यह दूसरा झटका है, क्योंकि इससे पहले अरुण कुमार को भी नाडा ने निलंबित किया था।

जूडो फेडरेशन ऑफ इंडिया के जनरल सेक्रेटरी बानी ब्रता दास ने इसे बड़ा झटका करार दिया है।

उन्होंने इस बारे में कहा, मुझे नहीं पता कि उसने ऐसा क्यों किया। उसे कई बार स्पोर्ट्स किट लेने के लिए भी बुलाया गया, लेकिन वह कभी नहीं गई और उसने कभी अपनी लोकेशन की जानकारी भी नहीं दी। यह हमारे लिए बहुत बड़ा झटका है।

दूसरे टी20 में टीम इंडिया को मिली बड़ी जीत, जिम्बाब्वे को 90 रनों से हराया

हरारे (आरएनएस)। भारत और जिम्बाब्वे के बीच दूसरा टी-20 मुकाबला आज जिम्बाब्वे के हरारे स्पोर्ट्स क्लब में खेला गया, जिसे टीम इंडिया ने 90 रनों से अपने नाम किया। इस मैच में जिम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर रजा ने टॉस जीता और उन्होंने पहले गेंदबाजी का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने 20 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 219 रन बनाए। जवाब में जिम्बाब्वे की टीम 129 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। इस जीत के साथ सीरीज में टीम इंडिया 2-0 से आगे हो गई है। टीम इंडिया ने इस मैच के लिए अपनी टीम में एक बदलाव किया। यश ठाकुर को डेब्यू करने का मौका मिला। उन्हें अशोक शर्मा की जगह टीम में शामिल किया गया था।टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरी टीम इंडिया की शुरुआत अच्छी नहीं रही। टीम का पहला विकेट 10 के स्कोर पर गिरा। जब अभिषेक शर्मा 8 रन बनाकर आउट हुए। उसके बाद वैभव सूर्यवंशी भी इस मैच में बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहा। इस मुकाबले में वह 9 बॉल पर 20 रन बनाकर आउट हुए। ईशान किशन इस मैच में टीम इंडिया के लिए टॉप रन स्कोरर रहे। वह 44 बॉल पर 81 रन बनाकर आउट हुए। अपनी इस पारी में उन्होंने 9 चौके और दो छक्के लगाए। उनके अलावा तिलक वर्मा ने 29 बॉल पर 60 रन की नाबाद पारी खेली। अपनी इस पारी में उन्होंने 5 चौके और 3 छक्के लगाए।

220 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी जिम्बाब्वे की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही। टीम शुरुआत से ही लगातार अंतराल पर विकेट गंवाती चली गई। जिम्बाब्वे के लिए ब्रायन बेनेट इस मैच में टॉप रन स्कोरर रहे। उन्होंने 19 बॉल पर 3 चौके और 3 छक्के की मदद से 32 रन बनाए। वहीं रेयान बर्ल ने 20 रन की पारी खेली।

छत्तीसगढ़ समाचार

रास्ते से हटने को कहा तो ऑटो चालक पर किया चाकू से जानलेवा हमला, सीसीटीवी में कैद वारदात

कोरबा(आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के कोरबा शहर में अपराधियों के हौसले पस्त होने का नाम नहीं ले रहे हैं। सीएसईबी चैकी क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले बुधवारी बाजार (आर. शिशु मंदिर स्कूल के पास) में देर रात एक मामूली सी बात ने खूनी मोड़ ले लिया। सड़क से हटने की बात पर भड़के कुछ युवकों ने एक ऑटो चालक वेद बरेठ पर चाकुओं से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। यह पूरी खूनी वारदात पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है।

जानकारी के मुताबिक, देर रात कुछ युवक सड़क किनारे बैठे हुए थे। तभी वहां से गुजर रहे ऑटो चालक वेद बरेठ ने उनसे रास्ता खाली करने और साइड होने को कहा। इसी बात को लेकर बहस शुरू हो गई, जो देखते ही देखते काफी हिंसक हो गई। युवकों ने तैश में आकर ऑटो चालक पर चाकुओं से जानलेवा हमला कर दिया। गंभीर चोटें आने के कारण चालक खून से लथपथ होकर वहीं सड़क पर गिर पड़ा। वारदात के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय निवासियों की मदद से घायल चालक को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहाँ उसकी हालत पर नजर रखी जा रही है।सूचना मिलते ही सीएसईबी चैकी पुलिस की टीम मौके पर पहुँची और जांच शुरू की।

'' एक पेड़ माँ के नाम '' अभियान अंतर्गत कोहड़िया वार्ड मुख्य मार्ग में किया गया वृक्षारोपण

कोरबा (आरएनएस)। '' एक पेड़ माँ के नाम '' अभियान अंतर्गत नगर पालिक निगम कोरबा के कोहड़िया वार्ड अंतर्गत मुख्य मार्ग पर सघन वृक्षारोपण किया गया। आयुक्त आशुतोष पाण्डेय, वार्ड पार्षद नरेन्द्र देवांगन के साथ ही पार्षदों, जनप्रतिनिधियों, अधिकारी कर्मचारियों व आमनागरिकों ने मुख्य मार्ग पर पौधों का रोपण किया तथा पर्यावरण संरक्षण व हरित कोरबा के संकल्प को पूरा करने के लिये अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। यहाँ उल्लेखनीय है कि कलेक्टर कुणाल दुदावत के मार्गदर्शन एवं आयुक्त आशुतोष पाण्डेय के दिशा निर्देशन में जिला प्रशासन व नगर पालिक निगम कोरबा के द्वारा पर्यावरण संक्षरण एवं हरित कोरबा के संकल्प को साकार के करने के उद्देश्य से '' एक पेड़ माँ के नाम '' अभियान अंतर्गत सघन वृक्षारोपण का कार्य किया जा रहा है। इसकी शुरूआत 18 जुलाई को घंटाघर ओपन थियेटर मैदान में '' रन फार ग्रीन '' का वृहद आयोजन कर की गई थी। अभियान के अंतर्गत सघन वृक्षारोपण का कार्य 18 जुलाई से लगातार आगामी 60 दिनों तक किया जायेगा।

शिवनाथ नदी के तेज बहाव में बहे दो बच्चे, एक का शव बरामद

दुर्ग, (आरएनएस)। पुलगांव थाना क्षेत्र के छातागढ़ स्थित शिवनाथ नदी में एक बार फिर दर्दनाक हादसा सामने आया है। जन्मदिन मनाने पहुंचे दुर्ग के उरला निवासी 7-8 दोस्तों में से दो बच्चे नदी में नहाने के

दौरान तेज बहाव की चपेट में आकर बह गए। हादसे के बाद एसडीआरएफ की टीम ने तलाश शुरू की, जिसमें एक बच्चे का शव बरामद कर लिया गया है, जबकि दूसरे की तलाश जारी है।

जानकारी के मुताबिक, उरला निवासी कुछ दोस्त जन्मदिन सेलिब्रेट करने के लिए छातागढ़ पहुंचे थे। बर्थडे सेलिब्रेशन के बाद शाम करीब 4 बजे दो बच्चे नदी में नहाने के लिए उतरे। इसी दौरान वे शिवनाथ नदी के तेज बहाव में बहने लगे। किनारे मौजूद एक अन्य दोस्त ने उन्हें बचाने की कोशिश की, लेकिन पानी के तेज बहाव के कारण वह सफल नहीं हो सका। हादसे के बाद डरे-सहमे बच्चों ने काफी देर तक अपने स्तर पर दोनों की तलाश की। जब उन्हें सफलता नहीं मिली तो करीब तीन से साढ़े तीन घंटे बाद परिजनों को घटना की जानकारी दी गई। सूचना मिलते ही परिजन और पुलिस मौके पर पहुंचे और बच्चों की तलाश शुरू की, लेकिन अंधेरा होने और पर्याप्त संसाधन उपलब्ध नहीं होने के कारण तत्काल सफलता नहीं मिल सकी। बाद में एसडीआरएफ की टीम ने सर्च ऑपरेशन चलाकर एक बच्चे का शव बरामद कर लिया। मृतक की पहचान उरला निवासी रेहान के रूप में बताई जा रही है।

यूसीसी लेकर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का बड़ा बयान, बोले- शीतकालीन सत्र में पारित किया जाएगा

रायपुर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने समान नागरिक संहिता यूसीसी को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट की पूर्व न्यायाधीश जस्टिस रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता में गठित कमेटी की बैठक के बाद आगामी शीतकालीन सत्र में समान नागरिक संहिता को पारित किया जाएगा।मुख्यमंत्री साय ने कर्नाटक रवाना होने से पहले मीडिया से चर्चा के दौरान कांग्रेस के प्रदर्शन को लेकर भी तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस कार्यकर्ता अब कश्मीर की तरह पत्थरबाजी पर उतर आए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र में सभी को प्रदर्शन करने का अधिकार है, लेकिन कानून को हाथ में लेने की अनुमति किसी को नहीं दी जा सकती। कानून तोड़ने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।अपने कर्नाटक दौरे को लेकर मुख्यमंत्री ने बताया कि वे कर्नाटक के सत्य साईं ग्राम में आयोजित स्वर्ण जयंती समारोह में शामिल होने जा रहे हैं। इस दौरान वे वहां मौजूद प्रबुद्धजनों से भी मुलाकात करेंगे।

राज्यपाल डेका से निजी विश्वविद्यालयों के पदाधिकारियों ने की भेंट

रायपुर, (आरएनएस)। राज्यपाल रमेन डेका से आज यहां लोकभवन में राज्य के निजी विश्वविद्यालयों के पदाधिकारियों ने सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर उन्होंने छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय स्थापना एवं संचालन (संशोधन) विधेयक, 2026 के तहत नए निजी विश्वविद्यालयों की स्थापना से संबंधित प्रावधानों पर राज्यपाल से विचार-विमर्श किया। डेका ने राज्य में गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा के विस्तार के सबंद्ध में अपने विचार साझा किए।

इस अवसर पर मैट्स विश्वविद्यालय रायपुर के कुलाधिपति गजराज पगारिया, शंकराचार्य प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, भिलाई दुर्ग के कुलाधिपति आईपी मिश्रा, भारती विश्वविद्यालय दुर्ग के कुलाधिपति सुशील चंद्राकर, कलिंगा विश्वविद्यालय रायपुर के कुलाधिपति डॉ. संदीप अरोड़ा, आईएसबीएम विश्वविद्यालय, गरियाबंद और रायपुर के कुलपति डॉ. आनंद महलवार, अंजनेय विश्वविद्यालय रायपुर के कुलाधिपति अभिषेक अग्रवाल, दावड़ा विश्वविद्यालय रायपुर के सीईओ चिन्मय दावड़ा, कोलंबिया विश्वविद्यालय रायपुर के प्रो. कुलाधिपति हरजीत सिंह हूरा उपस्थित थे।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव के अनुमोदन से प्राविधिक स्वीकृति आदेश जारी, 8 कार्यो के लिए 47.19 लाख मंजूर

रायपुर, (आरएनएस)। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने दंतेवाड़ा जिले के गीदम नगर पंचायत में 8 कार्यों के लिए 47 लाख 19 हजार रुपए स्वीकृत किए हैं। इनमें आरसीसी नाली निर्माण के 5 तथा सीसी सड़क, सामुदायिक शौचालय की मरम्मत और चबूतरा निर्माण के एक-एक कार्य शामिल हैं। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव के अनुमोदन के बाद विभाग ने संचालनालय से इनकी प्राविधिक मंजूरी के आदेश जारी कर दिए हैं। नगरीय प्रशासन एवं विकास विकास ने गीदम नगर पंचायत में 5 आरसीसी सड़कों के लिए कुल 34 लाख 56 हजार रुपए मंजूर किए हैं। वहीं सीसी सड़क के निर्माण के लिए 5 लाख 11 हजार रुपए, सामुदायिक शौचालय की मरम्मत के लिए 4 लाख 75 हजार रुपए तथा शौचालय के पास चबूतरा निर्माण के लिए 2 लाख 77 हजार रुपए स्वीकृत किए गए हैं।

प्रदेश के इन जिलों में अगले 2 दिनों तक होगी भारी बारिश, मौसम विभाग ने जारी किया अलर्ट

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के कई जिलों में भारी बारिश के जन-जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। प्रदेश के कई ऐसे इलाके हैं जहां लगातार हुई

बारिश के चलते लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं मौसम विभाग ने बारिश को लेकर एक बार से चेतावनी जारी की है। मौसम विभाग के अनुसार, छत्तीसगढ़ में भारी बारिश का सिलसिला फ़िलहाल जारी रहेगा। शहर और स्थानीय मार्गदर्शिका मौसम विभाग ने जारी किया बारिश का अलर्टमौसम विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, प्रदेश में अगले दो दिनों तक मानसून एक्टिव रहेगा और बारिश के हालात बने रहेंगे। मौसम विभाग ने राजधानी रायपुर में आज आसमान में बादल छाए रहने और बारिश होने का अनुमान जताया है। वहीं मौसम विभाग ने मध्य और उत्तर छत्तीसगढ़ के कुछ हिस्सों में मध्यम से भारी बारिश होने के अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश में इस बार औसत से 18 प्रतिशत कम बारिश हुई है। मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश के कई जिलों में मध्यम तो कुछ इलाकों में भारी बारिश की संभावना है। मानसून के कई सिस्टम एक्टिव हैं जिस कारण से राज्य में झमाझम बारिश हुई है। मौसम विभाग ने बताया कि अगले पांच दिनों तक राज्य में बारिश का दौर जारी रहेगा। बारिश का असर, मध्य और उत्तर में देखने को मिलेगा।

(रायपुर) रायपुर नगर निगम स्वास्थ्य विभाग ने लाखेनगर चौक क्षेत्र के पास एक ट्रेडर्स दुकान में प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक मिलने पर 2000 रूपये का ई चालान किया।

किसानों की समस्याओं को लेकर किसान कांग्रेस ने निकाली पदयात्रा, मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

किसानों समस्याओं का शीघ्र हो निराकरण-जगदीश चौहान

सीहोर (निप्र)। जिले के किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर किसान कांग्रेस ने जिला अध्यक्ष जगदीश चौहान के नेतृत्व में जिला कांग्रेस कार्यालय से कलेक्ट्रेट तक पदयात्रा निकालकर मुख्यमंत्री के नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। इस दौरान बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी एवं किसान मौजूद रहे।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजीव गुजराती ने ज्ञापन का वाचन करते हुए कहा कि मध्य प्रदेश का किसान गंभीर समस्याओं से जूझ रहा है और सीहोर जिले के किसान भी इससे अछूते नहीं हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि किसानों द्वारा खून-पसीने की मेहनत से तैयार की गई मूंग की फसल की सरकारी खरीद केवल सीमित मात्रा में की जा रही है। उन्होंने मांग की कि पूर्व की व्यवस्था की तरह किसानों की मूंग का 100 प्रतिशत उत्पादन न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीदा जाए। ज्ञापन में किसानों को खाद वितरण के लिए लागू ई-टोकन प्रणाली को समाप्त कर आवश्यकता के अनुसार पारदर्शी व्यवस्था से खाद उपलब्ध कराने की मांग की गई। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि वर्तमान व्यवस्था के कारण किसानों को समय पर खाद नहीं मिल पा रही है।इसके अलावा किसानों ने जिले में बिक रही कीटनाशक, खरपतवारनाशक एवं टॉनिक दवाइयों की गुणवत्ता की जांच कराने की मांग की। उनका कहना है कि महंगे दामों पर खरीदी गई कई दवाइयों के उपयोग से फसलों को नुकसान होने की शिकायतें मिल रही हैं। साथ ही शासकीय सहकारी समितियों के माध्यम से किसानों को अनावश्यक दवाइयां एवं पाउडर जबरन दिए जाने की शिकायत करते हुए इस व्यवस्था को तत्काल बंद करने की मांग भी की गई। ज्ञापन में किसानों के लिए पर्याप्त विद्युत व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा स्मार्ट मीटरों के माध्यम से किसानों और आमजन पर पड़ रहे अतिरिक्त आर्थिक बोझ को समाप्त करने की मांग भी प्रमुखता से उठाई गई। किसान कांग्रेस ने सरकार से सभी मांगों पर गंभीरता से विचार कर शीघ्र समाधान करने का आग्रह किया।इस अवसर पर किसान कांग्रेस जिला अध्यक्ष जगदीश चौहान, जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजीव गुजराती, राजाराम बड़े भाई, राजेन्द्र वर्मा, ओम वर्मा, कमल सिंह पहलवान, संतोष गौर, पवन राठौर, विवेक राठौर, निशांत वर्मा, लक्ष्मण सिंह सहित किसान कांग्रेस के विभिन्न ब्लॉक अध्यक्ष, पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

शहर के प्राचीन सिद्धपीठ श्री नृसिंह मंदिर पर मनाया गया देवशयनी एकादशी का पर्व

श्रद्धालुओं ने किया भगवान विष्णु और शिव का विशेष अभिषेक

सीहोर(निप्र)। हर साल की तरह शहर के प्राचीन कोलीपुरा स्थित प्राचीन सिद्धपीठ श्री नृसिंह मंदिर में आस्था और उत्साह के साथ मनाया गया। इस मौके पर संत-महंत, साधुओं के साथ भगवान विष्णु और भगवान शिव का विशेष अभिषेक किया। वहीं श्रद्धालुओं ने भजन-कीर्तन का आयोजन किया।दिव्य अनुष्ठान के पहले शहर के बढ़ियाखेड़ी स्थित बड़े मंदिर के महंत हरिहर दास दास, राधेश्याम मंदिर के अधिकारी बिन्दुदास महाराज का सम्मान नृसिंह मंदिर के संत माधवदास महाराज, संस्कार मंच के प्रभारी मनोज दीक्षित मामा, सतुआ बाबा, सनातन सेना के प्रदेश सचिव पवन केवट, आयुष गुप्ता सहित अन्य ने किया। इस मौके पर महंत ने बताया कि देवशयनी एकादशी है और इस दिन से ही भगवान विष्णु चार महीने की योग निद्रा में क्षीर सागर में विश्राम के लिए चले जाते हैं। देवशयनी एकादशी के साथ ही चातुर्मास शुरू हो जाता है। चातुर्मास के शुरू होने के साथ ही सभी तरह के शुभ और मांगलिक कार्य वर्जित हो जाते हैं। चातुर्मास के शुरू होने के साथ ही कई तरह के नियमों का पालन करना होता है।

चार महीने तक शुभ और मांगलिक कार्य के लिए मुहूर्त नहीं

उन्होंने बताया कि देवशयनी एकादशी के साथ ही चातुर्मास शुरू होता है और सभी तरह के शुभ कार्य चार महीनों के लिए थम जाते हैं। धार्मिक मान्यता है कि इस दिन से भगवान विष्णु चार माह के लिए योगनिद्रा में चले जाते हैं। इसी कारण इस अवधि में विवाह, गृह प्रवेश, मुंडन, उपनयन और अन्य मांगलिक संस्कारों के लिए शुभ मुहूर्त नहीं माने जाते। मान्यता है कि भगवान विष्णु की कृपा और साक्षी के बिना संपन्न किए गए शुभ कार्य पूर्ण फल नहीं दे पाते, इसलिए चातुर्मास के दौरान ऐसे आयोजनों से परहेज किया जाता है। जहां शुभ और मांगलिक कार्य वर्जित होते हैं तो वहीं चातुर्मास को साधना, भक्ति और आत्मिक उन्नति का श्रेष्ठ समय माना गया है। इस दौरान भगवान की पूजा-आराधना, जप-तप, भजन-कीर्तन, सत्संग, कथा श्रवण, भागवत पाठ और धार्मिक अनुष्ठानों का विशेष महत्व बताया गया है।

सफलतापूर्वक संपन्न हुआ मेगा महिला स्वास्थ्य शिविर, महिलाओं ने लिया लाभ

सीहोर(निप्र)। मेगा महिला शिविर में जिले सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में महिलाओं ने पहुंचकर विशेषज्ञ चिकित्सकों से स्वास्थ्य परामर्श, जांच एवं उपचार का लाभ प्राप्त किया अटल अस्पताल, गंगा आश्रम, सीहोर द्वारा आयोजित तीन दिवसीय शिविर सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। शिविर के दौरान कुल 18 महिलाओं ने मरीजों को आधुनिक तकनीक से उपचार एवं ऑपरेशन संबंधी परामर्श भी दिया गया।शिविर के दौरान स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञों द्वारा गर्भाशय संबंधी समस्याएं, अनियमित मासिक धर्म, श्वेत प्रदर, अंडाशय की गांठ सहित विभिन्न महिला रोगों की जांच की गई। आवश्यकता अनुसार मरीजों को आधुनिक तकनीक से उपचार एवं ऑपरेशन संबंधी परामर्श भी दिया गया।अस्पताल प्रबंधन ने बताया कि शिविर का उद्देश्य महिलाओं को बेहतर एवं विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना था, जिसे क्षेत्रवासियों का भरपूर सहयोग और विश्वास प्राप्त हुआ। बड़ी संख्या में महिलाओं की सहभागिता ने इस आयोजन को सफल बनायाअटल अस्पताल प्रबंधन ने शिविर को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी चिकित्सकों, मेडिकल स्टाफ, सहयोगी कर्मचारियों, मीडिया प्रतिनिधियों एवं क्षेत्रवासियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भविष्य में भी जनहित में ऐसे स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाते रहेंगे।

सीआईएस एवं साइबर फ्रॉड विषय पर पैरालीगल वालेन्टियर्स का प्रशिक्षण आयोजित

सीहोर(निप्र)। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा सीआईएस एवं साइबर फ्रॉड विषय पर एक दिवसीय पैरालीगल वालेन्टियर्स का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधान जिला न्यायाधीश श्री संजीव कुमार अग्रवाल ने किया। इस अवसर पर प्रधान जिला न्यायाधीश ने कहा कि पैरालीगल वालेंटियर न्यायपालिका एवं आमजन के बीच एक सशक्त सेतु है। समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय की पहुंच सुनिश्चित करने में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है, उन्होंने कहा कि नालसा एवं सालसा की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभपात्र व्यक्तियों तक पहुंचाने में पैरालीगल वालेन्टियर्स की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। प्रशिक्षण का उद्देश्य केवल तकनीकी ज्ञान प्रदान करने तक सीमित नहीं है, बल्कि ज्ञान को आमजन तक पहुंचाना है। डिजिटल न्याय प्रणाली में सीआईएस एवं सायबर धोखाधड़ी संबंधी विषयों को जानना अति आवश्यक है। सचिव श्रीमती स्वप्नश्री सिंह ने प्रशिक्षण के उद्देश्य बताते हुये कहा कि पैरालीगल वालेन्टियर्स विधिक सेवा प्राधिकरण की रीढ़ है। प्रशिक्षण के प्रथम सत्र में जूनियर सिस्टम एनालिस्ट श्रीमती रश्मि दुबे, सिस्टम असिस्टेंट संदीप बिसोपिया द्वारा प्रकरण सूचना प्रणाली CIS विषय पर विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही ई-फाइलिंग, ई-समन, ई-कोर्ट सर्विस एप्लीकेशन, केश स्टेटस, कॉज लिस्ट आदि के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी।

रुद्राभिषेक, कांवड़ यात्रा, पार्थिव शिवलिंग निर्माण से श्रावण मास में शिव भक्तों को मिलेगा महापुण्य- पंडित सुनील शर्मा

सीहोर(निप्र)। इस वर्ष श्रावण मास गुरुवार 30 जुलाई जुलाई श्रवण नक्षत्र में प्रारंभ होगा और सावन मास शुक्लपक्ष पूर्णिमा शुक्रवार 28 अगस्त शतभिषा नक्षत्र में रक्षाबंधन को पूर्ण होगा। इस वर्ष श्रावण मास पूरे 30 दिनों का रहेगा। आषाढ़ मास देवशयनी एकादशी से कार्तिकमास देवउठनी एकादशी तक भगवान शंकर सृष्टि का संचालन करेंगे और श्रावण मास देवादीदेव भगवान महादेव को अत्यंत प्रिय है जिससे श्रद्धालुओं के लिए श्रावण मास में शिवशक्ति की कृपा प्राप्ति के लिए रुद्धाभिषेक, कावड़ यात्रा, पार्थिव शिवलिंग निर्माण, व्रत पूजन करना ब शिव चालीसा, शिव महिम्न स्तोत्र, रुद्राष्टकम, शिव तांडव स्तोत्र, रामायण का पाठ करना ब सुनना विशेष लाभप्रद माना गया है। पंडित सुनील शर्मा ने बताया कि इस बार श्रावण मास में 4 सोमवार आ रहे है जो कि क्रमशः 3,10,17 व 24 अगस्त को होंगे। इस प्रकार 3 अगस्त पहले सोमवार को मोना पंचमी रहेगी और 10 अगस्त दूसरे सोमवार को शिव शक्ति प्रिय प्रदोष व्रत रहेगा और 17 अगस्त तीसरे सोमवार को नाग पंचमी रहेगी और चौथे सोमवार 24 अगस्त को द्वादशी तिथि रहेगी। पंडित सुनील शर्मा के अनुसार श्रद्धालुजन भगवान शिव को जल, दूध, दही, मिश्री, शहद, इत्र, बेलपत्र, केशर, भांग, भस्म, धतूरा, शमीपत्र, बिला श्रद्धाभाव से चढ़ाते है व शास्त्र अनुसार रुद्राभिषेक में विभिन्न कामनाओ की पूर्ति के लिए विशेष द्रव्यों का प्रयोग किया जाता है। भक्तजन वर्षा के लिए जलाअभिषेक, मनोकामना प्राप्ती के लिए गाय का दूध, भवन और वाहन की प्राप्ति के लिए दही, श्रीलक्ष्मी प्राप्ति के लिए गन्ने का रस, धनसंपत्ति वृद्धि के लिए शहद व गाय का घी, मोक्ष प्राप्ति के लिए तीर्थ जल, बीमारी से मुक्ति के लिए इत्र, संतान प्राप्ति के लिए दूध व गाय का घी, आरोग्यता प्राप्ति के लिए गाय का दुग्ध व घी द्वारा अभिषेक करते है।

संयुक्त दल ने किया बाल भिक्षावृत्ति रोकथाम एवं बाल सुरक्षा के प्रति जागरूक

सीहोर(निप्र)। महिला एवं बाल विकास विभाग, स्पेशल जुवेनाइल पुलिस यूनिट, बाल कल्याण समिति, विदिशा सोशल वेलफेयर सोसायटी तथा रेलवे सुरक्षा बल के संयुक्त दल द्वारा बाल भिक्षावृत्ति रोकथाम अभियान के अंतर्गत सीहोर के रेलवे स्टेशन तथा आसपास के क्षेत्रों में नागरिकों एवं बच्चों को जागरूक किया गया। इस दौरान सीहोर रेलवे स्टेशन एवं आसपास के क्षेत्रों का भ्रमण किया गया और लोगों को बाल संरक्षण एवं बाल सुरक्षा के संबंध में जानकारी दी गई। संयुक्त दल द्वारा विशेष रूप से जिले के बाहर से आने वाले लोगों के साथ आए बच्चों एवं उनके अभिभावकों को बच्चों की सुरक्षा के संबंध में आवश्यक जानकारी दी गई। इसके साथ ही जीआरपी के माध्यम से रेलवे स्टेशन परिसर में अनांउमेंट कर यात्रियों को बच्चों की सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही अभिभावकों को सलाह दी गई कि वे अपने बच्चों को अपने मोबाइल नंबर एवं घर का पता याद कराएं अथवा संपर्क नंबर लिखकर बच्चों की जेब में रखें, ताकि किसी भी आपात स्थिति में बच्चों को सुरक्षित रूप से उनके परिजनों तक पहुँचाया जा सके। संयुक्त दल ने उपस्थित नागरिकों से अपील की कि यदि कोई बच्चा भिक्षावृत्ति करते हुए, असहाय अवस्था में अथवा किसी प्रकार के शोषण का शिकार दिखाई दे, तो इसकी सूचना तत्काल संबंधित विभाग, पुलिस अथवा चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 पर दें, जिससे समय पर आवश्यक सहायता एवं संरक्षण उपलब्ध कराया जा सके।

गुरु पूर्णिमा परखवाड़े में एक वृक्ष गुरु के नाम कार्यक्रम आयोजित

पर्यावरण संरक्षण का दिया गया संदेश

सीहोर (निप्र)। गुरु पूर्णिमा पखवाड़े के पावन अवसर पर कन्या शिक्षा परिसर, सीहोर में सूर्या फाउंडेशन के तत्वावधान में एक वृक्ष गुरु के नाम कार्यक्रम का प्राकृतिक परिवेश में आयोजन किया गया। पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाने और गुरु के प्रति सम्मान प्रकट करने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में विद्यालय परिसर को हरियाली से सजाने का संकल्प लिया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय की प्राचार्या डॉ. विनीत गाबा मैम द्वारा पौधा रोपण कर किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहीं। प्राचार्या महोदया ने अपने संबोधन में कहा कि गुरु हमें अज्ञान के अंधकार से ज्ञान के प्रकाश की ओर ले जाते हैं, ठीक उसी प्रकार वृक्ष भी हमें स्वच्छ वायु, शीतल छाया और जीवन देकर हमारी रक्षा करते हैं। आज हम अपने गुरु को समर्पित एक-एक पौधा लगाकर प्रकृति और गुरु दोनों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त कर रहे हैं।

कुबेरेश्वरधाम पर गुरु पूर्णिमा महोत्सव के दूसरे दिन उमड़ा आस्था का सैलाब, दो लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने किया शिव महापुराण का श्रवण

सीहोर (निप्र)। प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी आस्था और उत्साह के साथ जिला मुख्यालय के समीपस्थ करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का प्रतीक प्रसिद्ध कुबेरेश्वरधाम में आयोजित छह दिवसीय गुरु पूर्णिमा महोत्सव के दूसरे दिन श्रद्धा और आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला। देशभर से पहुंचे दो लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने शिव महापुराण कथा का श्रवण कर भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त किया। पूरे धाम में दिनभर हर-हर महादेव और शिवभक्ति के जयघोष गूंजते रहे। इस मौके पर विठलेश सेवा समिति ने देव शयनी एकादशी पर यहां पर आने वाले लाखों की संख्या में श्रद्धालुओं का प्रसादी का वितरण किया।

श्रद्धालुओं की लगातार बढ़ती संख्या को देखते हुए रेल प्रशासन ने सीहोर रेलवे स्टेशन पर 10 अतिरिक्त ट्रेनों का ठहराव सुनिश्चित कराया है। इसके साथ ही अब दो दर्जन से अधिक ट्रेनों का सीहोर स्टेशन पर स्टॉपेज उपलब्ध हो गया है, जिससे विभिन्न राज्यों से आने वाले श्रद्धालुओं को बड़ी सुविधा मिल रही है।

गुरु पूर्णिमा महोत्सव को लेकर सीहोर स्टेशन पर 10 ट्रेनों का स्टापेज

गुरु पूर्णिमा महोत्सव एवं श्री शिवमहापुराण कथा पर देशभर से आने वाले लाखों श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सीहोर रेलवे स्टेशन पर 10 विशेष ट्रेनों के ठहराव की व्यवस्था की गई है। जिसको लेकर सीहोर रेलवे प्रशासन एवं समस्त रेलवे प्रबंधन का आभार व्यक्त किया है। यह निर्णय दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए अत्यंत लाभकारी एवं सुविधाजनक सिद्ध होगा। आपकी यह सेवा-भावना श्रद्धालुओं की यात्रा को सरल, सुरक्षित एवं सुगम बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण योगदान है। सीहोर रेलवे स्टेशन पर 10 जोड़ी ट्रेनों का अस्थाई ठहराव किया गया है। पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश कुमार द्वारा बताया कि यह ठहराव तत्काल प्रभाव से 30 जुलाई तक दिया जाएगा।

देवशयनी ग्यारस के अवसर पर श्रद्धालुओं के लिए विठलेश सेवा समिति द्वारा विशाल फलाहार प्रसादी की व्यवस्था की गई। समिति के सेवादारों ने पूरे दिन श्रद्धालुओं के बीच लगभग 200 क्विंटल फलहारी खिचड़ी, 60 क्विंटल खीर तथा 50 क्विंटल से अधिक फलहारी मिक्चर का वितरण किया। हजारों सेवादार सेवा कार्यों में पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ जुटे रहे। शिव महापुराण के दूसरे दिन अंतरराष्ट्रीय कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि अच्छा सलाहकार ही व्यक्ति को मंजिल तक पहुंचाता है। जीवन में अच्छी सलाह देने वाले बहुत कम मिलते हैं, इसलिए अपने बुजुर्गों, माता-पिता, संतों, साधकों और गुरु के वचनों पर अमल अवश्य करना चाहिए। श्री शिवाय नमस्तुभ्यं मंत्र का श्रद्धा और विश्वास के साथ जाप करने से भगवान शिव की कृपा प्राप्त होती है तथा जीवन में धन, वैभव और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होता है।'

सीहोर की 18 सदस्यीय टीम का गठन, 27 को खेला जाएगा राज्य स्तरीय फुटबाल का मैच

सीहोर (निप्र)। शहर के चर्च मैदान पर जिला फुटबाल एसोसिएशन के सहयोग से आगामी 27 जुलाई से होने वाली राज्य स्तरीय जूनियर बालक फुटबाल प्रतियोगिता की तैयारियां पूर्ण हो गई है। प्रतियोगिता का पहला मैच सीहोर और शिवपुरी के मध्य और दूसरा मैच भोपाल नर्मदापुरम के मध्य खेला जाएगा। शनिवार को सीहोर जूनियर बालक वर्ग की टीम का गठन किया। इसमें 18 सदस्यीय टीम ने इंटरनेशनल खिलाड़ी सुयश कन्नोजिया के मार्गदर्शन में जमकर अभ्यास किया। इधर जिला स्तरीय फुटबाल प्रतियोगिता में शाम को एक मैच खेला गया। इसमें सीहोर बाइज की टीम ने पुलिस बाइज को 2-1 से हराया। एसोसिएशन के मीडिया प्रभारी प्रियांशु दीक्षित ने बताया कि शनिवार की शाम को जिला स्तरीय फुटबाल प्रतियोगिता में एक रोमांचक मैच सीहोर बाइज और सीहोर पुलिस बाइज के मध्य खेला गया। इसमें सीहोर बाइज की टीम 2-1 से विजय रही। इस मैच में सीहोर बाइज की ओर से आर्थव चौहान-अग्रिम त्रिपाठी ने 1-1 गोल किया।

तीन सीवन पुत्रों के जन्मदिन पर आंबेडकर उपवन में पौधारोपण, 95% पौधे सुरक्षित मिलने पर जताई खुशी

पौधों की देखरेख करने वाले केयर टेकरों को मिलेगा सीवन सम्मान

सीहोर (निप्र)। वरिष्ठ सीवन पुत्र अशोक नामदेव, उमेश चावड़ा एवं जगदीश गोयल के जन्मदिन के अवसर पर शनिवार को सीवन पुत्र टीम ने बाबा आंबेडकर उपवन में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान टीम ने फलदार पौधे रोपे और पूर्व में लगाए गए पौधों को सुरक्षित एवं पेड़ का रूप लेते देखकर प्रसन्नता व्यक्त की। कार्यक्रम के दौरान देशभक्ति गीतों की प्रस्तुतियों के बीच वंदे मातरम् और भारत माता की जय के नारों से पूरा परिसर गूंज उठा। सभी सीवन पुत्रों ने मिलकर पौधारोपण किया और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।पौधारोपण के उपरांत सीवन पुत्र टीम ने जन्मदिन मना रहे अशोक नामदेव, उमेश चावड़ा एवं जगदीश गोयल का दुपट्टा ओढ़ाकर, नारियल भेंट कर एवं पुष्पमालाओं से स्वागत किया। इस अवसर पर सभी ने सीवन पुत्र टीम द्वारा किए जा रहे जनहित और पर्यावरण संरक्षण के कार्यों की सराहना की।सीवन पुत्र वैभव राठौर ने बताया कि आंबेडकर उपवन में पूर्व में लगाए गए लगभग 95 प्रतिशत पौधे सुरक्षित हैं और अब वे पेड़ का रूप ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन पौधों की नियमित देखरेख के लिए सीवन पुत्र टीम ने केयर टेकर नियुक्त किए हैं। पौधों के सफलतापूर्वक वृक्ष बनने पर इन केयर टेकरों को सीवन सम्मान से सम्मानित किया जाएगा।कार्यक्रम में प्रदीप चावड़ा, मुकेश राय, सुरेश भगत, संतोष मेवाड़ा, सुनील मालवीय, कैलाश चव्हाण, कनीराम मालवीय, लक्ष्मण सिंह चौकसे, उमेश चावड़ा, अशोक नामदेव सहित सीवन पुत्र टीम के अनेक सदस्य उपस्थित थे।

खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा लिए जा रहे दूध एवं दुग्ध उत्पादों के नमूने

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर बालागुरू के. के निर्देशानुसार जिले में खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा दूध एवं दुग्ध उत्पादों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत बाजार में विक्रय हो रहे दूध एवं दुग्ध उत्पादों पर विशेष निगरानी रखते हुए दुकानों, डेरियों एवं फैक्ट्रियों का औचक निरीक्षण कर खाद्य पदार्थों के नमूने संग्रहित किए जा रहे हैं। खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने आष्टा के महाकाल मार्ट, अष्टविनायक डेयरी, मां शारदा दूध डेयरी, श्री नेमी गोपाल डेयरी, श्री सेंधव डेयरी तथा मिल्क चिलिंग सेंटर का निरीक्षण कर घी, दूध, दही एवं मट्ठा के नमूने लिए। इसी प्रकार ग्राम चिन्होंठा स्थित मां पार्वती मिल्क प्रा. लि., सीहोर स्थित श्याम डेयरी से मिक्स मिल्क, पनीर, मावा एवं दूध, ग्राम छपरी स्थित महालक्ष्मी डेयरी से भैंस के दूध तथा पवन श्री इंटरनेशनल प्रा. लि., सीहोर से मिक्स मिल्क के नमूने भी संग्रहित किए गए।

समग्र शिक्षा Samagra Shiksha

समग्र शिक्षा अभियान
(सेकेण्ड्री एजुकेशन) जिला सीहोर

स्वच्छ भारत — एक कदम स्वच्छता की ओर

कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी सह जिला परियोजना समन्वयक, कलेक्ट्रेट परिसर जिला सीहोर म.प्र. 466001

दूरभाष-07562-221429, ईमेल- sehore.rmsa@gmail.com

क्र./2301/आरएमएसए/वार्डन चयन/विज्ञप्ति/2026 — सीहोर दिनांक 23.07.2026

//प्रेस विज्ञप्ति//

"समग्र शिक्षा अभियान (सेकेण्ड्री एजुकेशन) अंतर्गत शासकीय बालिका छात्रावास बरखेडाहसन सीहोर, बालिका छात्रावास इछावर एवं बालिका छात्रावास कोठरी आष्टा में वार्डन के चयन एवं प्रभार संबंधित"

समग्र शिक्षा अभियान (सेकेण्ड्री एजुकेशन) अंतर्गत जिले में संचालित बालिका छात्रावास बरखेडा हसन सीहोर, बालिका छात्रावास इछावर एवं बालिका छात्रावास कोठरी आष्टा में वार्डन के चयन एवं प्रभार के संबंध में चयनित विद्यालय अन्तर्गत ही संचालित छात्रावास में शासकीय प्राथमिक/माध्यमिक/हाईस्कूल/उमावि शालाओं में कार्यरत इच्छुक महिला शिक्षिकाओं (बालिका छात्रावास हेतु) से आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है किन्तु चयनित विद्यालय में महिला शिक्षिकों की अनुपलब्धता/असहमति की स्थिति में विकासखण्ड अंतर्गत शासकीय प्राथमिक/माध्यमिक/हाईस्कूल/ उमावि शालाओं में कार्यरत इच्छुक महिला शिक्षिकाओं (बालिका छात्रावास हेतु) के आवेदन पत्र पर विचार किया जावेगा। छात्रावासों में वार्डन पद पूर्ति हेतु संबंधित शाला में रिक्त पद की जानकारी निम्नानुसार है :-

क्र.	छात्रावास का नाम	रिक्त पद महिला/पुरूष	वार्डन पद हेतु एक से अधिक आवेदन आने पर प्राथमिकता का क्रम विषयमान से निम्न होगा
1	बालिका छात्रावास बरखेडहसन सीहोर	महिला शिक्षिका	अंग्रेंजी, गणित, विज्ञान, वाणिज्य, हिन्दी, संस्कृत, सा. विज्ञान एवं कृषि विषय के शिक्षिकाओं को प्राथमिकता दी जावेगी
2	बालिका छात्रावास कोठरी आष्टा	महिला शिक्षिका	
3	बालिका छात्रावास इछावर	महिला शिक्षिका	

आवेदन की अंतिम तिथि 03.08.2026 है तथा आवेदन पत्र संबंधित जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय सीहोर से निःशुल्क प्राप्त किया जा सकता है, वार्डन के चयन के सेवा एवं शर्ते जिला शिक्षा अधिकारी के सूचना पटल पर देखी जा सकती है। देरी से प्राप्त आवेदन कर विचार नहीं किया जा सकेगा।

जी/16185/26

जिला शिक्षा अधिकारी
जिला-सीहोर

हेलमेट पहनकर वाहन चलायें,अपनी व दूसरों की जान बचायें

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस तलैया,भोपाल एवं श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं.21,सेक्टर-एच,इंडस्ट्रियल एरिया,गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा 09 वैशाली नगर ग्राम शेरपुर शंकर मंदिर के पास सीहोर म.प्र. से प्रकाशित। ब्यूरो प्रमुख -भावना सक्सेना। स्थानीय प्रतिनिधि-मनोज दीक्षित, सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो.9425025999 ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com